শর্মা হার্ডওয়েৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 71 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 6 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

चाय मजदूर संघ के सैकड़ों नेता भाजपा में शामिल पेज 3

सामाजिक सुधारों के मामले में वल्लालर अपने समय से आगे थे : प्रधानमंत्री पेज 4

निवेशकों से व्यक्तिगत संपर्क और संवाद के इन्वेस्टमेंट इको सिस्टम को बेहतरीन... पेज 5

मुख्यमंत्री का संवेदनशील निर्णय : राज्य में कार्यरत 10528 संविदा... पेज 8

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
दुसरो के कल्याण से बढ़ कर, दूसरा और कोई नेक काम और धर्म नहीं होता।
– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

बाक्सा में 43 करोड़ रुपए से स्पोर्ट्स कंप्लेक्स नए डीसी कार्यालय भवन भी : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के विकास के उद्देश्य से वर्तमान राज्य सरकार की अथक पहल को जारी रखते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को बाक्सा जिले के मुसलपुर में एक जिला खेल परिसर की आधारशिला रखी। लगभग 43 करोड़ रुपए की परियोजना लागत वाले इस अत्याधुनिक खेल परिसर में 40 बीघा भूमि के क्षेत्र को कवर करते हुए, इसमें सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक, बैडमिंटन, टेबल टेनिस की सुविधाओं के साथ बहुउद्देशीय इंडोर स्टेडियम, वॉलीबॉल, ताइक्वांडो जैसी सुविधाएं होंगी। इसके अलावा, इसमें एक ओलंपिक आकार का स्विमिंग पूल भी होगा। कार्यक्रम से संबंधित मुसलपुर में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने विश्वास जताया कि स्टेडियम परिसर का निर्माण पूरा होने पर विकास और शांति की गति को भारी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने नए बाक्सा जिला आयुक्त कार्यालय के निर्माण के लिए 25 करोड़ और नए सर्किट हाउस के लिए 5 करोड़ रुपए के वित्तीय अनुदान की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बीटीआर के सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार के उद्देश्य से जल्द ही 500 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की जाएगी। असम पुलिस में 5,600 रिक्तियों को भरने के लिए आगामी विज्ञापनों के बारे में बोलते हुए, –शेष पृष्ठ दो पर

तामुलपुर में भी कई परियोजनाएं

तामुलपुर। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज तामुलपुर में आयोजित एक समारोह में तामुलपुर जिले के जरतालुक में बारमा–धमधामा–तामुलपुर रोड पर नवनिर्मित आरसीसी पुल को लोगों की सेवा के लिए समर्पित किया। गौरतलब है कि पुल की नींव 26 फरवरी 2021 को रखी गई थी। इस पुल का निर्माण 2 करोड़ रुपए की वित्तीय लागत से किया गया है। पुल की –शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में अफीम के अवैध बागान नष्ट करेगी वायु सेना

नई दिल्ली (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय वायु सेना को मणिपुर में अफीम की फसल कटाई से पहले हवाई अभियान चलाकर अवैध बागानों को नष्ट करने का निर्देश दिया है। राज्य में अफीम की अवैध खेती को हिंसा का मुख्य कारण मानते हुए इस समय म्यांमार की सीमा से लगे मणिपुर के दक्षिणी हिस्सों में अक्तूबर के अंत तक कई एकड़ में अफीम के अवैध पौधों को नष्ट करने का अभियान चलाया जा रहा है। दूर–दराज के इलाकों में रसायनों का छिड़काव करने के लिए ड्रोन की भी मदद ली जा रही है। दरअसल, मणिपुर 1,640 किलोमीटर लंबी भारत–म्यांमार सीमा का 400 किलोमीटर हिस्सा साझा करता है। इस 400 किलोमीटर –शेष पृष्ठ दो पर

इंफाल में फिर भड़की हिंसा, दो घरों में लगाई आग

इंफाल। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में एक बार फिर से हिंसा भड़क गई है। इस हिंसा के दौरान प्रदर्शनकारियों ने कम से कम दो घरों में आग लगा दी और कई राउंड गोलियां चलाई। इस घटना की जानकारी गुरुवार को मणिपुर पुलिस ने दी। उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार रात करीब 10 बजे पाटसोई पुलिस थाना क्षेत्र के न्यू कीथेल्मनबी में हुई। उन्होंने बताया कि हमले के बाद आरोपी मौके से भाग गए, जिससे इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बलों और अग्निशमन सेवा कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है। उन्होंने बताया –शेष पृष्ठ दो पर

जोनमणि कांड में सीबीआई ने की पूछताछ

नगांव (हि.स.)। एसआई जोनमणि राभा की मौत की जांच कर रही सीबीआई की टीम एक बार फिर घटनास्थल पर पर पहुंच गई है। जांच कर रही सीबीआई टीम के अधिकारी बुधवार को दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और जोनमोनी राभा के दुर्घटनाग्रस्त वाहन से दो मोबाइल फोन बरामद किए थे। सीबीआई की जांच टीम ने घटना के 143 दिन बाद पुलिस अधीक्षक रैंक के अधिकारी वेदांत माधव राजखोवा से पूछताछ की। एपीएस अधिकारी राजखोवा आज नगांव पहुंचे। सीबीआई के बुलावे पर राजखोवा नगांव सर्किट हाउस पहुंचे। सीबीआई ने लखीमपुर के पूर्व पुलिस अधीक्षक वेदांत माधव राजखोवा से जिले के पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लूना नेउग के बाद पूछताछ की। सुबह करीब 11 बजे एपीएस अधिकारी नेउग नगांव आवर्त भवन में दिखाई दिए। लूना नेउग से भी एसआई जोनमणि राभा की मौत के मामले में पूछताछ की गई।

न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री ने की समीक्षा बैठक

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य में चल रहे विभिन्न परियोजना की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेने के लिए एक समीक्षा बैठक बुलाई। मुख्यमंत्री कार्यालय में बुलाई गई इस बैठक के दौरान उन्होंने जहां असम में एक और संग्रहालय के चल रहे निर्माण कार्य की प्रगति पर चर्चा की। वहीं, 10 नए कॉलेजों के लिए स्थलों को लेकर इस दौरान चर्चा की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य में 450 करोड़ रुपए की लागत से चलाई जा रही 54 बाढ़ शमन परियोजनाओं के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

लोग राहुल गांधी को सुन रहे हैं : गौरव गोगोई

गुवाहाटी। असम में बिजली बिल में बढ़ोतरी को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने हिमंत सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसी क्रम में कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने गुवाहाटी में विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही बिजली बिल में बढ़ोतरी के नोटिस की कॉपी भी जलाई। इस विरोध प्रदर्शन में पार्टी के सांसद गौरव गोगोई भी शामिल हुए। उन्होंने विपक्ष के नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। गौरव गोगोई ने कहा कि भाजपा, पीएम मोदी और अमित शाह डराने–धमकाने की –शेष पृष्ठ दो पर

भूस्खलन से परिवार बाल–बाल बचा

गुवाहाटी। लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में गुरुवार सुबह गुवाहाटी शहर के जू–नरेंगी रोड पर एक घर गिर गया, जिससे वह आंशिक रूप से नष्ट हो गया। सौभाग्य से, प्रभावित घर में रहने वाला परिवार इस आपदा से बाल–बाल बच गया। लगातार बारिश से उत्पन्न यह आपदा एक बड़े संकट का हिस्सा है क्योंकि शहर खराब मौसम के कारण बाढ़ से जूझ रहा है। –शेष पृष्ठ दो पर

सिक्किम : 14 की मौत, 102 लापता, भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली। उत्तरी सिक्किम में ल्होनक झील पर बादल फटने से तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने के बाद कम से कम 14 लोगों की मौत की खबर है। वहीं 22 सैन्यकर्मी समेत करीब 102 लोग लापता बताए गए हैं, जिनकी खोज जारी है। इस बीच मौसम विभाग ने राज्य में अगले 24 घंटे में भारी से भारी बारिश होने की संभावना जताई है। गुवाहाटी में रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र सिंह रावत ने बताया कि 22 लापता सैनिकों का पता लगाने के लिए भारतीय सेना के त्रिशक्ति कोर के जवानों द्वारा खोज और बचाव अभियान जारी है। सिंगताम के पास बुरदांग में कीचड़ में डूबे वाहनों को निकालने की लगातार कोशिशें जारी हैं। लापता व्यक्तियों की तलाश अब तीस्ता नदी के निचले इलाकों में केंद्रित है। शुरुआती 23 लापता जवानों में से एक को 4 अक्तूबर की शाम को बचा लिया गया। लापता लोगों के परिजनों से संपर्क कर स्थिति की जानकारी दे दी गई है। सिक्किम और उत्तरी बंगाल में तैनात अन्य सभी भारतीय सेना के जवान सुरक्षित हैं और मोबाइल संचार में व्यवधान के कारण वे अपने परिवार के सदस्यों से संपर्क करने में असमर्थ हैं। इस बीच, भारतीय सेना ने कई इलाकों में फंसे नागरिकों और पर्यटकों तक मोबाइल कनेक्टिविटी बढ़ाने का काम तेजी से शुरू कर दिया है। सिक्किम की बिगड़ती स्थिति के बीच पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस गुरुवार सुबह ही सिक्किम के दार्जिलिंग पहुंचे। यहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। हालात बहुत चिंताजनक है। लोग पीड़ित हैं, अब भी अनिश्चितता है... हम देख रहे –शेष पृष्ठ दो पर

नेपाल के एक कस्बे में हिंदू–मुस्लिम विवाद को लेकर लॉकडाउन

काठमांडू। एक विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दो समुदायों के बीच तनाव बढ़ने के बाद नेपाल के एक कस्बे में लॉकडाउन लगा दिया गया है। विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग में इस मुद्दे को लेकर अरिंदम बागची ने कहा कि ये मामला नेपाल के अधिकार क्षेत्र का मामला है और इससे डील करेंगे। मैं इसमें ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। गौरतलब है कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुसलमानों ने क्षेत्र के मुख्य सरकारी प्रशासक के कार्यालय भवन के अंदर स्थिति का विरोध किया, सड़कों पर टायर जलाए और यातायात अवरुद्ध कर दिया। शुरुआत में प्रशासन ने सोमवार को 24 घंटे का कर्फ्यू लगाया था और बाद में इसे अगले आदेश तक बढ़ा दिया गया। राजधानी काठमांडू से लगभग 400 किलोमीटर पश्चिम में नेपालगंज में हिंदू विरोध प्रदर्शन पर हमले के बाद –शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम चुनाव में मणिपुर हिंसा बनेगा अहम मुद्दा

एजल। इस साल के अंत तक मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल तैयारियों में जुट गए हैं। लेकिन इस दौरान सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा मणिपुर हिंसा है। राज्य में कुकी समुदाय के समर्थन में पूरा राज्य खड़ा हो गया है। आइए जानते हैं कि चुनाव पर इस हिंसा का क्या कुछ असर पड़ सकता है। साल के अंत तक मिजोरम में कुल 40 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होने हैं। वहीं साल 2018 के चुनावों की बात करें, तो साल 2018 में मिजो नेशनल फ्रंट ने कुल 40 में से 26 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं कांग्रेस –शेष पृष्ठ दो पर

सत्तारूढ़ एमएनएफ का 38 सीटों पर प्रत्याशी फाइनल

एजल। मिजोरम में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में राज्य की सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट ने मिजोरम की कुल 40 विधानसभा क्षेत्रों में से 38 के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम फाइनल कर दिए हैं। एमएनएफ पार्टी के एक नेता ने इस बात की जानकारी दी है। बता दें कि 17 दिसंबर को मिजोरम विधानसभा का वर्तमान कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। –शेष पृष्ठ दो पर

आतंकवाद को जड़ से खत्म करने की जरूरत : गृहमंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो दिवसीय *आतंकवाद विरोधी सम्मेलन 2023* में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें न केवल आतंकवाद से लड़ने की जरूरत है, बल्कि इसके पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को भी खत्म करने की जरूरत है। इसके लिए हमें पूरी सरकार और टीम इंडिया की भावना के साथ काम करना होगा। सभी आतंकवाद विरोधी एजेंसियों को ऐसा कठोर दृष्टिकोण अपनाना होगा कि नए आतंकवादी संगठन न बन सकें। उन्होंने कहा कि एनआईए, एटीएस और एसटीएफ का काम केवल जांच तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें लीक से हटकर सोचना चाहिए और आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए नए कदम –शेष पृष्ठ दो पर

रूस का यूक्रेन के गांव पर हमला, 48 मरे

कीव। यूक्रेन के अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि रूस ने देश के उत्तर पूर्वी हिस्से में एक गांव पर हमला किया जिसमें 48 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ एंड्री येरमाक और खारकीव के गवर्नर ओलेह सिनिहुबोव ने बताया कि रूसी बलों ने अपराह्न लगभग एक बजे खारकीव इलाके के ह्रोजा गांव स्थित दुकान और कैफे पर गोले दागे। सिनिहुबोव ने बताया कि मारे गए लोगों में छह वर्षीय एक बच्चा भी शामिल है। इससे पहले रूस ने तड़के एक और बड़े हमले में यूक्रेन के कई इलाकों पर ड्रोन से निशाना साधा। यह हमला ऐसे वक्त हुआ है जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की लगभग 50 यूरोपीय नेताओं के शिखर सम्मेलन में पश्चिमी सहयोगियों का समर्थन जुटाने के लिए स्पेन के दौरे पर हैं। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि देश की वायु सुरक्षा ने 29 ईरानी निर्मित ड्रोन में से 24 को नाकाम कर दिया। ये ड्रोन रूस ने दक्षिणी ओडेसा, मायकोलाइव और किरोवोह्राद क्षेत्रों में दागे थे। यूक्रेन के अधिकारियों ने जानमाल –शेष पृष्ठ दो पर

जिम्बाबे में हैजा से हाहाकार, सौ की मौत

हरारे। जिम्बाब्वे में पिछले महीने के आखिर से अब तक हैजा के 100 संदिग्ध मरीजों की मौत हो गई है, जबकि 5000 से अधिक संभावित मामले सामने आये हैं। इसके बाद सरकार ने इसकी रोकथाम के लिए अंतिम संस्कार में लोगों की संख्या सीमित करने तथा प्रभावित क्षेत्रों में कार्यक्रमों पर रोक लगाने समेत कई पाबंदियां लगायी है। सरकार ने इसकी जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को मरने वालों की संख्या की घोषणा की और कहा कि प्रयोगशाला की जांच के आधार पर 30 मरीजों की हैजा से मौत होने की पुष्टि हुई है। –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

आजादी सिर्फ एक परिवार ने नहीं दिलाई : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को *केवल एक परिवार* का गुणगान करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि देश को आजादी सिर्फ एक परिवार ने नहीं दिलाई और ना ही देश का विकास सिर्फ एक परिवार ने किया है। वह यहां वीरांगना रानी दुर्गावती स्मारक एवं उद्यान तथा अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास करने के बाद बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने चुनावी राज्य मध्य प्रदेश में कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। मोदी ने जनसभा में कांग्रेस या गांधी परिवार का नाम लिए बिना कहा कि आजादी के बाद दशकों तक जो दल सत्ता में रहा। उसने एक ही काम किया। एक परिवार की चरण वंदना की। एक परिवार की चरण वंदना के अलावा उसे देश की परवाह नहीं थी। देश को आजादी सिर्फ एक परिवार ने नहीं दिलाई। देश का विकास भी सिर्फ एक परिवार ने नहीं किया है। ये हमारी सरकार है, जिसने सभी का मान रखा, सम्मान रखा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने स्मारक बनाकर डॉ. बी. आर. आंबेडकर, संत रविदास, रानी कमलापति जैसे प्रतीकों का सम्मान किया। देश की तकनीकी प्रगति का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि लगभग 11 करोड़ फर्जी व्यक्तियों के नाम सरकारी रिकॉर्ड से हटा दिए गए क्योंकि उनके नाम पर लाभ लिया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा (11 करोड़) मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की आबादी से भी ज्यादा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने *कांग्रेस के भ्रष्ट नेटवर्क* को खत्म करने और 2.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की चोरी को रोकने के लिए जन धन बैंक खातों, आधार संख्या और मोबाइल कनेक्शन की तिकड़ी बनाई, और यही कारण है कि विपक्षी दलों को नाराजगी दिख रही है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले बड़े-बड़े घोटाले सुर्खियां बनते थे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि महिलाओं को धुएं वाले चूल्हे या लकड़ी से जलने वाले चूल्हे, जो उनके स्वास्थ्य के लिए खतरा थे, की जगह उज्ज्वला योजना के माध्यम से खाना पकाने के लिए गैस कनेक्शन मुहैया कराया जाए।

मुजफ्फरपुर में थाने में गुस्साई भीड़ ने लगाई आग, 15 गिरफ्तार

मुजफ्परपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के गरहां पुलिस चौकी क्षेत्र में एक युवक की मौत के बाद उग्र भीड़ ने बुधवार की शाम को जमकर उत्पात मचाया और पुलिस चौकी में रखे वाहनों और कई जब्त मोटरसाइकिल में आग लगा दी। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि इस मामले में अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुजफ्फरपुर के पुलिस अधीक्षक (सिटी) अरविंद प्रताप सिंह ने कहा कि इस मामले में तीन प्राथमिक की दर्ज की गई हैं। पहला मामला शराब को लेकर छापामारी से जुड़ा है जिसमें दो लोग गिरफ्तार किए गए थे। गिरफ्तार लोगों से प्राप्त जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई किए जाने पर कुछ लोग मोटरसाइकिल से उतरकर फरार हो रहे थे, जिसमें से एक व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ लिया जबकि दूसरा व्यक्ति फरार हो गया था। ग्रामीणों के अनुसार, फरार व्यक्ति की पहचान जितेंद्र यादव के रूप में हुई है जो शराब विरोधी दस्ते से बचने के लिए कथित तौर पर अपने गांव के एक तालाब में कूद गया जिससे उसकी डूबने से मौत हो गयी थी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। मृतक के परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि मृतक के परिजनों के बयान के आधार पर यह संज्ञेय अपराध का मामला नहीं लगता है। उन्होंने बताया कि मृतक के शव को लेकर लोग पुलिस चौकी परिसर में पहुंच गये और वहां रखे वाहनों में आग लगा दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस चौकी में आगजनी करने के मामले में करीब 35 ज्ञात लोगों और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। उन्होंने कहा कि अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और पांच अन्य लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने इस बात की भी पुष्टि की कि शराब के मामले में गिरफ्तार किए गए मृतक के बड़े भाई धर्मेंद्र को भीड़ द्वारा पुलिस हिरासत से छुड़ा लिया गया था।

संघ के विजयादशमी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे शंकर महादेवन

नागपुर(हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नागपुर में आयोजित विजयादशमी उत्सव में प्रसिद्ध गायक पद्मश्री शंकर महादेवन को इस वर्ष मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह कार्यक्रम नागपुर के रेशिमबाग परिसर में 24 अक्तूबर को आयोजित किया गया है। संघ के प्रचार विभाग ने गुरुवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में वर्ष प्रतिपदा, शिव राज्याभिषेक दिवस, रक्षाबंधन, गुरु पूर्णिमा, विजयादशमी और मकर संक्रांति ऐसे 6 प्रमुख त्योहार मनाए जाते हैं। इन उत्सवों के आयोजन के पीछे संघ का अपना दर्शन है। विजयादशमी समारोह और नागपुर में आयोजित तृतीय वर्ष संघ शिक्षा वर्ग के समापन का विशेष महत्व है। संघ संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने 27 सितंबर 1925 को विजयादशमी के दिन संघ की स्थापना की थी। इसलिए, विजयादशमी के दिन संघ का स्थापना दिवस भी होता है।

पति के बिछाए बिजली की तार में सटकर पत्नी की मौत

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के बोकाखात में एक पति के द्वारा घर के अंदर पत्नी को रोकने के लिए लगाकर रखे गए विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि यह घटना कल रात उस समय हुई, जब उसके पति द्वारा बिस्तर के चारों ओर लगाकर रखे गए विद्युत प्रवाहित तार में पत्नी सट गई। इस घटना में तत्काल ही महिला की मौत हो गई। सुबह मृत्यु की जानकारी पाकर पहुंची पुलिस ने पाया कि महिला जिस बिस्तर पर सो रही थी, उसके चारों ओर लगे हुए बिजली के तार में करंट प्रवाहित हो रहा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि जब उसका पति घर से बाहर निकलता था तो पत्नी को बिस्तर पर सुलाकर उसके चारों ओर करंट प्रवाहित तार का जाल बिछा देता था, ताकि पत्नी घर के बाहर निकल नहीं सके। बाबुल नाहक नामक इस व्यक्ति ने अपनी पत्नी विनीता तांती के साथ कल भी ऐसा ही किया था। रात्रि के समय अर्धनिद्रा की स्थिति में बिनीता बिजली के तार की चपेट में आ गई। जिससे बिनीता तांती की तत्काल ही मौत हो गई। बाबुल नाहक ने पुलिस के सामने आरोपों को स्वीकार किया है। बोकाखात पुलिस ने घटना के संबंध में बाबुल नाहक को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कछार पुलिस ने किया 17 क्विंटल गांजा जब्त

कछार (हिंस)। मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे राज्यव्यापी अभियान के दौरान आज कछार जिला पुलिस को भारी सफलता मिली है। अभियान के दौरान भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर कछार पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर कछार जिले के कलैन के दिगोरखाल इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 06 पर एक डंपर (टीआर-01एआर-1815) को रोका। पुलिस ने वाहन से 1, 705 किलोग्राम गांजा जब्त किया।

रीप हजारिका ने सूचना आयुक्त के रूप में ली शपथ

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित एक समारोह में रीप हजारिका को राज्य सूचना आयुक्त के रूप में पद की शपथ दिलाई। इससे पहले, असम सरकार के मुख्य सचिव पबन कुमार बरठाकुर ने समारोह की कार्रवाई शुरू करने के लिए राज्यपाल से अनुमति मांगी। समारोह में राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त भास्कर ज्योति महंत, राज्य के पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त एपी राउत, विशेष डीजीपी हरमीत सिंह, राज्यपाल के आयुक्त और सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम, प्रशासनिक सुधार और प्रशिक्षण आयुक्त और सचिव शांतनु पी गोटमारे, डीसी, कामरूप (मेट्रो) पल्लव गोपाल झा और राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दुर्घटना में दो की मौत, तीन घायल

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले के शिमलागुड़ी इलाके में हुई एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, तीन अन्य लोगों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि डंपर और ऑटो के बीच में आमने-सामने की हुई टक्कर में रितुमणि राय और निर्मल दास की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, अन्य तीन दोस्त जीतूमाणि राय, दीप ज्योति राय और ज्वेल ज्योति राय को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पांचों दोस्त नई कर लेकर बीती देर रात हाउली से सरभोग की ओर जा रहे थे, इस दौरान यह हादसा हुआ।

संघ कार्यालय के बाहर प्रदर्शन से केंद्र गंभीर

कोलकाता (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत विगत मंगलवार को कोलकाता स्थित संघ कार्यालय केशव भवन में ठहरे हुए थे और बाहर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस बात को गंभीरता से लिया है। संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के मुताबिक डॉ. भागवत मंगलवार को एक दिवसीय प्रवास पर कोलकाता में थे। इस दौरान वह रात में केशव भवन में ठहरे हुए थे और भोर में ही अपने अगले गंतव्य की ओर रवाना हो गए। उन्होंने बताया कि संघ कार्यालय के बाहर जिस समय तृणमूल कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे थे उस वक्त डॉ. भागवत कार्यालय में ही ठहरे हुए थे। उल्लेखनीय है कि अभिषेक बनर्जी सहित तृणमूल के अन्य नेताओं को दिल्ली में हिरासत में लिए जाने के विरोध में तृणमूल कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन शुरू कर दिया था। हालांकि सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल वहां पहुंचा और प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया। केंद्रीय खुफिया एजेंसी के एक अधिकारी के मुताबिक संघ कार्यालय के बाहर इस विरोध प्रदर्शन की भनक केंद्रीय एजेंसियों को लगते ही केंद्रीय गृह मंत्रालय सक्रिय हो गया। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर डॉ. भागवत की सुरक्षा के मद्देनजर रात को ही केंद्रीय खुफिया एजेंसी के अधिकारी केशव भवन पहुंचे। वहां संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी से बातचीत की। उसके बाद स्थानीय प्रशासन से रिपोर्ट लेकर रात को ही केंद्रीय गृह मंत्रालय को वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रात में ही इस मामले की विस्तृत रिपोर्ट तलब की।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में घमासान तालिबान ने संरा से दखल देने को कहा

काबुल (हि.स.)। पाकिस्तान में अवैध रूप से रह रहे अफगान अप्रवासियों को निकालने के मसले पर पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच घमासान शुरू हो गया है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री और तालिबान के संस्थापक मुल्ला उमर के बेटे मुल्ला याकूब मुजाहिद ने संयुक्त राष्ट्र संघ से मामले में दखल को कहा है। बीते दिनों पाकिस्तान ने अवैध रूप से पाकिस्तान में रह रहे अफगान अप्रवासियों को एक नवंबर तक देश छोड़ने का आदेश दिया है। इनकी संख्या 11 लाख के आसपास बताई जा रही है। पाकिस्तान का दावा है कि अफगान नागरिक उनके देश में घटित आतंकवादी घटनाओं में लिप्त हैं। वहीं, तालिबान ने इस दावे का खंडन किया है और पाकिस्तान के फैसले की आलोचना की है।

पृष्ठ एक का शेष

बाक्सा में 43 करोड़ ...

मुख्यमंत्री ने बीटीआर के युवाओं से आवेदन करके इस रोजगार अवसर का सर्वोत्तम उपयोग करने की अपील की। उन्होंने बीटीआर के बेरोजगार युवाओं से मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम योजना के तहत वित्तीय सहायता के लिए आवेदन करके उद्यमिता की राह पर चलने की भी अपील की। उन्होंने माइक्रोफाइनेंस ऋण माफी जैसे विषयों पर भी चर्चा की, जो कर्ज में डूबी महिलाओं के लिए काफी राहत देने वाली रही है। उन लोगों को राशन कार्ड प्रदान करने के लिए की जा रही पहल, जो अभी तक इसके तहत कवर नहीं किए गए हैं, आदि की चर्चा की। इस अवसर पर हस्तकरघा, वस्त्र एवं रेशम आदि विभागों के मंत्री यूजी ब्रह्म, बीटीआर के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो, बीटीआर के प्रधान सचिव आकाश दीप सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

तामुलपुर में भी ...

लंबाई 193.480 मीटर है। यह पुल तामुलपुर को बक्सा जिले से सीधे जोड़ता है जहां पहले इन दोनों जिलों को जोड़ने के लिए कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि पुल के उद्घाटन से बीटीआर की कनेक्टिविटी को नई गति मिलेगी। अब तामुलपुर और बक्सा के बीच परिवहन बहुत सुविधाजनक हो जाएगा और दूरी और लगने वाले समय को काफी कम किया जा सकेगा। पगलाडिया नदी पर बने इस पुल की मदद से नदी पार के कम से कम 25 हजार लोगों को सीधा फायदा होगा. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि असोम माला परियोजना के तहत धमधामा से तामुलपुर तक 26 किलोमीटर की सड़क को डबल लेन सड़क में बदल दिया जाएगा। डॉ. शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार और बीटीसी दोनों बीटीआर के सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक विकास में तेजी लाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रुपए का निर्माण। 600 करोड़ की तामुलपुर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल का काम जोरों पर चल रहा है। एक बार समर्पित होने के बाद, मेडिकल कॉलेज और अस्पताल विशेष रूप से बीटीआर क्षेत्रों से संबंधित लोगों के स्वास्थ्य और शिक्षा को पूरा करेगा।

भूस्खलन से परिवार ...

भास्कर नगर इलाके में एक पहाड़ी के किनारे खतरनाक रूप से स्थित घर को भूस्खलन का खामियाजा भुगतना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने या हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन प्रभावित घर को काफी नुकसान हुआ है और इसकी छत और गार्ड दीवारें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। इस बीच, गुवाहाटी शहर भारी बारिश के परिणामों से जूझ रहा है, क्योंकि कई निचले इलाकों में बाढ़ की भी सूचना मिली है। लगातार हो रही बारिश ने सड़कों पर पानी भर दिया है और निवासियों के साथ-साथ अधिकारियों के लिए अतिरिक्त चुनौतियां पैदा कर दी हैं।

सिक्किम : 14 की मौत...

हैं कि जल्द से जल्द क्या निवारक उपाय किए जा सकते हैं। बाढ़ से पहले, बाढ़ के दौरान और बाढ़ के बाद कई चीजें हैं जो आदर्श रूप से की जानी चाहिए, हम उसके लिए तैयारी कर रहे हैं। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के प्रोजेक्ट स्वास्तिक के तहत उत्तरी सिक्किम के गंभीर रूप से प्रभावित चुंगथांग और मंगन क्षेत्र में राज्य प्रशासन के समन्वय में बचाव कार्यों के साथ-साथ क्षति को कम करने के लिए अभियान जारी है। क्षेत्र में चार महत्वपूर्ण पुल गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। 200 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। सिक्किम के मंगन जिले के डिक्चु में अचानक बादल फटने के कारण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव अभियान जारी है। 100 से अधिक लोगों को पास के सरकारी स्कूल के राहत शिविर में पहुंचाया गया। अधिकारियों ने कहा कि मरने वालों की पहचान जाहिर नहीं की है, हालांकि इनमें अधिकतर आम नागरिक हैं। उन्होंने बताया कि सुबह लापता हो गए सेना के 23 जवानों में से एक को बाद में बचा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि सिक्किम में रात करीब डेढ़ बजे शुरू हुई बाढ़ की स्थिति चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने के कारण और बदतर हो गई। सिक्किम के मुख्य सचिव वीबी पाठक ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से आए 3,000 से अधिक पर्यटकों के राज्य के विभिन्न हिस्सों में फंसे होने की सूचना है।

जिम्बाबे में हैजा ...

मंत्रालय ने कहा कि हैजा के 905 मामलों की पुष्टि हुई है जबकि 4609 इस बीमारी के संदिग्ध मामले हैं। हैजा जलजनित बीमारी है जो गंदगी वाले क्षेत्रों में फैलती है। यह बीमारी दूषित पानी या भोजन ग्रहण करने से होती है। जिम्बाब्वे में स्वच्छ पेयजल की दिक्कत है। मानीकलांद और मासविंगो प्रांतों में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में अंतिम संस्कारों में शामिल होने वालों की संख्या 50 तक सिमित कर दी गयी है । सरकार ने कहा है कि लोगों को एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाना चाहिए तथा अंतिम संस्कार के मौके पर भोजन नहीं परोसा जाना चाहिए। सरकार ने यह भी कहा कि लोगों को खुले बाजारों में नहीं जाना चाहिए, उन्हें सामाजिक कार्यक्रम में भी नहीं जाना चाहिए।

मणिपुर में अफीम ...

लंबी सीमा के केवल 10 प्रतिशत हिस्से पर ही बाड़ लगाई गई है, जिससे यह *गोल्डन ट्राईएंगल* म्यांमार, लाओस और थाईलैंड के त्रि-जंक्शन से पूर्वोत्तर भारत में मादक पदार्थों की तस्करी के लिए रास्ता खुला है। इस सीमा क्षेत्र में पिछले कई महीने से चल रही जातीय हिंसा का सीधा संबंध अफीम की खेती और मादक पदार्थों की तस्करी से है। मणिपुर में मौजूदा संकट का तात्कालिक कारण राज्य के बहुसंख्यक मैतेई समाज को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल करने की वजह से पहाड़ियों में बसी कुकी जनजाति का विरोध था। इस हिंसा के अन्य कारणों में पहाड़ी जनजातियों की आजीविका का नुकसान भी शामिल है, जो दशकों से अफीम की खेती पर ही निर्भर हैं। जातीय झड़पों से प्रभावित क्षेत्रों में से एक सीमावर्ती चुराचांदपुर शहर है, जहां 3 मई को हिंसा शुरू हुई थी। चुराचांदपुर से लगभग 60 किमी दूर म्यांमार के चिन राज्य के उत्तरी हिस्से में अफीम की खेती व्यापक पैमाने पर होती है। मणिपुर की विशेष एंटी-ड्रग्स यूनिट नारकोटिक्स एंड अफेयर्स ऑफ बॉर्डर (एनएबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि सरकार ने 2017 से 2023 तक 18,664 एकड़ अफीम बागानों को नष्ट किया है। 2017-2022 में पांच साल के दौरान लगभग 14,359.4 एकड़ अफीम की खेती नष्ट की गई थी। इसी तरह 2022-23 में अब तक 4305 एकड़ अफीम की खेती नष्ट की जा चुकी है। अकेले 2022 में 3517.8 एकड़ में लगी अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया जा चुका है। इस वर्ष मार्च तक 787.3 एकड़ अवैध अफीम की खेती नष्ट की गई। 2020 से अब तक 16 ग्राम प्रधानों, 62 अवैध अफीम की खेती करने वालों और 2 निवेशकों सहित 80 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अफीम की खेती का सर्वेक्षण करने और उसे नष्ट करने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और नारकोटिक्स एंड अफेयर्स ऑफ बॉर्डर (एनएबी) की एक संयुक्त समिति का गठन किया है। राज्य में ड्रग्स के खिलाफ युद्ध स्तर के अभियान को मजबूत करने के मकसद से दूर-दराज के उन इलाकों में रसायनों का छिड़काव करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है, जहां अधिकारियों की पहुंच आसान नहीं हो सकती है। अफीम की अवैध खेती नष्ट करने के लिए राज्य सरकार ने वायुसेना से भी सहयोग मांगा था, जिस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने निर्देश दिए हैं।

इंफाल में फिर ...

कि घटना के बाद इलाके में जमा हुई मैतेई महिलाओं की भीड़ को सुरक्षा बलों ने आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिस ने कहा कि अतिरिक्त सुरक्षा तैनात की गई है और स्थिति नियंत्रण में है। अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* आयोजित किए जाने के बाद 3 मई को मणिपुर में जातीय झड़पें होने के बाद से 180 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और कई सैकड़ों लोग घायल हो चुके हैं। मणिपुर की आबादी में मेइतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं। आदिवासी-नागा और कुकी - 40 प्रतिशत से कुछ अधिक हैं और पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

नेपाल के एक कस्बे ...

अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया था। क्षेत्र के पुलिस प्रमुख संतोष राठौड़ ने कहा कि अधिकारी शहर में गश्त कर रहे हैं और लोगों को तालाबंदी के दौरान अपने घरों को छोड़ने या समूहों में इकट्ठा होने की अनुमति नहीं है। न तो रात भर और न ही बुधवार सुबह किसी परेशानी की कोई खबर आई। अधिकारियों ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच किसी और झड़प को रोकने के लिए उन्हें घर पर रहने का आदेश लागू करने और लोगों को एक साथ इकट्ठा होने से रोकने की जरूरत है। नेपाल में सांप्रदायिक हिंसा आम बात नहीं है, जो एक हिंदू-बहुल देश है और कुछ साल पहले ही धर्मनिरपेक्ष बना है।

मिजोरम चुनाव में ...

जो राज्य में सत्ता में थी, उसके हिस्से में सिर्फ 5 सीटें आई थीं। कुल 2 लाख 38 हजार 168 वोट मिजो नेशनल फ्रंट को मिले थे। साल 2018 के चुनाव में मिजो नेशनल फ्रंट को कुल 37.7 प्रतिशत मत मिले थे। कांग्रेस को 1,89,404 वोट मिले थे। कांग्रेस पार्टी का वोट प्रतिशत 29.98 रहा था। जोरम पीपल्स मूवमेंट को 1,44,925 वोट मिले थे। इस पार्टी का वोट प्रतिशत 22.9 था। भाजपा को 51,087 वोट मिले थे और पार्टी की मतदान प्रतिशत 8.09 था। भाजपा के हिस्से में एक सीट आई थी। साल 2023 में विधानसभा चुनावों में मणिपुर बनाम मिजोरम एक अहम मुद्दा है। क्योंकि असम से विरोध होने के बाद भी मिजोरम ने मणिपुर के विरोध में जातिगत आधार पर लड़ाई की है। मिजोरम और असम के बीच सीमा विवाद, हैलाकांदी और करीमगंज जैसे क्षेत्रों में और खासकर काचार हिल्स एक अहम मुद्दा है। मिजोरम चुनावों के अहम मुद्दे में हिंसक संघर्ष होगा। इसके अलावा इनके बीच जनजातीय और नैतिक अधिकार भी इन चुनावों का मुद्दा बन सकता है। राज्य के जनजातियों के अधिकारों, सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा, जनजातीय जनसंख्या के साथ और समान वितरण से संबंधित मुद्दे हो सकते हैं। साथ ही, राज्य में लैंगिक समानता, महिला सुरक्षा और महिलाओं की सरकार में प्रतिनिधित्व के मुद्दे भी उठाए जा सकते हैं। कुकी मुद्दा मिजोरम में एक जटिल और ऐतिहासिक रूप से जुड़ी हुई समस्या है। भारतीय उपमहाद्वीप के पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुकी लोग एक प्रमुख जनजाति हैं। मिजोरम समेत अन्य राज्यों में कुकी समुदाय बड़ी संख्या में है।

सत्तारूढ़ एमएनएफ का ...

पार्टी के नेता ने मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि आज यानी की शनिवार को पार्टी की नामांकन समिति की बैठक हुई। इस बैठक में पार्टी ने 38 उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया है। एमएनएफ के वरिष्ठ नेता ने बताया कि राज्य की 38 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम फाइनल कर दिए गए हैं। लेकिन दो सीट छालफिल और एजल दक्षिण सीट पर अभी तक किसी भी प्रत्याशी का चयन नहीं किया गया है। पार्टी के नेता ने बताया कि इन दोनों सीटों पर भी जल्द ही प्रत्याशियों के नाम फाइनल कर लिए जाएंगे। एमएनएफ नेतृत्व ने अन्य सीटों के साथ-साथ इन दोनों सीटों के लिए प्रत्याशियों के नाम तय क्यों नहीं किए, इस पर अभी तक जानकारी सामने नहीं आ सकी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक हरंगतुर्जो सीट पर एमएनएफ नामांकन समिति ने एल. छंगटे को उम्मीदवार बनाया है। क्योंकि इस सीट से मौजूदा विधायक और मिजोरम के गृहमंत्री लालचमलियाना ने इस बार चुनाव मैदान में उतरने से इंकार कर दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कुछ दिन पहले ही यहां विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक की थी। इस बैठक में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ चुनाव से संबंधित समस्याओं पर चर्चा की थी। जिसके बाद उन्होंने बताया था कि महिलाओं द्वारा 95 मतदान केंद्रों को मैनेज किया जाएगा। वहीं दिव्यांग 11 बूथों का मैनेजमेंट संभालेंगे। चुनाव से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए भाजपा, आप, कांग्रेस और मिजो नेशनल फ्रंट समेत कई अन्य दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई।

आतंकवाद को जड़ ...

उठाने चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक स्तर से लेकर जमीनी स्तर तक सहयोग की आवश्यकता है, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग भी शामिल है। अमित शाह ने दिल्ली में आंतकवाद रोधी बैठक में कहा कि मोदी सरकार के कड़े निर्णयों की वजह से जम्मू-कश्मीर, नक्सल प्रभावित इलाकों और पूर्वोत्तर में हिंसा में कमी लाने में बड़ी सफलता मिली है। पीएम मोदी ने क्रिप्टो, हवाला, आतंकवाद वित्तपोषण से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। इसके बहुत अच्छे नतीजे आए हैं, लेकिन बहुत कुछ किया जाना अभी भी बाकी है।

रूस का यूक्रेन ...

के किसी नुकसान की तत्काल कोई जानकारी नहीं दी है। यह हमला तब हुआ जब जेलेंस्की यूरोपीय राजनीतिक समुदाय (ईपीसी) के एक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए दक्षिणी स्पेन के ग्रेनाडा पहुंचे। इसका गठन फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के मद्देनजर किया गया था। अधिकारी ने अपने टेलीग्राम चैनल पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे लिए अहम बात विशेष रूप से सर्दियों से पहले वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करना है और भागीदारों के साथ नए समझौतों का आधार पहले से ही मौजूद है। पिछली सर्दियों के दौरान, रूस ने लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों से यूक्रेन की ऊर्जा प्रणाली और कई अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया, जिससे पूरे देश में लगातार बिजली कटौती शुरू हो गई।

लोग राहुल गांधी ...

राजनीति में विश्वास करते हैं। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने आप सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि भाजपा कितनी डरी हुई है। वे बैकफुट पर हैं। इससे पहले बीते साल उन्होंने राहुल गांधी, सोनिया गांधी को बुलाया था। यह भारत के लोगों को डराने का सिर्फ एक तरीका है। वे प्रेस पर, पत्रकारों पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों का उपयोग कर रहे हैं। भाजपा, पीएम मोदी और अमित शाह डराने-धमकाने की राजनीति में विश्वास करते हैं, लेकिन राहुल गांधी ने भारत के लोगों से स्पष्ट रूप से कहा है कि डरो मत। भारत के लोग राहुल गांधी को सुन रहे हैं। कोई भी पीएम मोदी से नहीं डरता है। कोई भी गृह मंत्री अमित शाह से नहीं डरता है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने इस दौरान असम के सीएम पर भी करारा तंज कसा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा असम के लोगों को अपना निजी एटीएम मान रहे हैं। हर बार जब सरकार पर लाखों रुपए का कर्ज हो जाता है, तो भाजपा सरकार कर, बिजली बिल, टोल टैक्स सभी प्रकार के टैक्स को बढ़ा देती है। ऐसे में गरीब लोगों को भाजपा की विफलताओं का खामियाजा भुगतना पड़ता है।

चाय मजदूर संघ के सैकड़ों नेता भाजपा में शामिल

विकास के हित में चाय समुदाय के लोगों ने भाजपा को गले लगाया : कलिता

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के सिद्धांतों के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के विकास के प्रति आकर्षित होकर और चाय समुदाय के सर्वांगीण विकास के हित में किए जा रहे कार्यों से आकृष्ट होकर आज असम चाय मजदूर संघ की केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष और भारतीय चाय बोर्ड के सदस्य नबीन चंद्र केवट, मजदूर संघ, डिब्रूगढ़ जिला के अध्यक्ष तारो धनवार, उपाध्यक्ष पुतुल गोसाइटे, विशाल तांती, नाउबेचा के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता राव गजेंद्र सिंह, लखीमपुर जिला के अटसा के संगठन सचिव बीरेंद्र सिंह, कांग्रेस पार्टी के कई कार्यकर्ताओं के साथ आज औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता की मौजूदगी में वशिष्ठ स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव कामाख्या प्रसाद तासा, संगठन महामंत्री जीआर रवींद्र राजू, सांसद और महासचिव पल्लब लोचन दास, असम सरकार

में मंत्री संजय किसन और बिमल बोरा, विधायक रूपेश ग्वाला और पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत में पार्टी में नए लोगों का स्वागत करते हुए कामाख्या प्रसाद तासा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शासन के दौरान देश में अभूतपूर्व विकास हुआ है। देश के लोगों ने इस विकास को देखा है और इसलिए भारतीय जनता पार्टी को ईमानदारी से गले लगाया गया है। अपने संबोधन में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कालिता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी निरंतर राष्ट्र की सेवा की है। कलिता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकाल के दौरान चाय समुदाय के लोगों को विशेष गति मिली है। चाय बागान लाइनों का सड़क चौड़ीकरण किया गया है। घर-घर शौचालय बनाए जा रहे हैं। लाभार्थी के बैंक खाते में सीधे विभिन्न सहायता धन प्राप्त हो गया है। घर-घर रसोई गैस की आपूर्ति और स्वच्छ पेयजल कनेक्शन दिया गया है। चाय श्रमिकों को पक्का मकान मिल गया। हर घर में हर चाय श्रमिक को राशन कार्ड मिला है। आयुष्मान भारत योजना के तहत उन्हें पांच लाख रुपए के इलाज के लिए मदद का आश्वासन दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने असम के लाखों चाय जनजातियों द्वारा सामना की जाने वाली लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का दृढ़ता से समाधान किया है। मुख्यमंत्री के मजबूत नेतृत्व के कारण चाय श्रमिकों की मजदूरी बढ़ने के साथ-साथ छात्रों की छात्रवृत्ति भी बढ़ी है। उन लोगों के लिए मेडिकल, इंजीनियरिंग सीटों के साथ-साथ चाय जनजातियों के लिए 3 सीटों के आरक्षण का प्रावधान नौकरियों में किया गया है। अपने भाषण में उन्होंने कांग्रेस पर भ्रष्ट पार्टी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से चाय समुदाय के लोगों का शोषण कर रही है। कांग्रेस का शोषक चरित्र से छुटकारा पाने और समुदाय के विकास के लिए, चाय बागानों के लोग अब भाजपा को गले लगा चुके हैं।

थिएटरपाड़ा मालीपट्टी दुर्गा पूजा समिति कराएगी डिब्रूगढ़ में केदारनाथ के दर्शन

डिब्रुगढ़। डिब्रूगढ़ की प्रतिष्ठित और पौराणिक दुर्गा पूजा समिति में से एक थिएटरपाड़ा मालीपट्टी दुर्गा पूजा समिति इस बार अपने दुर्गा पूजा आयोजन के 43 वर्ष पूर्ण करने जारही हैं, हर वर्ष की भांति इसबार भी समिति के सभी सदस्य पुरजोर कोशिश कर रहें हैं की मातारानी के भक्तों के समक्ष कुछ नयापन पेश किया जाए। इसी कड़ी में हमारे नगर संवादाता से हुवी वार्तालाप में पूजा समिति के सदस्य अमन चिरानिया ने जानकारी दी की मालीपट्टी में इसबार जिला प्रशासन के आग्रह और सर्वसहमति से पूजा अपने पुराने स्थल गली के अंदर बनेगी ज्ञात हो कि यह पूजा शन 2004 तक गली में ही बनती थी पर पिछले 18 साल से यह मालीपट्टी ऐ.टी रोड पर बन रही थी जिसे दुबारा अपने पुराने स्थल पर इस वर्ष स्थांतरित किया गया हैं, उन्होंने आगे बताया कि इस बार समिति केदारनाथ मंदिर के प्रारूप का पंडाल डिब्रूगढ़वासियों के समक्ष लेकर आरही हैं और माता दुर्गा की प्रतिमा भी आदि काल को दर्शाती हुवि पूरी तरह इको फ्रेंडली होगी उन्होंने संवादाता को आगे जानकारी देते हुए बताया की पूजा पंडाल और माता रानी की प्रतिमा को कोलकाता से आए हुए कारीगर तैयार कर रहें हैं, उन्होंने सभी से सहयोग की कामना की और दुर्गोत्सव के दौरान मालीपट्टी थिएटरपाड़ा दुर्गा पूजा समिति

की और से सभी से माता रानी के दर्शन कर माता रानी का आशीर्वाद ग्रहण करने की प्रार्थना की।

जनता को व्यक्तिगत एटीएम की तरह व्यवहार करते हैं मुख्यमंत्री : गौरव गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने आरोप लगाया है की मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा असम की जनता को व्यक्तिगत एटीएम की तरह व्यवहार करते हैं। जब उनकी इच्छा होती है बिजली का बिल, पानी के बिल तथा और जो भी टैक्स है बढ़ा देते हैं। जनता उनकी इन हरकतों से तंग आ चुकी है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि राज्य की गरीब जनता इस सरकार द्वारा लगाए जा रहे टैक्सों से परेशान हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार यदि राज्य में बनी तो अन्य राज्यों की तरह यहां भी गरीब लोगों को 200 यूनिट तक बिजली फ्री दी जाएगी। कांग्रेस सांसद गौरव ने कहा कि मुख्यमंत्री के करीबी रिश्तेदार तथा लगुए-भगुवे ही इस सरकार के दिनों में लाभान्वित हो रहे हैं। आम गरीब लोग हर तरह से परेशान हो रहे हैं। गौरव गोगोई ने ये आरोप आज राजधानी

के दिसपुर स्थित मानवेंद्र शर्मा परिसर में आयोजित प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक कार्यक्रम विरोध रैली में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहीं।

मंत्री सिंघल ने *किया बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म सुपर-50 मिशन* का दौरा

कोकराझाड़ (विभास)। असम के आवास और शहरी मामलों और सिंचाई मंत्री अशोक सिंघल ने आज कोकराझाड़ जिले के कार्यक्रम *मिशन सुपर 50* के लिए अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन जिला पुस्तकालय परिसर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों और शिक्षकों से चर्चा की और साथ में नाश्ता भी किया। बीटीआर प्रशासन ने क्षेत्र के शैक्षिक पहलुओं को बेहतर बनाने और सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम उठाए हैं जिसमें प्रतिभाशाली छात्र मेडिकल, इंजीनियरिंग और राज्य और केंद्रीय सिविल सेवा परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करें। इसके तहत जिला पुस्तकालय परिसर में *बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म सुपर-50 मिशन*-इंजीनियरिंग नामक आवासीय शिक्षण मिशन का संचालन किया जा रहा है। पिछले वर्ष इस मिशन के

तहत कुल 32 छात्रों का नामांकन हुआ था। इनमें से 31 को इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की पढ़ाई के लिए चुना गया है। इनमें से 27 ने जेईई मेन्स और 12 ने जेईई एडवांस परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। पांच छात्रों ने आईआईटी में, चार ने एनआईटी में और बाकी ने तेजपुर विश्वविद्यालय और असम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग जैसे इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिला लिया है। इस वर्ष कुल 50 प्रतिभाशाली विद्यार्थी मिशन में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। बीटीआर सरकार ने इस पाठ्यक्रम के लिए चयनित छात्रों को मुफ्त ट्यूशन, आवास आदि प्रदान करने की व्यवस्था की है और शिक्षण के लिए योग्य शिक्षकों को भी नियुक्त किया है। बीटीआर प्रशासन केंद्रीय सिविल सेवा परीक्षा के लिए बीटीआर क्षेत्र के छात्रों को तैयार करने के लिए नई दिल्ली में यूपीएससी सुपर 50 नामक एक समूह भी चला रहा है। इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 34 छात्रों ने इस वर्ष असम लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। इसके अलावा, बीटीआर प्रशासन छात्रों को मेडिकल प्रवेश और राज्य सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए तैयार करने के लिए कई अन्य पाठ्यक्रम तैयार कर रहा है। मंत्री सिंघल ने आज सुपर-50 मिशन के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से आत्मीय बातचीत की।

लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी रिवरव्यू ने किया 15वें नए बोर्ड इंस्टालेशन कार्यक्रम

गुवाहाटी। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी रिवरव्यू ने होटल ऑर्नेट में 15वें नए बोर्ड इंस्टालेशन कार्यक्रम का आयोजन किया, जहां मुख्य अतिथि और इंस्टालेशन अधिकारी पीएमसीसी लायन मंदिरा चंदा ने बड़े ही रोचक तरीके से नए बोर्ड सदस्यों को स्थापित किया। विशिष्ट अतिथि आईपीडीजी लायन बी.एस.राठौड़ थे, उन्होंने बहुत ही विचारशील संदेश दिया जिसने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ा दी। प्रेरण अधिकारी ड्रूष्ठत1 लायन सिमा गोयनका थे। यह लायनिज़्म के बारे में विवरण समझाकर किया गया एक अद्भुत प्रेरण सत्र था। आईपीडीजी की पत्नी लायन लेखा मैम, पीएमसीसी लायन एमपी अग्रवाल जिला एलसीआईएफ समन्वयक लायन मोनोज भजंका,

लायन एमपी अग्रवाल और जिला एलसीआईएफ समन्वयक ने क्लब को सफलतापूर्वक चलाने के लिए बहुत उपयोगी सलाह दी थी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जीएमटी कॉर्डिनेटर, कैबिनेट सदस्य, विभिन्न क्षेत्रों के आरसी, जेडसी, विभिन्न क्लबों के पीएसटी और रिवरव्यू और उमानंद के सदस्य भी उपस्थित थे। निवर्तमान अध्यक्ष लायन संजना भुइयां ने लायन सदस्यों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। आगामी अध्यक्ष लायन डॉ. संगीता दास ने अपना स्वीकृति भाषण दिया और लायनिस्टिक वर्ष 2023-24 के बारे में अपना दृष्टिकोण भी साझा किया और सचिव लायन रूबी दास ने वर्ष 2022-23 की अपनी सेवा रिपोर्ट प्रस्तुत की। क्षेत्रीय समन्वयक लायन शर्मिला माधी ने कार्यक्रम में उपस्थित सम्मानित लायंस को धन्यवाद ज्ञापित किया। यह जानकारी हमें जनसंपर्क अधिकारी सोनिया अग्रवाल ने दी।

नागरा नाम आधारित राज्य स्तरीय लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले के बारांघाटी खेलियापारा निवासी नागरा नाम पाठक तथा भोरताल के जादूगर स्वर्गीय महेंद्र दास की स्मृति को जीवित रखने के उद्देश्य से सामाजिक समूह *एनाजरी* द्वारा राज्य स्तरीय एक रचना प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। एनाजरी के मुख्य संयोजक धीरेंद्रनाथ शर्मा ने एक विज्ञप्ति में कहा है कि *धार्मिक परिवेश में कला नागरा नाम का सामाजिक अवदान* शीर्षक निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के लिए कोई आयु सीमा नहीं है। प्रतियोगिता का माध्यम असमिया होने के साथ लेखक का नाम, पता और फोन नंबर का उल्लेख करना आवश्यक होगा। लेख के साथ अपनी पासपोर्ट आकार की फोटो की एक प्रति जमा करना अनिवार्य है। लेख का सर्वोच्च दैर्ध्य ए4 पेपर की अधिकतम लंबाई 5 पृष्ठ होनी चाहिए। नागरा नाम के प्रख्यात पाठक महेंद्र दास की पुण्य तिथि को ध्यान में रखते हुए आगामी वर्ष के 14 जनवरी को स्मृतिचारण कार्यक्रम में प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार 12, 000 रुपए के साथ प्रमाण पत्र तथा द्वितीय पुरस्कार 8, 000 रुपए के साथ प्रमाण पत्र दिया जाएगा। प्रतियोगियों से अनुरोध किया गया है कि वे 15 नवंबर के भीतर सफेद पेपर के एक तरफ डीटीपी किए गए लेख के साख एएनएजेओआरआईडब्ल्यूए-क्सएटदोरेटजीसमेलडॉटकॉम पर ई-मेल द्वारा भेजने के अलावा 84720-39573 पर संपर्क करे।

स्टार वेदर शील्ड सीमेंट की मांग में अभूतपूर्व वृद्धि

गुवाहाटी (विभास)। प्रसिद्ध सीमेंट कंपनी स्टार सीमेंट ने घोषणा की है कि उसके नवीनतम उत्पाद स्टार वेदर शील्ड सीमेंट ने अविश्वसनीय सफलता प्राप्त की है। इस नए उत्पाद का अनावरण हाल ही में किया गया था। सीईओ विनीत कुमार तिवारी और ब्रांडिंग प्रमुख दिव्यज्योति गुहा के प्रयास से पटाया में आयोजित *सितारों का मिलन* शीर्षक कंपनी के वार्षिक डीलर सम्मेलन में इस उत्पाद का अनावरण किया गया था। कंपनी की ओर से बताया गया है कि लांच के बाद से इस अभूतपूर्व उत्पाद को बाजार में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, जिससे मांग में तेज वृद्धि देखी जा रही है। स्टार कंपनी का यह सीमेंट निर्माण उद्योग में गेम-चेंजर बन रहा है। यह पूर्वोत्तर भारत में जल प्रतिरोध के भौतिक गुणों को प्रदर्शित करने

वाला पहला और एकमात्र सीमेंट ब्रांड है। यह संरचना को अत्यधिक ताकत देने वाले विशेषताओं से लैस है। इस उत्पाद को पूर्वोत्तर में मौजूद कठोर मौसम परिस्थितियों का सामना करने के लिए खासतौर से तैयार किया गया है। स्टार वेदर शील्ड सीमेंट को बाजार की असाधारण प्रतिक्रिया मिल रही है। इसके लांच के बाद से ही ऑर्डर आने लगे हैं और कंपनी ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ा दिया है। बिल्डरों, ठेकेदारों और डेवलपर्स ने इस सीमेंट को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की है। जो न केवल उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरता है बल्कि निर्माण की लंबी उम्र और स्थायित्व को सुनिश्चित भी करता है। सीईओ विनीत कुमार तिवारी ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि इस सीमेंट की सफलता नवाचार और ग्राहक संतुष्टि के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। हम एक ऐसे उत्पाद को बाजार द्वारा अपनाए जाने से खुश हैं जो वास्तव में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में असाधारण प्रदर्शन के जरिए क्षेत्र की मांगों को पूरा करता है। उत्कृष्टता के प्रति स्टार सीमेंट के समर्पण के परिणामस्वरूप एक ऐसा उत्पाद तैयार हुआ है जो बिल्डरों को, समय और प्रकृति की कसौटी पर खरा उतरने में सक्षम, संरचनाएं बनाने का अधिकार देता है। स्टार वेदर शील्ड सीमेंट की सफलता कंपनी की गुणवत्ता और नवाचार की निरंतर खोज का एक प्रमाण है। जो एक नया उद्योग मानक स्थापित कर रही है। जैसे-जैसे मांग बढ़ती जा रही है, स्टार सीमेंट ग्राहकों की जरूरतों को तुरंत और कुशलता से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

धुपधरा : बिकाली कॉलेज में विश्व पशु दिवस पर जागरूकता बैठक आयोजित

नगरबेड़ा (विभास)। विश्व पशु दिवस के अवसर पर कल ग्वालपाड़ा जिले के पूर्वी हिस्से में एक प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थान बिकाली कॉलेज में एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई। कॉलेज साइंस क्लब और जूलॉजी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित जागरूकता बैठक में मंदिरा पशुधन अनुसंधान केंद्र के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक डॉ. गुंजीत दास कंटेंट पर्सन के रूप में उपस्थित थे। डॉ. गुंजीत दास ने जागरूकता बैठक में उपस्थित विद्यार्थियों को अपने संबोधन के संदर्भ में पशुपालन के माध्यम से उद्यमिता को कैसे विकसित और सफल बनाया जा सकता है और विज्ञान और नई तकनीक के अनुप्रयोग से कैसे अधिक लाभ उठाया जा सकता

है, इसका विस्तृत अवलोकन किया। प्रोफेसर जुगल किशोर तालुकदार, जूलॉजी विभाग के प्रभारी प्रमुख ने परिचालन जागरूकता बैठक की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज गोगोई ने की। सभा में कुलपति मीना शर्मा, आईक्यूए सेल की समन्वयक राखी नैडिंग, प्रोफेसर मोनालिसा रॉय चौधरी, सहायक प्रोफेसर ऋषिका कलिता, भौतिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर बिकॉन राभा के साथ कॉलेज के कला अनुभाग के कई प्रोफेसर और कॉलेज के विज्ञान विभाग के छात्र उपस्थित थे।

सम्मेलन की महिला शाखा व मारवाड़ी महिला एकता मंच ने की गौसेवा की

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा एवं मारवाड़ी महिला एकता मंच ने पितृपक्ष व अंतर्राष्ट्रीय पशु सप्ताह के उपलक्ष में मालीगांव गौशाला मे गौ माता के लिए आठ सवामणी का चारा गौ माता को अपने हाथो से खिलाया और साथ मे 75 ग्वालो को नाश्ता करवाया। इस कार्य को सफल बनाने मे भारी वर्षा के मौसम के बावजूद भी दोनो समिती से काफी बहनो ने अपनी उपस्थित दर्ज करवाई। संयोजिका मधु हरलालका ओर सुमन शर्मा, एकता मंच से वंदना सोमानी ओर सरला काबरा ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मारवाडी सम्मेलन की अध्यक्ष संतोष शर्मा व एकता मंच की अध्यक्ष सरोज मित्तल ने सभी का आभार व्यक्त किया। यह जानकारी प्रचार मंत्री संतोष काबरा ने दी।

पूप्रमास की प्रांतीय कार्यकारिणी में नए सदस्यगण सम्मानित किए गए

बंगाईगांव (विभास)। गत रविवार को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की तृतीय कार्यकारिणी की सभा प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा की अध्यक्षता में तथा बंदरदेवा शाखा के आथित्य में असम के महापुरुष श्री श्री माधव देव की जन्मस्थली बिहूपुरिया के लेटेकुपुखरी में भव्यता के साथ आयोजित हुई जिसमें असम के विभिन्न जगहों से प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस सभा में बंगाईगांव शाखा की ओर से अध्यक्ष राजेंद्र हरलालका के नेतृत्व में सात सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ जिसमें शाखा की ओर से किशोर कुमार जैन, महेश कुमार अग्रवाल, सरजीत सिंह भारी, गोपाल हरलालका, राजकुमार कोठारी एवं रामावतार पारीक ने हिस्सा लिया। नए सत्र में अच्छी संख्या में आजीवन सदस्य जोड़ने के लिए बंगाईगांव शाखा के अध्यक्ष राजेंद्र हरलालका को सम्मानित किया गया। सभी सदस्यों ने श्री श्री माधव देव जन्मस्थली के सत्राधिकार श्री श्री जनार्दन देव गोस्वामी का आशीर्वाद लिया एवं परिसर का भ्रमण किया। श्री जनार्दन देव गोस्वामी ने अपने संबोधन में असम में मारवाड़ी समाज द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की। सभा को बंगाईगांव शाखा के अध्यक्ष राजेंद्र हरलालका ने भी संबोधित किया एवं अपने भाषण में समाज में शादी विवाह तथा अन्य आयोजनों पर बढ़ रहे अनावश्यक दिखावे एवं फिजूल खर्च पर रोक के लिए अपने विचार रखें एवं किस तरह इन पर अंकुश लगाया जाए उसे पर भी चर्चा की और साथ ही यह भी बताया कि इस दिशा मे बहुत जल्द ही बंगाईगांव समग्र मारवाड़ी समाज की एक सभा बुलाकर महापंचायत के गठन पर भी चर्चा की जाएगी।

फैंसी बाजार बोटैनिकल गार्डन के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ा

गुवाहाटी (विभास)। फैंसी बाजार जेल रोड केदार रोड स्थित बोटैनिकल गार्डन के प्रति लोगों का रुझान और आकर्षण बढ़ता ही जा रहा है। इसी बीच गुवाहाटी मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीएमडीए) ने एक सूचना जारी कर कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिसके अनुसार बोटैनिकल गार्डन सुबह 10 से रात्रि 10 बजे तक खुला रहेगा। बुधवार को साप्ताहिक अवकाश रहेगा। गार्डन में शुल्क देकर प्रवेश किया जा सकेगा। जो रात्रि 9.45 तक ही शुल्क ग्रहण किया जाएगा। इस कड़ी में 3 साल तक के बच्चों का प्रवेश नि:शुल्क रहेगा। 3 साल से 10 साल तक के बच्चों का 20 रुपया, 10 साल से 75 साल तक के लिए 50 रुपया और 75 साल से अधिक उम्र वाले वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क प्रवेश दिया जाएगा।

विश्वनाथ में पहली बार भोजपुरी विद्यार्थियों का नवागत स्वागत समारोह

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चारिआलि शहर के हिमालय विवाह भवन सभागार में अखिल असम भोजपुरी परिषद तथा विश्वनाथ महाविद्यालय के सौजन्य में आज प्रथम बार भोजपुरी विद्यार्थियों के लिए नवागत स्वागत सभा का आयोजन किया गया। अखिल असम भोजपुरी परिषद के उपाध्यक्ष व वरिष्ठ सेवानिवृत्त अध्यापक सूर्यनारायण पांडे की अध्यक्षता में आयोजित सभा में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल असम भोजपुरी परिषद के अध्यक्ष कैलाश गुप्ता, विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वनाथ के समाजसेवक व सु चिकित्सक रंजन गोगई, विश्वनाथ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चिंतामणि शर्मा, शोणितपुर जिला भोजपुरी परिषद के अध्यक्ष संतोष साहनी, विश्वनाथ जिला भोजपुरी परिषद के अध्यक्ष बलवीर राय, सचिव सत्येन्द्र तिवारी, विश्वनाथ महाविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यापिका गीता वर्मा, शिक्षक राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, सुरेंद्र साहनी, पत्रकार ज्ञान पांडे, भोजपुरी युवा मोर्चा विश्वनाथ चाराली के अध्यक्ष संतोष गुप्ता और विभिन्न जातीय संगठन के पदाधिकारी मौजूद थे। इसके बाद अतिथियों को फुलाम गामोछा से अभिनंदन किया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि

और विशिष्ट अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलित से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथियों ने नवागत विद्यार्थी के जीवन निर्माण के उद्देश्य में व्याख्यान दिए। इस मौके पर भोजपुरी समाज के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दिया गया। छठ महापर्व की खूबसूरत झांकी भी मनोहर छटा बिखेरी।

सामाजिक सुधारों के मामले में वल्लालर अपने समय से आगे थे : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रसिद्ध तमिल शैव संत रामलिंग स्वामी (वल्लालर) को उनकी 200वीं जयंती पर नमन करते हुए कहा कि सामाजिक सुधारों के मामले में वल्लालर अपने समय से आगे थे। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वडालूर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वल्लालर भारत के सबसे सम्मानित संतों में से एक हैं जो 19वीं सदी में इस धरती पर आये और उनकी आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि आज भी लाखों लोगों को प्रेरित करती है। मोदी ने कहा, "वल्लालर का प्रभाव वैश्विक है।" उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कई संगठन उनके विचारों और आदर्शों पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "जब हम वल्लालर को याद करते हैं, तो हम उनकी सेवा और करुणा की भावना को याद करते हैं।" उन्होंने रेखांकित किया कि वल्लालर जीवन के ऐसे तरीके में विश्वास करते थे जहां साथी मनुष्यों के प्रति करुणा प्राथमिक थी। प्रधानमंत्री ने भुखमरी दूर करने में उनके सबसे महत्वपूर्ण योगदान और प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और कहा, ह्लएक इंसान के खाली पेट सोने से ज्यादा दुख उन्हें किसी और चीज से नहीं हुआ। उनका मानना था कि भूखे लोगों के साथ भोजन साझा करना दयालुता के सभी कार्यों में सबसे महान कार्य है। उन्होंने कहा कि सरकार उनके आदर्श के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने कोविड महामारी के दौरान मुफ्त राशन प्रदान करके 80 करोड़ साथी भारतीयों को परीक्षण के समय में बड़ी राहत प्रदान करने का उदाहरण दिया। मोदी ने कुरल को और अधिक लोकप्रिय बनाने के वल्लालर के प्रयासों और आधुनिक पाठ्यक्रमों को दिए गए महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वल्लालर चाहते थे कि युवा तमिल, संस्कृत और अंग्रेजी में पारंगत हों। भारत को 3 दशकों के बाद मिली राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह नीति नवाचार, अनुसंधान और विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए पूरे शैक्षिक परिदृश्य को बदल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, "जब सामाजिक सुधारों की बात आती है तो वल्लालर अपने समय से आगे थे। भगवान के बारे में वल्लालर का दृष्टिकोण धर्म, जाति और पंथ की बाधाओं से परे था। उन्होंने कहा कि वल्लालर ने ब्रह्म-ांड के प्रत्येक परमाणु में दिव्यता देखी और मानवता से इस दिव्य संबंध को पहचानने और संजोने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास में उनका विश्वास तब और भी मजबूत हो जाता है जब वह वल्लालर को श्रद्धांजलि दे रहे हैं क्योंकि उनकी शिक्षाओं का उद्देश्य एक समान समाज के लिए काम करना है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि वल्लालर ने नारी शक्ति वंदन विधेयक के पारित होने का आशीर्वाद दिया होगा जो विधायी निकायों में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करता है। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि समय और स्थान के पार भारत के सांस्कृतिक ज्ञान में विविधता महान संतों की शिक्षाओं के सामान्य धागे से जुड़ी हुई है जो एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सामूहिक विचार को ताकत देती है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने वल्लालर के आदर्शों को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और सभी से प्रेम, दया और न्याय के उनके संदेश को फैलाने का आग्रह किया।

सीपीईएस के अधिकारियों और आईटीएस के प्रोबेशनरों ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय विद्युत इंजीनियरिंग सेवा (सीपीईएस) के 2018, 2020 और 2021 बैच के अधिकारियों और भारतीय व्यापार सेवा (आईटीएस) के 2022 बैच के प्रोबेशनरों ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि किसी देश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति का एक संकेतक ऊर्जा मांग और खपत है। इसलिए जैसे-जैसे भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर आगे बढ़ेगा, बिजली की मांग और खपत निश्चित रूप से बढ़ेगी जो देश के विकास को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारियों से ऊर्जा दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया, जिससे जलवायु परिवर्तन से संबंधित लक्ष्यों को हासिल करना आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ऊर्जा परिवर्तन और ग्रिड एकीकरण की प्रक्रिया में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन उन्हें चुनौतियों से निपटने के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाने में उत्पादक भूमिका निभानी होगी। राष्ट्रपति ने उनसे बिजली क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को महत्व देने का आग्रह किया ताकि भारत वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रहे।

राष्ट्रपति ने भारतीय व्यापार सेवा के प्रोबेशनरों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सेवा अंतरराष्ट्रीय संबंधों और व्यापार संचालन की बारीकियों दोनों के ज्ञान की मांग करती है ताकि वे व्यापार वार्ता और व्यापार नीतियों में नए आयाम ला सकें और भारत के व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नई गति प्रदान कर सकें। भारत से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए रणनीति बनाने में भी उनकी प्रमुख भूमिका है। उन्होंने कहा कि विदेश व्यापार नीति 2023 निर्यातकों के साथ 'विश्वास' और 'साझेदारी' के सिद्धांतों पर आधारित है। राष्ट्रपति ने भारतीय व्यापार सेवा के प्रोबेशनरों से उभरते अंतरराष्ट्रीय व्यापार परिदृश्य को समझने के लिए व्यापार विश्लेषण के नवीनतम उपकरणों को सीखने और उनका उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों को समझने और संभालने के लिए उन्हें समग्र दृष्टिकोण के साथ-साथ विशिष्ट डोमेन विशेषज्ञता की भी आवश्यकता है।

संजय सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में आप पार्टी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

अजय कुमार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को भाजपा मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान आप पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए और सांसद संजय सिंह की रिहाई की मांग की। आम आदमी पार्टी मुख्यालय में आप पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार आगामी चुनावों में हार की डर से भयभीत है। इसलिए विपक्षी नेताओं को जांच एजेंसियों से डरा रही है। लेकिन आप कार्यकर्ता और नेता मोदी सरकार से डरने वाले नहीं हैं। हम डटकर सामना करेंगे। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने भी संजय सिंह की गिरफ्तारी का विरोध किया। उन्होंने कहा कि चाहे विपक्षी नेता हों या पत्रकार, सरकार के विरोध में बोलने वालों पर लगातार कार्रवाई हो रही है। जांच एजेंसियों का मोदी सरकार दुरुपयोग कर रही है। आतिशी ने कहा कि जांच एजेंसी के पास संजय सिंह के विरुद्ध कोई सबूत नहीं है। सिर्फ सरकार के विरोध में बोलने के कारण उन्हें परेशान किया जा रहा है। आप पार्टी नेता नेता सौरभ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर विपक्ष जनता की आवाज उठा रहा है तो उन्हें झूठे मुकदमे में जेल भेजा जा रहा है। 2024 के चुनाव तक केंद्र सरकार कई विपक्षी नेताओं को जेल भेज देगी ताकि कोई जनता के लिए ना बोले, जिससे भाजपा आसानी से चुनाव जीत सके, लेकिन ऐसा होने वाला नहीं है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को संजय सिंह से शराब घोटाल मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूछताछ की। बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों का कहना है कि संजय सिंह जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे जिसके चलते उन्हें गिरफ्तार किया गया।

भारत ने ब्राजील के उद्योगों को आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत ने ब्राजील के उद्योगों को अपनी बढ़ती आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है। यह आमंत्रण ब्राजील के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए दिया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी है। वाणिज्य मंत्रालय के जारी बयान के मुताबिक वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने ब्राजील के उद्योगों को बढ़ती आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है। भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी तंत्र (टीएमएम) की छठी बैठक के लिए ब्राजील के चार दिवसीय दौरे पर रहे वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की। मंत्रालय के मुताबिक दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार से संबंधित मामलों पर व्यापक चर्चा की और इसे बढ़ाने के लिए एक खाका भी तैयार किया। बर्थवाल एक से चार अक्टूबर तक ब्राजील यात्रा पर थे। उनके साथ 20 व्यापारिक नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल भी था। इस दौरान वाणिज्य सचिव ने भारत में निवेश करने वाली ब्राजील की कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठके कीं। उन्होंने व्यापार और निवेश के नए अवसरों पर चर्चा की। उल्लेखनीय है पिछले दो साल में भारत-ब्राजील का द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 16 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की जमानत पर कल उठाये गए सवाल को किया स्पष्ट

अजय त्यागी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को मनीष सिसोदिया की जमानत पर सुनवाई के दौरान जस्टिस संजीव खन्ना ने कल उठाये गए सवाल पर स्पष्ट किया कि हमने किसी को आ-रोपित बनाने के लिए नहीं कहा था, यह सिर्फ पूछा गया एक कानूनी सवाल था। कल कोर्ट ने पूछा था कि आबकारी मामले में जिस राजनीतिक दल को कथित तौर पर फायदा पहुंचा, तो उसे आरोपित क्यों नहीं बनाया गया। मनीष सिसोदिया के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने आज कोर्ट को बताया कि चैनलों पर सुबह से खबर चल रही है कि शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी को भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) आरोपी बनाने वाला है। सुनवाई के दौरान 04 अक्टूबर को सिंघवी ने कहा था कि मामले में सभी आरोपितों को जमानत मिल चुकी है, लेकिन उच्च टारगेट लोगों को अभी तक जमानत नही मिली है। सिंघवी ने कहा था कि मामले में कुल 50 हजार से ज्यादा दस्तावेज और पांच सौ से ज्यादा गवाह हैं। उन्होंने कहा था कि सिसोदिया के पास से एक पैसे की भी मनी लांड्रिंग का पता नहीं चला है। सरकारी गवाहों के बयान में सिसोदिया का लिंक नहीं मिला है। सिंघवी ने कहा था कि सभी आरोप विजय नायर पर जाकर रुक जाते हैं और विजय नायर पर आरोप है कि वह मनीष सिसोदिया के करीबी सहयोगी है। सीबीआई ने सुप्रीम में दाखिल जवाबी हलफनामे में सिसोदिया की जमानत का विरोध करते हुए कहा है कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं और वे ऐसे मामलों में जमानत के लिए निर्धारित ट्रिपल टेस्ट को भी पूरा नहीं करते है। सीबीआई ने सिसोदिया को जमानत नहीं देने का अनुरोध करते हुए कहा है कि पहले ही वह सबूत नष्ट कर चुके हैं और पूछताछ के दौरान भी सहयोग नहीं रहा। साथ ही वह राजनीतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्ति हैं। ऐसे में सिसोदिया को जमानत नहीं दी जा सकती है। सीबीआई ने अपने हलफनामे में मनीष सिसोदिया की बीमारी का जिक्र करते हुए कहा है कि उनकी पत्नी की बीमारी कोई नई बात नहीं है। उनकी बीमारी का इलाज पिछले 23 साल से चल रहा है। ऐसे में यह भी उनके जमानत का आधार नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर 14 जुलाई को सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किया था।

मणिपुर कैडर के आईपीएस राकेश बलवाल 'एक्सीलेंस इन इन्वेस्टिगेशन' पुरस्कार से सम्मानित

श्रीनगर, (हि.स.)। सितम्बर में मणिपुर कैडर में भेजे गए श्रीनगर के पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आईपीएस राकेश बलवाल को गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में प्रतिष्ठित एक्सीलेंस इन इन्वेस्टिगेशन पुरस्कार से सम्मानित किया है। उन्हें यह पु-रस्कार अपने खोजी कौशल और क्षमता के लिए नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में आतंकवाद विरोधी सम्मेलन में दिया गया। मणिपुर कैडर के 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी राकेश बलवाल ने अब तक विभिन्न पदों पर काम किया है। बलवाल आतंकी संबंधित मामलों को संभालने में एकस्पर्ट माने जाते हैं। राकेश ने ऐसे समय में श्रीनगर के एसएसपी का पद संभाला था, जब शहर में अल्पसंख्यकों की हत्या और पुलिसकर्मियों पर हमले सहित कई आतंकवादी गतिविधियां तेज थीं। र-ाकेश बलवाल ने पुलवामा आतंकी हमले की जांच की थी, जिसके लिए केंद्र सरकार ने उन्हें मेडल से सम्मानित किया था। मणिपुर की मौजूदा स्थिति के बीच उन्हें पिछले माह सितम्बर में उनके गृह कैडर मणिपुर वापस भेज दिया गया है। केंद्र सरकार ने ये फैसला तब लिया, जब मणिपुर में दो लापता स्टूडेंट्स की हत्या के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। वैसे तो बलवाल जम्मू कश्मीर के उधमपुर के रहने वाले हैं, लेकिन उन्होंने मणिपुर पुलिस में विभिन्न पदों पर काम किया है। वह आखिरी बार 2017 में चुराचांदपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रहे थे। उन्होंने थोबल और इंफाल जैसे इलाकों में भी काम किया है।

सरकार ने एमएसपी पर तमिलनाडु, पंजाब और हरियाणा में 12.21 लाख टन धान खरीदा

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार ने धान की खरीद शुरू कर दी है। स-रकार ने किसानों से अब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर करीब 12.21 लाख टन धान गया है। इससे 99,675 किसानों को 2,689.77 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। खाद्य मंत्रालय ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि तमिलनाडु, पंजाब और हरियाणा राज्य में किसानों से 12.21 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। मंत्रालय ने कहा कि खरीफ विपणन मौसम (केएमएस) 2023-24 में तीन अक्टूबर तक 99,675 किसानों से एमएसपी पर 2,689.77 करोड़ रुपये का धान खरीदा गया है। दरअसल इस वर्ष आमतौर से थोड़े अधिक क्षेत्रफल 411.96 लाख हेक्टेयर में बोए गए धान की कटाई की शुरूआत पिछले हफ्ते हुई थी। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्य एजेंसियों ने ह्यबफर स्टॉकह्न का भंडार रखने के साथ-साथ किसानों के हितों की रक्षा के लिए एमएसपी पर खरीद शुरू की है। मंत्रालय ने मौजूदा सीजन में 521.27 लाख टन की खरीद का लक्ष्य रखा है, जबकि पिछले साल के समान सीजन में वास्तविक खरीद 496 लाख टन रही थी।

'केजरीवाल ने जिन्हें दिया ईमानदारी का सर्टिफिकेट वे लोग जेल में हैं' : अनुराग ठाकुर

रायपुर-नई दिल्ली, (हि.स.)। शराब घोटाला मामले में संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद से ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केजरीवाल सरकार पर हमलावर है। गुरूवार को केन्द्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने तंज कसते हुए कहा कि 'केजरीवाल ने जिन लोगों को ईमानदारी का सर्टिफिकेट जारी किया, वे सब जेल में हैं।ह्न गुरुवार को छत्तीसगढ़ में पत्रकारों से बात करते हुए केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि लोग अरविंद केजरीवाल पर हंस रहे हैं और उनके चेहरे का तनाव देख रहे हैं। केजरीवाल के साथी और उपमुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, शिक्षा मंत्री, विधायक जेल में हैं। ये वे लोग हैं जो राजनीति में भ्रष्टाचार को हटाने के लिए आए थे लेकिन खुद ही भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस भ्रष्टाचार का किंगपिन अभी बाहर है, किंगपिन का नंबर भी आएगा। जिस-जिस को अरविंद केजरीवाल ईमानदारी का सर्टिफिकेट बांटते रहे वे एक साल से जेल में हैं। कोर्ट ने मामलों की गंभीरता देखते हुए उन्हें जमानत देने योग्य भी नहीं समझा। वहीं, गुरुवार सुबह को भाजपा प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने संजय सिंह की गिरफ्तारी पर आम आदमी पार्टी (आआपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि खुले आम भ्रष्टाचार करना ही अरविंद केजरीवाल सरकार की प्रकृति है। केजरीवाल सरकार ने करोड़ों का घोटाला किया है। शराब घोटाले में गिरफ्तार हुए आरोपियों के घर से दस्तावेज मिले हैं। अब अगला नंबर अरविंद केजरीवाल का है। उल्लेखनीय है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार शाम को आआपा सांसद संजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार को उन्हें राउज एवेन्यु स्थित कोर्ट में पेश किया गया है।

कृषि में नए-नए प्रयोगों को अपनाकर खेती करें किसान : केन्द्रीय मंत्री तोमर

ग्वालियर, (हि.स.)। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री श्ि-ावराज सिंह चौहान गांव, गरीब और किसानों की प्रगति के लिये लगातार प्रयत्नशील हैं। मध्यप्रदेश ने कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की है। किसानों को खेती के साथ मत्स्य पालन एवं पशुपालन को भी अपनाना चाहिए। केन्द्रीय मंत्री तोमर गुरुवार को रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के दतिया प-रिसर में पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, मास्त्यिकी महाविद्यालय और पहुंज एवं बेतवा नदी के नाम से निर्मित छात्रावासों का लोकार्पण करने के बाद संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा व क्षेत्रीय सांसद संध्या राय मौजूद रहे। दतिया जिले के नौनेर ग्राम में आयोजित समारोह में कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा सचिव व निर्देशक डॉ. हिमांशु पाठक, रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि महाविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. पंजाब सिंह, रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि महाविद्यालय झांसी के कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। केन्द्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि 350 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इन संस्थाओं से बुन्देलखंड क्षेत्र के किसानों को लाभ मिलेगा। इसके साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। उन्होंने कहा कि एक समय बुन्देलखंड के लोग गर्मी के दौरान पलायन करते थे, लेकिन आज के परिवेश में बुन्देलखंड ने कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महा-विद्यालय एवं मात्स्यिकी महाविद्यालय की स्थापना से बुन्देलखंड के विकास के द्वार भी खुलेंगे। यहां के किसानों को आधुनिक खेती के साथ-साथ मत्स्य पालन के संबंध में भी नए अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने किसानों से अपील की कि कृषि में नए-नए प्रयोगों को अपनाकर किसान खेती करें। इस मौके पर गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने कहा कि कोरोना काल में वर्चुअली रूप से केन्द्रीय कृषि मंत्री तोमर के शिलान्यास किए गए पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय तथा मास्त्यिकी महा-विद्यालय का आज वही लोकार्पण कर रहे हैं। लगभग 350 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इन संस्थाओं के बन जाने से सम्पूर्ण बुन्देलखंड के किसानों को इसका लाभ मिलेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। उन्होंने कहा कि दतिया जिले की दो पहाड़ियों के आसपास पहले अपराध होते थे, अब दोनों पहाड़ियों में से एक पर मेडिकल कॉलेज और दूसरे पर पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय का निर्माण हुआ है। यह दोनों काम जंगल में मंगल की तरह दतिया के लिये साबित हुए हैं। उन्होंने केन्द्रीय कृषि मंत्री से आग्रह किया कि दतिया के किसानों को ड्रोन से छिड़काव की सुविधा भी अगर उपलब्ध होती है तो किसानों के लिये बहुत ही लाभकारी रहेगा। क्षेत्रीय सांसद संध्या राय ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि महाविद्यालय झाँसी के कुलाधिपति डॉ. पंजाब सिंह ने पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महा-विद्यालय एवं मात्स्यिकी महाविद्यालय के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

प्रियंका वाड्रा ने शिवराज सरकार पर साधा निशाना, कहा- मप्र में 18 साल में 250 से ज्यादा घोटाले हुए

धार/भोपाल, (हि.स.)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा गुरुवार को एक दिवसीय मध्यप्रदेश के प्रवास पर धार जिले के राजगढ़ पहुंची हैं। यहां उन्होंने पार्टी की जनआक्रोश यात्रा की जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में पिछले 18 सालों में 250 से ज्यादा घोटाले हुए हैं। ये जांच एजेंसियों को सबके घर भेज देते हैं। अभिनेताओं को भी नहीं छोड़ा। यहां ईडी जांच के लिए अब तक क्यों नहीं पहुंची? प्रियंका ने कहा कि यहां लगातार भ्रष्टाचार हो रहे हैं। व्यापमं के घोटाले में 50 से ज्यादा मौत हुई किसी ने जांच नहीं कराई। ये लोग हर जगह ईडी भेज देते हैं। महाकाल लोक में मूर्तियों के साथ घोटाला हुआ, क्या कोई भगवान के साथ घोटाला कर सकता है। अगर आप सवाल नहीं पूछेंगे तो आपका भविष्य बुरा होगा। उन्होंने कहा कि आज कुछ लोगों ने नेता को भगवान बना दिया है। वो भी आपकी तरह इंसान हैं। जब वो निरंकुश हो जाता है तो यह आपकी जिम्मेदारी है कि उसे सबक सिखाएं। आज आपके प्रदेश में महंगाई हैं, त्योहार आ रहे हैं, यहां लोगों की इस बात की चिंता होती है कि कैसे कोई सामान खरीदें। उन्होंने कहा कि आज आदिवासी समाज की गौरव गोंडवाना की रानी दुर्गावती की जयंती है, उन्हें मेरा नमन। अमका-झमका माता की कृपा से मैं यहां आई हूं, यहां श्वेतांबर जैन समाज का तीर्थ स्थान मोहनखेड़ा है। यहीं पर टंट्या मामा ने हमारी आजादी के लिए अपना बलिदान दिया। जनसभा से पहले प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोहनखेड़ा तीर्थस्थल पहुंचकर पूजा और राजगढ़ में टंट्या मामा की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि चुनाव में लोग कैसे पहचानते हैं कि कौन झूठ बोल रहा है। मैंने यहां कुछ युवाओं से मध्य प्रदेश का हाल पूछा तो उन्होंने कि राजा जा रहा है। हम इस बार रोजगार के लिए वोट देंगे। उन्होंने कहा कि हमारी कांग्रेस की सरकारों ने पंचायतों को सत्ता देकर अधिकार मजबूत बनाया था। भाजपा सरपंचों के अधिकारों में कटौती कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी स-रकार में 485 रुपये में गैस सिलेंडर और राशन मिल जाता था। आज चुनाव के लिए सिलेंडर के रेट घटाए गए हैं। चुनाव आया तो प्रधानमंत्री मोदी हर दो दिन में यहां आकर उद्घाटन कर रहे हैं। वे शिवराज का नाम लेने से भी शर्म कर रहे हैं। वे तो आपके मुख्यमंत्री बनने वाले नहीं हैं। **महिला आरक्षण बिल 10 साल बाद लागू होगा** – प्रियंका ने कहा कि छोटा बिजनेस करने वाले जीएसटी भरते-भरते परेशान हो गए हैं। उन्होंने पूछा कि आप इंदौर संभाग के हैं, पिछले 18 साल में यहां अस्पताल, कालेज खुला। संसद में महिला आरक्षण बिल लेकर आए, सभी ने इसका समर्थन किया, लेकिन 10 साल बाद ही यह लागू होगा। आप महिलाओं को मजाक समझ रहे हैं। वे जातीय जनणगना पर ये चुप क्यों हो जाते हैं?

मप्र में बच्चियां भी सुरक्षित नहीं – उन्होंने कहा कि बिहार में सामने आया है कि वहां 84 प्रतिशत ओबीसी हैं, क्या देश के पदों पर इन्हें नहीं होना चाहिए। यहां की आदिवासी महिलाओं पर सबसे ज्यादा अच्छा अत्याचार हो रहे हैं। आपकी सुरक्षा के लिए ये सरकार क्या कर रही है। चुनाव से पहले बड़ी घोषणाएं हो रही हैं, आपको पैसे मिलेंगी, आपकी सुरक्षा होगी। आपके प्रदेश में बच्चियां भी सुरक्षित नहीं हैं।

नेता का अहंकार बढ़े तो सबक सिखाने की जिम्मेदारी आपकी – प्रियंका ने कहा कि कुछ लोगों ने नेताओं को भगवान बना दिया है। नेता भगवान नहीं है। आपमें से उभर कर आता है। इंसान है। जब उसका अहंकार बहुत बढ़ जाता है, आपकी परवाह नहीं करता, तब इस लोकतंत्र ने आपको अधिकार दिया है कि आप उसे निकालें, सबक सिखाएं और उसे जिम्मेदार बनाएं।

जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रहा था संदिग्ध आतंकी अरशद

मुरादाबाद, (हि.स.)। तीन दिन पूर्व मुरादाबाद स्थित अपनी सुसराल से दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार किया गया। आईएस का संदिग्ध आतंकी अरशद वारसी दिल्ली स्थित जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रहा था। अलीगढ़ यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग करने के बाद इसके बाद वह दिल्ली चला गया था और दिल्ली के ओखला में रह रहा था। अरशद ने अपने साथियों के साथ बम का प्रभाव जानने के लिए धमाके भी किए थे। जांच में यह बातें भी सामने हैं कि अरशद ने मुरादाबाद समेत कई शहरों की रेकी की थी। भीड़भाड़ वाले इलाकों की तस्वीरें भी बनाई थीं। मुरादाबाद समेत आस-पड़ोस के जिले तो संदिग्ध आतंकियों के निशाने पर नहीं थे। इसकी भी जांच की जा रही है। संदिग्ध आतंकी अरशद वारसी अपने साथियों और आकाओं से टेलीग्राम के जरिए बात करता था। बातचीत होने के बाद आईडी बंद कर देता था और इसके अलावा वह मोबाइल बदलने से पहले ही अपना मोबाइल भी बंद कर देता था। इस जिस कारण दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और एनआईए को उस तक पहुंचने में मुश्किल हो रही थी। संदिग्ध आतंकी अरशद की गिरफ्तारी की फुटेज सामने आईं : दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा बीते सोमवार को मुरादाबाद के सदर कोतवाली क्षेत्र के लाल मस्जिद के समीप स्थित अपनी ससुराल में आए हुए आईएस के संदिग्ध आतंकी अरशद वारसी को गिरफ्तार किया गया था। सुसराल से गिरफ्तार करने के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा अरशद की गिरफ्तारी की फुटेज भी सामने आई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आईएस के आतंकी मॉड्यूल के तीन संदिग्ध आतंकियों को सोमवार को दिल्ली, लखनऊ व मुरादाबाद से गिरफ्तार किया था। इसमें दिल्ली के जैतपुर शाहनवाज लखनऊ से मोहम्मद रिजवान अशरफ उर्फ मौलाना और मुरादाबाद से मोहम्मद अरशद वारसी को दबोचा था। गिरफ्तार संदिग्ध आतंकियों के पास से काफी मात्रा में विस्फोटक बनाने की सामग्री पिस्तौल कारतूस बम विस्फोट बनाने के लिखित दस्तावेज के अलावा अन्य सामान बरामद हुआ था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल बीते शनिवार देर रात मुरादाबाद पहुंच गई थी। इस-ाके बाद टीम ने यहां रहकर रेकी की। अरशद की ससुराल केआसपास लोगों से उसके बारे में पूरी जानकारी जुटाई। टीम को बाजार से होकर अरशद की ससुराल तक पहुंचना था और इसी रास्ते से वापस आना था। इसके लिए टीम ने सुबह का वक्त चुना। रविवार देर रात से लेकर सोमवार तड़के के बीच टीम लाल मस्जिद मोहल्ले में पहुंची और अरशद के सुसराल को चारों तरफ से घेरने के बाद अंदर प्रवेश किया। इसके बाद टीम उसे पकड़कर साथ ले गई। अरशद की गिरफ्तारी की फुटेज भी सामने आई है।

निवेशकों से व्यक्तिगत संपर्क और संवाद कर इन्वेस्टमेंट इको सिस्टम को बेहतरीन बनाने में जुटे नन्दी

- औद्योगिक मंत्री नन्द गोपाल नन्दी ने कहा, दिस इज इंडियन स्टाइल और एक दिन में हो गया काम

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने प्रदेश के आर्थिक और औद्योगिक विकास को अपनी प्राथमिकता बनाया है। सरकार की यह प्राथमिकता ग्लोबल इन्वेस्टर समिट, इंटरनेशनल ट्रेड शो और मोटोजीपी जैसे वैश्विक आयोजनों में स्पष्ट दिखती है। प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी लगातार सक्रिय रहकर निवेशकों से व्यक्तिगत संपर्क और संवाद करके उनकी समस्याओं के समाधान और इन्वेस्टमेंट इकोसिस्टम को बेहतरीन बनाने में जुटे हुए हैं। ग्रेटर नोएडा में सरकार और इन्वेस्टर्स के बीच फ्रेंडली कोऑपरेशन का एक मजेदार वाकया सामने आया है। दरअसल औद्योगिक विकास मंत्री नन्दी ग्रेटर नोएडा के अधिकारियों के साथ विकास और निवेश परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा बैठक करने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा पहुंचे थे। बैठक के बाद अचानक बिना तय कार्यक्रम के अधिकारियों को लेकर साइट विजिट के लिए निकल पड़े। मंत्री नन्दी इकोटेक 10 स्थित कोरियन कम्पनी ड्रीमटेक इंडिया के प्लांट पहुंचे। उनके साथ प्रमुख सचिव अनिल सागर, ग्रेनो के सीईओ एनजी रवि, एसीईओ अमनदीप डुली समेत दर्जनों अधिकारी मौजूद थे। मंत्री ने कोरियन कम्पनी के अधिकारियों से बातचीत की और उनके प्रोजेक्ट के बारे में पूछा। प्लांट कम्प्लीट होने की अवधि के बारे में पूछने पर एसीईओ ने बताया कि लगभग 06 महीने में कार्य पूर्ण हो जायेगा। इस पर कोरियन कम्पनी की महिला अधिकारी ने कहा कि हम इसे 03 महीने में ही पूरा कर लेंगे, "दिस इज कोरियन स्टाइल।" मंत्री द्वारा किसी समस्या के बारे में पूछने पर महिला अधिकारी ने बताया कि इस प्लांट के एक हिस्से में 25 पेड़ों को काटने की अनुमति चाहते हैं, जो कि काफी समय से लंबित है। इस पर मंत्री ने तत्काल जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर और जिला वन अधिकारी से बात कर एक दिन में अनुमति दिलाने के निर्देश दिए। फिर उस महिला अधिकारी से कहा कि "यू विल गेट परमिशन बाई टुमारो। दिस इज इंडियन स्टाइल।" इस पर वहां मौजूद सभी लोग मुस्कुराने लगे। इसके अगले ही दिन पेड़ काटने की आवश्यक अनुमति के आदेश जारी हो गए। यह मंत्री के कमिटमेंट का ही परिणाम रहा कि और इसके लिए कोरियन कम्पनी ने मंत्री नन्दी के प्रति आभार व्यक्त किया। मंत्री नन्दी ने कहा कि निवेशकों का हित और उनकी सहूलियत मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारी सरकार हर कदम पर निवेशकों के सहयोग के लिए तत्पर हैं। हम अपनी इसी कार्यशैली और प्रतिबद्धता से निवेशकों का भरोसा और विश्वास जीतने में सफल हुए हैं।

चार हजार ईडब्लूएस-एलआईजी फ्लैटों के कब्जेदारों के नाम होगी रजिस्ट्री

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ विकास प्राधिकरण के 179वीं बैठक में चार हजार ईडब्लूएस-एलआईजी फ्लैटों के कब्जेदारों के पक्ष में फैसला लिया गया। ईडब्लूएस और एलआईजी फ्लैटों में रहने वाले लोगों का सर्वे करा के अब उनके नाम पर रजिस्ट्री होगी। प्राधिकरण की शरूआती जांच में सामने आया है कि बहुत सारे लोगों ने ईडब्लूएस-एलआईजी फ्लैटों का आवंटन पाने के साथ ही दूसरे लोगों को वहां बसाया। इसमें समय से रजिस्ट्री भी नहीं हो सकी। बोर्ड की बैठक में फ्लैटों को मूल आवंटी के नाम से आवंटन को रद्द करने और मूल कब्जेदार या हकदार में पक्ष में आवंटन करते हुए रजिस्ट्री के निर्देश दे दिये है। शहर में कानपुर रोड, सीतापुर रोड, मोती नगर, आजाद नगर, गोमती नगर, शारदा नगर, जानकीपुरम, जानकीपुरम विस्तार में इस तरह के मामले बहुत हैं, जहां मूल आवंटी नहीं रह रहे हैं। उनके स्थान पर दूसरे लोग रह रहे हैं। शायद मूल आवंटी द्वारा ईडब्लूएस-एलआईजी फ्लैटों प्राप्त किये जाने के बाद से उसे किराये पर उठाया गया है। बैठक में उपस्थित रहे प्राधिकरण सचिव पवन कुमार गंगवार ने कहा कि बोर्ड की बैठक में जिन प्रकरणों में मोहर लगाई गई है उनमें शीघ्रता से आगे की कारवाई की जायेगी। जिसके लिए जोन स्तर पर टीमें घटित कर सर्वे कराया जायेगा। मूल हकदार, कब्जेदार के नाम रजिस्ट्री होगी।

राष्ट्रीय विकलांग पार्टी का विलय कराने के नाम पर कांग्रेस नेताओं ने किया फजीर्वाड़ा : वीरेन्द्र सिंह

कानपुर, (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी के नेताओं पर फजीर्वाड़ा कर विकलांग पार्टी के विलय करने की घोषणा की निंदा करते हुए गुरुवार को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विकलांग पार्टी वीरेंद्र कुमार ने कहा कि मामले की शिकायत कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से करेंगे। वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि कोई भी पार्टी बगैर राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सहमति के पार्टी को अपनी पार्टी में शामिल नहीं कर सकती है। इस मामले को लेकर लीगल नोटिस भेजा जायेगा। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव वीरेंद्र कुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता राष्ट्रीय विकलांग पार्टी को कमजोर आंकने कोशिश न करें, वरना परिणाम भुगतना पडेगा। पार्टी में रहे तन्मय श्रीवास्तव को पार्टी से जिले के पदाधिकारियों से अवैध वसूली के चलते पार्टी से निकाला जा चुका है। 08 अक्टूबर को राष्ट्रीय विकलांग पार्टी प्रदेश कार्यकारिणी का चुनाव होना है और चुनाव में वसूलीबाज तन्मय श्रीवास्तव का व्यापक विरोध था और पार्टी से निकाले जाने के कारण वह राष्ट्रीय अध्यक्ष का विरोध कर रहा है। वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि इस मामले को लेकर आज एक बैठक की गई। जिसमें पार्टी से निकाले गए वसूली बाज नेता तन्मय श्रीवास्तव के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। बैठक में जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, जिला अध्यक्ष दक्षिण आनन्द तिवारी, अल्पना कुमारी, वैभव दीक्षित, कमलेश कुमार सिंह, जितेन्द्र कुमार गुप्ता, अनुराधा गुप्ता आदि शामिल थे।

संजय सिंह की गिरफ्तारी लोकतन्त्र पर हमला : रामगोविन्द चौधरी

बलिया, (हि.स.)। राज्यसभा सांसद संजय सिंह व उर्मिलेश समेत कई पत्रकारों से ईडी की पूछताछ पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामगोविन्द चौधरी ने आक्रोश जताया है। उन्होंने कहा कि ईडी, सीबीआई और दिल्ली पुलिस का इस तरह का कृत्य लोकतन्त्र पर हमला है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। शहर स्थित अपने आवास पर गुरूवार को पत्रकारों से बातचीत में श्री चौधरी ने केन्द्र सरकार को हम दो और हमारे दो की सरकार करार दिया। उन्होंने कहा कि काले कारनामों या बैंकों को लूटकर विदेश में रह रहे नीरव मोदी, ललित मोदी और मेहुल भाई जैसे लोगों के पाप को उजागर कर रहा है या उसे लेकर कोई प्रश्न कर दे रहा है, उसे पूछताछ के नाम पर परेशान करने या गिरफ्तार करने के लिए कभी ईडी, कभी सीबीआई तो कभी दिल्ली पुलिस की टीम पहुंच जा रही है। इस-ाका ताजा उदाहरण राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की गिरफ़्तारी और वरिष्ठ पत्रकार उर्मिलेश तथा अभिसार शर्मा जैसे निष्पक्ष पत्रकारों को हिरासत में लिए जाने की घटना है। रामगोविन्द चौधरी ने कहा कि ईडी, सीबीआई और दिल्ली पुलिस को उसके इस रवैये के लिए समय-समय पर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने फटकारा भी है। बावजूद इसके इन तीनों में कोई सुधार नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा है कि इसकी वजह से इन तीनों संस्थाओं की साख पर बुरा असर पड़ा है जो देश हित या लोकतन्त्र के हित में नहीं है। कहा कि सरकार अगर यह समझ रही है कि इन गिरफ़्तारियों के बल पर या हिरासत में लेकर पूछताछ के बल पर वह जनता की आवाज को दबा लेगी तो वह गलत फहमी में है। इस देश में इस तरह से जनता की आवाज दबाने की कोशिश 1975 में भी हुई थी। जिसके जवाब जनता ने 1977 में पूरे उत्तर भारत से कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया था। कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी हर पीड़ित के साथ खड़ी है।

लोहरदगा में संकल्प सभा के तहत कार्यक्रम आयोजित

लोहरदगा, (हि.स.)। संकल्प सप्ताह के तहत जिले के आकांक्षी प्रखण्ड किस्को में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल ने सभी पंचायतों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की। सभी पंचायतों में स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया। स्वच्छ घर, गांव एवं ग्राम पंचायत अभियान का शुभारंभ किया गया। प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में स्वच्छता रैली, वाक प्रतियोगिता तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पंचायत स्तर पर स्वच्छता से स्वास्थ्य की ओर जागरुकता बैठक का आयोजन किया गया। विद्यालय स्तर पर स्वच्छता अन्तर्गत ठोस एवं तरल कचरा, प्लास्टिक कचरा, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन एवं शौचालय के रख-रखाव एवं उपयोग के लिए वाक प्रतियोगिता एवं चित्रकला का आयोजन स्कूल के बच्चों के माध्यम से किया गया। विभाग स्तर से सभी पंचायत में कार्यक्रम का आयोजन के लिए पंचायत स्तर पर कर्मियों को नामित किया गया। कार्यक्रम के नोडल पदाधिकारी के रूप में सहायक अभियन्ता, नोडल पदाधिकारी द्वारा कार्य किया गया।

नेशनल शूटर तारा शाहदेव मामले में रंजीत को आजीवन कारावास, दो अन्य को भी सजा

रांची, (हि.स.)। नेशनल शूटर तारा शाहदेव मामले में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने गुरुवार को तीनों दोषियों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सजा सुनायी। दोषी रंजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल हसन को आजीवन कारावास (अंतिम सांस) , उसकी मां कौशल रानी को 10 वर्ष की सजा और झारखंड हाई कोर्ट के पूर्व रजिस्ट्रार (निगरानी) मुश्ताक अहमद को 15 साल की सजा सुनाई। कोर्ट ने रंजीत कोहली पर 75 हजार और अन्य दोनों पर 50-50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। इससे पूर्व 30 सितम्बर को अदालत ने तीन आरोपितों को दोषी करार दिया था। अदालत ने तीनों को आईपीसी की धारा 120बी, 496, 376(2)एन, 323, 298, 506 में दोषी पाया था। अभियोजन पक्ष (सीबीआई) के वरिष्ठ लोक अभियोजक प्रियांशु सिंह ने अदालत में सजा के दौरान कहा कि यह मामला व्यक्तिगत आदमी का नहीं, समाज और देश को प्रभावित करने वाला है। इसलिए दोषियों को अधिक से अधिक सजा दी जाये। इसमें केवल दोषियों के अधिकारों को ही नहीं, बल्कि पीड़िता के अधिकारों और समाज के कष्ट को भी ध्यान में रखकर सजा सुनायी जाये। उन्होंने अदालत में पश्चिम बंगाल के धनंजय चटर्जी बनाम सरकार के एक केस में सजा का हवाला दिया। धनंजय चटर्जी पर दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप था। इस मामले में फांसी की सजा सुनायी गयी। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने सजा के दौरान कहा मुश्ताक अहमद न्यायिक अधिकारी रहे हैं। उनकी छवि अच्छी रही है। इसे देखते हुए कम से कम सजा दी जाये। कौशल रानी के संबंध में कहा कि उनकी उम्र 85 साल है। वह हमेशा बीमार रहती है। उनकी भूमिका भी केस में ज्यादा नहीं है। उनके कम से कम सजा दी जाये। उल्लेखनीय है कि नेशनल शूटर तारा शाहदेव ने हिंदपीढ़ी थाने में रंजीत कोहली और उसकी मां कौशल रानी के खिलाफ 19 अगस्त, 2014 को मामला दर्ज कराया था। इसमें धर्म परिवर्तन, यौन उत्पीड़न और दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया गया था। झारखंड पुलिस ने मामले में अदालत में धारा 34/498ए के तहत रंजीत कोहली और उसकी मां कौशल रानी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। पुलिस की चार्जशीट से तारा शाहदेव संतुष्ट नहीं हुई। उसने इसका विरोध किया। इसके बाद झारखंड सरकार ने मामले को सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया। सीबीआई ने 22 मई, 2015 को केस दर्ज किया। सीबीआई की डीएसपी सीमा पाहुजा ने केस का अनुसंधान किया। सीबीआई ने रंजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल हसन, उसकी मां कौशल रानी और झारखंड हाई कोर्ट के पूर्व रजिस्ट्रार (निगरानी) मुश्ताक अहमद के खिलाफ 12 मई, 2015 को आईपीसी की धारा 120 बी, 496, 376,323, 298, 354ए, 506 और 498 ए के तहत चार्जशीट दाखिल किया। दायर चार्जशीट में कहा गया कि रंजीत सिंह कोहली ने साजिश के तहत मां कौशल रानी और मुश्ताक अहमद के साथ मिलकर तारा शाहदेव से वास्तविक धर्म छिपाते हुए हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार 7 जुलाई, 2015 को शादी किया। अगले दिन निकाह पढ़ाई गई। मुश्ताक अहमद ने मेहर की रकम दी। इसके चार-पांच दिन बाद मुश्ताक अहमद के घर पर इफ्तार पार्टी में तारा शाहदेव को जबरन प्रतिबंधित मांस खिलाया गया। साथ ही हिन्दू धर्म के बारे में अनाप-शनाप बोला गया। तारा शाहदेव के अनुसार वहां पर मुश्ताक अहमद ने उसके साथ छेड़छाड़ भी की। रंजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल के घर सर्च के दौरान मुस्लिम धर्म की धार्मिक पुस्तक, दीवार पर एक विशेष धर्म का पोस्टर और कई पैकेट कंडोम, वीवीआईपी (कार की लाइट) बरामद किये गये थे। इसके अलावा तारा को कुत्ता से कटवाया गया था। मामले में आरोपितों के खिलाफ दो जुलाई, 2018 को अदालत ने आरोप का गठन किया था। सीबीआई की ओर से 26 गवाहों का बयान कलमबद्ध कराया गया था।

याचिकाकर्ता को आठ सप्ताह में करें नियुक्त, बीसीए साइंस स्ट्रीम का है अभिन्न अंग : हाई कोर्ट

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में झारखंड स्टाफ सलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) द्वारा फिजिकल एजुकेशन टीचर पद के लिए बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) की शैक्षणिक योग्यता रखने वाले मुकेश कुमार रंजन की कट ऑफ से ज्यादा अंक आने के बाद भी उम्मीदवारी रद्द करने के मामले को लेकर दायर याचिका की सुनवाई गुरुवार हुई। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को आठ सप्ताह में नियुक्त करने का आदेश जेएसएससी को दिया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि बीसीए साइंस स्ट्रीम का अभिन्न अंग है। जस्टिस डॉ एसएन पाठक की कोर्ट ने याचिकाकर्ता की याचिका को स्वीकार कर लिया। जेएसएससी ने ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर, फिजिकल एजुकेशन के विज्ञापन संख्या 21/2016 में अभ्यर्थियों के लिए साइंस, आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम में 45 प्रतिशत अंक के साथ ग्रेजुएशन की अर्हता निर्धारित की थी जबकि याचिकाकर्ता के पास बीसीए की डिग्री थी। परीक्षा में कट ऑफ से ज्यादा अंक लाने के बाद भी जेएसएससी ने डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के समय प्रार्थी की उम्मीदवारी रद्द कर दिया था, जिसे उसने हाई कोर्ट की एकल पीठ में चुनौती दी थी। खंडपीठ ने याचिकाकर्ता की अपील को स्वीकृत करते हुए इस मामले को पुनर्विचार करने के लिए हाई कोर्ट की एकल पीठ के पास भेज दिया था। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने कोर्ट को बताया की बीसीए साइंस स्ट्रीम का अभिन्न अंग है। भारत में एजुकेशन सेक्टर में आज के समय में कई बदलाव हुए हैं। कई नए कोर्स आए हैं, जो साइंस,आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम के अभिन्न अंग हैं। इस तरह बीसीए भी साइंस स्ट्रीम का अभिन्न अंग है। वर्ष 2014 में यूजीसी के गजट पब्लिकेशन में यह मेंशन किया गया है कि बीसीए साइंस स्ट्रीम का अभिन्न अंग है। इसी तरह के कई सारे और नए कोर्स साइंस, आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम के अभिन्न अंग है।

नवंबर में बिहार के मुजफ्फरपुर में अमित शाह का होगा दौरा

पटना, (हि.स.)। भाजपा मिशन 2024 के तहत बिहार पर खासा ध्यान दे रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज बिहार की राजधानी पटना पहुंचे हैं। अब सूचना मिल रही है कि नवंबर में गृह मंत्री अमित शाह बिहार आयेंगे। हालांकि, उनके आगमन की तारीख और स्थान को लेकर अभी निर्णय नहीं हो सका है लेकिन भाजपा ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। भाजपा नेताओं से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार तक सभा स्थल का चुनाव कर लिया जाएगा। इसके बाद जल्द ही शाह के दौरे की तारीख फाइनल की जाएगी। मुजफ्फरपुर में शाह की जनसभा के लिए पताही हवाई अड्डा, पुलिस लाइन समेत कई जगहों के विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बिहार में भाजपा के सत्ता से बेदखल होने के बाद से ही अमित शाह लगातार बिहार दौरे पर आ रहे हैं। एक साल के भीतर अमित शाह सातवीं बार बिहार आएंगे। बीते 16 सितंबर को ही अमित शाह मधुबनी के झंझारपुर आये थे।

कृषि पदाधिकारी की मिलीभगत से बेगूसराय में हो रहा है करोड़ों का खाद घोटाला : गिरिराज

बेगूसराय, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार खेती में लागत कम कर किसानों के आय में वृद्धि एवं उनके आर्थिक समृद्धि के लिए विभिन्न प्रकार की योजना चल रही है। बिहार सरकार भी पूरी तत्परता से किसान हित के लिए काम कर रही है। लेकिन बेगूसराय के जिला कृषि पदाधिकारी एवं कृषि विभाग के अन्य अधिकारियों ने किसानों को कामधेनु बना लिया है। हालत यह है कि किसान कल्याण योजना के विभिन्न योजनाओं में प्रत्येक वर्ष करोड़ों रुपए की लूट मची हुई है। कृषि से संबंधित विभिन्न सब्सिडी, खाद सब्सिडी में लूट मचाई जा रही है। बेगूसराय के किसानों को आवंटित किया गया यूरिया एवं डीएपी महंगे दाम पर तस्करी कर अन्य जिला एवं नेपाल भेजा जा रहा है। हालांकि यह मामला अब केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के पास पहुंच गया है। गिरिराज सिंह जल्द ही इस मामले से केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री को इससे रूबरू कराएंगे। एग्रो इनपुट डीलर्स एसोसिएशन ने भारत सरकार द्वारा सब्सिडी दिए जा रहे खाद में उर्वरक के डीलर एवं जिला कृषि पदाधिकारी की मिली भगत से प्रत्येक वर्ष किए जा रहे करोड़ रुपये के लूट का मामला गिरिराज सिंह के समक्ष उठाया है। इन लोगों ने गुहार लगाई है कि किसान हित में जल्द से जल्द उचित कार्रवाई की जाए। बरौनी रिफाइनरी गेस्ट हाउस में गिरराज सिंह को मांग पत्र देने पहुंचे संघ के उपाध्यक्ष संतोष कुमार सहित अन्य ने बताया कि बेगूसराय में जिला कृषि पदाधिकारी की मदद से बफर स्टॉकिस्ट खाद की कालाबाजारी कर रहे हैं। भारत सरकार ने किसानों के लिए यूरिया का दर 266.50 रुपये एवं डीएपी का दर 1350 रुपये प्रति बैग निर्धारित किया है। लेकिन बफर स्टॉकिस्ट बेगूसराय के देवी प्रसाद मस्कारा एवं तेघड़ा के हरियाली ट्रेडर्स द्वारा हम खुदरा विक्रेताओं को यूरिया 280 एवं डीएपी 15 सौ रुपये में दिया जा रहा है। 20 से 30 रुपया प्रति बैग ट्रांसपोर्टिंग चार्ज लगता है। ऐसे में सरकारी दर पर खाद कैसे बेचें। खाद का अधिक दाम लेने पर किसान गाली देते हैं तो अधिकारी भी कार्रवाई की धमकी देते हैं। हम लोग जब बफर स्टॉकिस्ट के समक्ष सही दाम पर खाद देने की मांग करते हैं तो वे लोग कहते हैं कि कृषि मंत्री, डायरेक्टर और जिला कृषि पदाधिकारी सहित अन्य लोगों को पैसा देना पड़ता है तो सरकार द्वारा तय दर पर कैसे खाद उपलब्ध कराएं। संतोष ने बताया कि खाद के थोक विक्रेताओं ने फर्जी तरीके से खुदरा विक्रेता का लाइसेंस बनवा लिया है। यह लोग फर्जी तरीके से पीओएस मशीन से गलत बिलिंग कर बेगूसराय का खाद दूसरे जिला एवं नेपाल भेज रहे हैं। विरोध करने पर जिला पर कृषि पदाधिकारी एवं स्टॉकिस्ट लाइसेंस रद्द करने, प्राथमिक की दर्ज करने एवं दुकान सील करवाने की धमकी देते हैं। न्याय नहीं मिला तो किसानों के साथ सड़क पर उतरेंगे। स्थानीय सांसद तथा केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा यूरिया एवं डीएपी के लिए तय किए गए दाम से अधिक दाम पर खुदरा व्यवसायी को खाद दिया जा रहा है। मिलने आए खाद कारोबारियों ने बताया है कि थोक विक्रेताओं ने फेक लाइसेंस ले लिया है। जिला कृषि पदाधिकारी के मिली भगत से करोड़ों का खाद घोटाला हो रहा है। गिरिराज सिंह ने बताया कि किसानों को दिए जाने वाले खाद में इस तरह का घोटाला दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मुद्दे को लेकर डीम से बात करेंगे। इस संबंध में जल्द ही केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री से भी मिलकर मामले को उठाया जाएगा, दोषी पर कार्रवाई होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसान हित के लिए तत्पर हैं। ऐसे में कोई घोटाला करेगा तो उसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं जाएगा।

संपादकीय

जातिगत गणना के खतरे

बिहार सरकार ने जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक कर दिए हैं। उनको लेकर जिस प्रकार की बहस प्रारंभ हुई है, उससे तो यही लगता है कि यह आंकड़े कहीं देश को बड़े खतरे की ओर न धकेल दें। राजनेता सत्ता की हवस में जातिगत विभेद को हवा देने का काम कर रहे हैं लेकिन जब यह विभेद गंभीर रूप धारण कर लेगा, तो यही नेता भाग खड़े होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण में कहा ही है कि कुछ लोग समाज को जात-पात में बाँटकर सत्ता में आना चाहते हैं। ये लोग विकास विरोधी हैं। विकास के मुद्दे पर राजनीति करने की अपेक्षा जातिवादी राजनीति को हवा दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट ही कहा है कि विकास विरोधी ये लोग गरीबों की भावनाओं से खेल रहे हैं। गरीबों को जात-पात में उलझाना चाहते हैं। दरअसल, मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करनेवाले दल जातिगत आंकड़ों की राजनीति पर इसलिए उतर आए हैं क्योंकि वे हिन्दू समाज को कमजोर करना चाहते हैं। पिछले कुछ वर्षों से हिन्दुओं की एकजुटता ने उनके राजनीतिक गणित को बिगाड़ दिया है। अब वे दल अपना गणित ठीक करने के लिए हिन्दू समाज को जातियों में बाँटना और आपस में उलझाने की साजिशें रच रहे हैं। जातिगत आंकड़े सामने आएं, तब हिन्दू समाज को बहुत धैर्य और एकजुटता से काम लेना होगा। कुछ समझदार लोगों ने आंकड़ों को उसी ढंग से देखा और दिखाने का प्रयास भी किया। याद रखें कि आज कांग्रेस जातिगत आंकड़ों को जारी करने की माँग कर रही है लेकिन एक दौर था जब कांग्रेस इस प्रकार की राजनीति से बचती थी और इसे देश-समाज के लिए खतरा मानती थी। पंडित जवाहरलाल नेहरू और मौलाना आजाद जैसे नेताओं को अपना आदर्श बताते नहीं थकनेवाली कांग्रेस का आज का विचार इन नेताओं के विचार का सर्वथा विरोधी विचार है। पंडित नेहरू, मौलाना आजाद और यहाँ तक कि बाबा साहेब अंबेडकर ने भी यह तय किया था कि सरकार जातिगत जनगणना नहीं कराएगी, क्योंकि ये समाज में विभाजनकारी हो सकते हैं। उस समय केवल अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की गणना की गई क्योंकि उन्हें आरक्षण देना था। संवैधानिक बाध्यता के कारण अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की गणना की गई। लेकिन आज कांग्रेस अपने ही पुरुखों के विचार के विरुद्ध आचरण कर रही है। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि कांग्रेस जब तक सत्ता में रही, उसने तब तक जातिगत जनगणना एवं उसके आंकड़े सार्वजनिक करने के विचार को स्वीकार नहीं किया। बिहार की भाँति कर्नाटक में एक दशक पहले ही जातिगत गणना कराई जा चुकी है लेकिन कांग्रेस ने कभी उसकी रिपोर्ट जारी करने की हिम्मत नहीं की। कांग्रेस की केंद्र सरकार ने भी जातिगत जनगणना करा ली थी लेकिन उसका डेटा कभी बाहर नहीं ला सकी। आज राहुल गांधी भाजपा सरकार से माँग करते हैं कि वह जातिगत आंकड़े जारी करे। भाजपा से माँग करने से पहले उन्हें यह बताना चाहिए कि इतने वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद भी उन्होंने यह काम क्यों नहीं किया? जब उन्होंने 2011 की जनगणना में यह डेटा एकत्र कर लिया था तब सरकार से बाहर होने तक की किसकी प्रतीक्षा कर रहे थे? क्या कांग्रेस स्वयं को कमजोर मानती थी कि एक दृढ़ इच्छाशक्ति वाली सरकार की प्रतिक्षा कर रही थी, जो साहसिक निर्णय लेने में सक्षम हो। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस का जो गंभीर एवं अनुभवी नेतृत्व है, वह भी जातिगत आंकड़ों को सार्वजनिक करने के खतरों से अवगत था, इसलिए कांग्रेस ने कभी ऐसी पहल नहीं की। आज कांग्रेस में जिनकी चलती है, उनकी सोच देश-समाज को लेकर कांग्रेस के ही अनुभवी नेतृत्व की तरह नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण में कहा ही है कि कुछ लोग समाज को जात-पात में बाँटकर सत्ता में आना चाहते हैं। ये लोग विकास विरोधी हैं। विकास के मुद्दे पर राजनीति करने की अपेक्षा जातिवादी राजनीति को हवा दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट ही कहा है कि विकास विरोधी ये लोग गरीबों की भावनाओं से खेल रहे हैं। गरीबों को जात-पात में उलझाना चाहते हैं। दरअसल, मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करनेवाले दल जातिगत आंकड़ों की राजनीति पर इसलिए उतर आए हैं क्योंकि वे हिन्दू समाज को कमजोर करना चाहते हैं। पिछले कुछ वर्षों से हिन्दुओं की एकजुटता ने उनके राजनीतिक गणित को बिगाड़ दिया है। अब वे दल अपना गणित ठीक करने के लिए हिन्दू समाज को जातियों में बाँटना और आपस में उलझाने की साजिशें रच रहे हैं। जातिगत आंकड़े सामने आएं, तब हिन्दू समाज को बहुत धैर्य और एकजुटता से काम लेना होगा। कुछ समझदार लोगों ने आंकड़ों को उसी ढंग से देखा और दिखाने का प्रयास भी किया। याद रखें कि आज कांग्रेस जातिगत आंकड़ों को जारी करने की माँग कर रही है लेकिन एक दौर था जब कांग्रेस इस प्रकार की राजनीति से बचती थी और इसे देश-समाज के लिए खतरा मानती थी।

कुछ अलग

बदल जाएंगे समीकरण

जाति आधारित गणना के नतीजे जारी कर बिहार ने देश की राजनीति को फिर एक घुमावदार मोड़ दे दिया है। चाहे सत्तर के दशक में आपातकाल के खिलाफ जेपी आंदोलन हो या नब्बे के दशक में शुरू हुई मंडल राजनीति- बिहार ने दोनों मौकों पर बदलाव की अगुआई की थी। अब जब पिछले करीब एक दशक से देश में कथित सेकुलर राजनीति को विस्थापित करती हुई राष्ट्रवादी राजनीति हावी दिख रही थी, जाति आधारित गणना के नतीजों के रूप में बिहार ने ऐसा धमाका किया है, जिसके अंदर चुनावी राजनीति के समीकरण बदलने का माद्दा है। खैर, अभी तो सब इसी गणना में लगे हैं कि अगर पिछड़े और अति पिछड़े मिलकर राज्य की आबादी का दो तिहाई हो जाते हैं तो फिर इसकी काट के तौर पर दूसरा कौन सा समीकरण पेश किया जा सकता है। चूंकि बिहार सरकार ने जाति आधारित गणना की रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी है, तो अब केंद्र की BJP सरकार का यह तर्क निरर्थक हो गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा करना व्यावहारिक रूप में संभव नहीं है। अब हर तरफ से यही सवाल उठेगा कि जब एक राज्य में संभव हो गया तो दूसरे राज्यों में और राष्ट्रीय स्तर पर भी यह काम क्यों नहीं हो सकता। चूंकि इस सवाल का कोई संतोषजनक जवाब उपलब्ध नहीं है, इसलिए BJP नेताओं का भी मुख्य स्वर यही हो गया है कि वे जाति आधारित गणना के खिलाफ नहीं हैं और बिहार सरकार के फैसले में भी शुरू से शामिल रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि जातिगत जनगणना के मसले पर पॉजिटिव रुख दिखाकर BJP क्या I.N.D.I.A गठबंधन के मुकाबले बढ़त बना पाएगी? अक्सर ऐसा होता है कि जिस मुद्दे पर जिसने शुरुआत की, उसे उसका लाभ भी तुलनात्मक रूप से अधिक होता है। जाति जनगणना के मामले में यह काम JDU और RJD ने किया है, जो BJP के खिलाफ बने I.N.D.I.A गठबंधन का हिस्सा हैं। लेकिन इसके साथ यह भी याद रखना होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। ऐसे में किसी भी चुनाव में मोदी फैक्टर की अनदेखी नहीं की जा सकती। दूसरी ओर, यह सवाल भी बना हुआ है कि क्या यह मुद्दा चुनाव तक प्रासंगिक बना रहेगा! राजनीति में तो एक सप्ताह का वक्त भी लंबा माना जाता है, ऐसे में 6 महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव तक बहुत कुछ बदलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। दूसरी बात यह कि 2023 का भारत नब्बे के दशक के भारत से अलग है। जाति आज भी महत्वपूर्ण है, लेकिन वह हमारी आजीविका, सोच और खासकर वोटिंग बिहेवियर को उस तरह से प्रभावित नहीं करती, जैसे नब्बे के दशक में करती थी। इसलिए देखना होगा कि यह मुद्दा लोगों तक किस रूप में पहुंचता है, राजनीतिक दल खुद को इसके लिए किस तरह से तैयार करते हैं और जातीय गणित से आगे इसकी केमिस्ट्री किस तरह से विकसित होती है।

बिहार ने ऐसा धमाका किया है, जिसके अंदर चुनावी राजनीति के समीकरण बदलने का माद्दा है। खैर, अभी तो सब इसी गणना में लगे हैं कि अगर पिछड़े और अति पिछड़े मिलकर राज्य की आबादी का दो तिहाई हो जाते हैं तो फिर इसकी काट के तौर पर दूसरा कौन सा समीकरण पेश किया जा सकता है। चूंकि बिहार सरकार ने जाति आधारित गणना की रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी है, तो अब केंद्र की BJP सरकार का यह तर्क निरर्थक हो गया है।

इंसान के खुशहाल जीवन एवं निरोगता के लिये खानपान में बदलाव के स्वर दुनियाभर में सुनाई दे रहे हैं

शाकाहार-क्रांति से ही नयी विश्व-संरचना संभव

ललित गर्ग

बढ़ती बीमारियां के कारण जीवन की कम होती सांसों ने इंसान को शाकाहारी बनने के लिये विवश किया है, सत्य भी यही है कि शाकाहार एक उन्नत जीवनशैली है, निरापद खानपान है। न केवल बुद्धिजीवी बल्कि आम व्यक्ति भी अब शाकाहारी जीवन प्रणाली को अधिक आधुनिक, प्रगतिशील और वैज्ञानिक मानने लगे हैं एवं अपने आपको शाकाहारी कहने में प्रगतिशील व्यक्ति होने का गर्व महसूस करते हैं। शाकाहार को बल एवं प्रोत्साहन देने के लिये ही विश्व शाकाहार दिवस, प्रतिवर्ष 1 अक्टूबर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। यह 1977 में उत्तरी अमेरिकी शाकाहारी समाज का स्थापना दिवस है और 1978 में अंतर्राष्ट्रीय शाकाहारी संघ द्वारा 'शाकाहार से खुशी, करुणा और जीवन-वृद्धि की संभावनाओं को बढ़ावा देने' के लिये इसका समर्थन किया था, यह शाकाहारी जीवन शैली के नैतिक, पर्यावरणीय, स्वास्थ्य और मानवीय लाभों के बारे में जागरूकता लाता है। यह दिन जानवरों के जीवन को बचाने, प्रकृति-पर्यावरण को संरक्षित करने और मनुष्य को स्वस्थ करने में मदद करने के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए भी मनाया जाता है। पशुधन उत्पादन में शामिल क्रूरता के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भी एक अवसर है। इंसान के खुशहाल जीवन एवं निरोगता के लिये खानपान में बदलाव के स्वर दुनियाभर में सुनाई दे रहे हैं। मांसाहार को छोड़ने वालों की संख्या भारत ही नहीं दुनिया में बढ़ती जा रही हैं। ग्लोबल रिसर्च कंपनी इप्सोस के हाल ही में कराये गये एक सर्वेक्षण के अनुसार अब 63 प्रतिशत भारतीय अपने भोजन में मांसाहार के स्थान पर शाकाहार को अपना रहे हैं। एक अन्य समाचार के अनुसार अमरीका में डेढ़ करोड़ व्यक्ति शाकाहारी हैं। सुप्रसिद्ध गैलप मतगणना के अनुसार इंग्लैंड में प्रति सप्ताह तीन हजार व्यक्ति शाकाहारी बन रहे हैं। वहाँ अब पच्चीस लाख से अधिक व्यक्ति शाकाहारी हैं। महात्मा गांधी कहते थे कि स्वाद पदार्थ में नहीं, अपितु मनुष्य की अपनी जिव्हा में होता है। नीम की चटनी से जीभ के स्वाद पर नियंत्रण कर लेने वाले गांधी के देश में आज मांसाहार का विरोध तो दूर, उल्टे कुछ क्षेत्रों में मांसाहार को बल दिया जाना, चिन्तनीय है, अहिंसा के उपासक देश के लिए लज्जास्पद भी। लेकिन यह शुभ संवाद है कि अब भारत में शाकाहार को बल देने की शुरूआत हुई है, जिसको जन-जन की जीवनशैली बनाना अहिंसा के पक्षधर प्रत्येक प्रबुद्ध नागरिक का नैतिक दायित्व है तथा मुख सुख के लिए निरीह प्राणियों और अजन्मे अंकुरों की निर्मम हत्या के विरुद्ध जनमानस तैयार करना सबका प्रथम कर्तव्य है। भारत में शाकाहार को बल देने के प्रयत्न होते रहे हैं, न केवल भारत बल्कि संसार के महान बुद्धिजीवी, उदाहरणार्थ अरस्तू, प्लेटो, लियोनार्दो दविंची, शेक्सपीयर, डारविन, पी. एच. हक्सले, इमर्सन, आइन्सटीन, जार्ज बर्नार्ड शा, एच.जी.वेल्स, सर जूलियन हक्सले, लियो टॉलस्टॉय, शैली, रूसो आदि सभी शाकाहारी ही थे। मनुष्य की संरचना की दृष्टि से भी हम देखेंगे कि शाकाहारी भोजन हमारा स्वाभाविक भोजन है। अमरीका के विश्व विख्यात पोषण विशेषज्ञ डॉ.माइकेल क्लेपर का कहना है कि अंडे का पीला भाग विश्व में कोलस्ट्रोल एवं जमी चिकनाई का सबसे बड़ा स्रोत है जो स्वास्थ्य के लिए घातक है। इसके अलावा जानवरों के भी कुछ उदाहरण लेकर हम इस बात को साबित कर सकते हैं कि शाकाहारी भोजन स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है। इस प्रकार शाकाहारी भोजन स्वास्थ्यप्रद एवं पोषण प्रदान करनेवाला है। आज विश्व में सबसे बड़ी समस्या है, विश्व शांति की और बढ़ती हुई हिंसा को रोकने की। चारों ओर हिंसा एवं आतंकवाद के बादल उमड़ रहे हैं। उन्हें यदि रोका जा सकता हैं तो केवल मनुष्य के स्वभाव को अहिंसा और शाकाहार की ओर प्रवृत्त करने से ही। महाभारत से लेकर गौतम बुद्ध, ईसा मसीह, भगवान महावीर, गुरुनानक एवं महात्मा गांधी तक सभी संतों एवं मनीषियों ने अहिंसा पर विशेष जोर दिया है। भारतीय संविधान की धारा 51ए (जी) के अंतर्गत भी हमारा यह कर्तव्य है कि हम सभी जीवों पर दया करें और इस बात को याद रखें कि हम किसी को जीवन प्रदान नहीं कर सकते तो उसका जीवन लेने का भी हमें कोई हक नहीं हैं।' पिछले कुछ सालों में जब से नए शोधों ने यह साबित कर दिया कि शाकाहार इंसान के लिए मांसाहार से अधिक सुरक्षित और निरापद है तब से पश्चिमी देशों में शाकाहारियों की एक बड़ी तादाद देखने में आ रही है। इतना ही नहीं लोगों को यह भी समझ में बखूबी आने लगा है कि मांसाहार महज बीमारियों की वजह नहीं है बल्कि अहिंसा, शांति, पर्यावरण, कृषि, नैतिकता और मानव-मूल्यों के विपरीत है। यह अर्थव्यवस्था के लिए भी नकारात्मक है। पश्चिम में शाकाहारी होना आधुनिकता पर्याय बन गया है। आए दिन लोग खुद को शाकाहारी घोषित कर इस नए चलन के अगुवा बताने में गर्व अनुभव करते देखे जा सकते हैं। पश्चिमी दर्शनों की विचारधारा, जो कभी मांसाहार को सबसे मुफीद मानती थी वही दर्शनों की धारा अब शाकाहार की ओर रुख करने लगी है। यह कई नजरिए से शाकाहार के हक में एक अच्छा संकेत कहा जाना चाहिए। लेकिन भारत सहित दुनिया के तमाम विकासशील देशों की स्थिति इससे ठीक उलट है। विकासशील देशो में बूचड़खाने बढ़ रहे हैं और मांसाहार को बढ़ावा देने के लिए वहां की सरकारें भी लगी हुई हैं। यह जानते हुए कि मांसाहार कई समस्याओं का कारण है और इससे कृषि-संस्कृति को जबरदस्त नुकसान पहुंच रहा है। भारत में हर युग में शाकाहारी जीवनशैली एवं खानपान हुआ करता था। वे लोग ही मांस खाते थे जो समाज के सबसे निकृष्ट तबके के होते थे। यही कारण है, वेद, उपनिषद, गीता, महाभारत, कुरान, पुराण जैसे अनेक धर्म ग्रंथों में शाकाहार करने पर ही जोर दिया गया है। आयुर्वेद में मांसाहार को विपत्तियों का घर कहा गया है। कृषि-संस्कृति का ध्वजवाहक देश अहिंसा और प्रेम जैसे अनेक मूल्यों का हमेशा से संवाहक रहा है। यह बहुत कम लोग जानते हैं कि मांसाहार और देश-समाज की आर्थिक स्थिति में गहरा रिश्ता है। एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत में हर साल वैध-अवैध तरीके से 20 करोड़ पशुओं का वध किया जाता है। मांसाहार दूसरों को भूखा रखने का जिम्मेदार है, क्योकि लाखों जानवर उन लोगों का अन्न खा जाते हैं जो लोग भूखे सोने के लिए मजबूर हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि केंद्र और राज्य सरकारें बूचड़खानों को बंद करके देश की जहां खादान्न समस्या का हल निकाल सकती हैं वहीं पर पानी, पर्यावरण, घटते पशुधन, दूध, घी और उर्वरक की समस्या का हल भी निकाल सकते हैं।

शाकाहार को बल एवं प्रोत्साहन देने के लिये ही विश्व शाकाहार दिवस, प्रतिवर्ष 1 अक्टूबर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। यह 1977 में उत्तरी अमेरिकी शाकाहारी समाज का स्थापना दिवस है और 1978 में अंतर्राष्ट्रीय शाकाहारी संघ द्वारा 'शाकाहार से खुशी, करुणा और जीवन-वृद्धि की संभावनाओं को बढ़ावा देने' के लिये इसका समर्थन किया था, यह शाकाहारी जीवन शैली के नैतिक, पर्यावरणीय, स्वास्थ्य और मानवीय लाभों के बारे में जागरूकता लाता है।

प्रकृति और मनुष्य के बीच है शाश्वत रिश्ता

संस्कृत में कहा गया है -'शाश्वतम, प्रकृति-मानव-सङ्गतम,सङ्गतं खलु शाश्वतम। तत्त्व-सर्वं धारकं, सत्त्व-पालन-कारकं, वारि-वायु-व्योम-वह्नि-ज्या-गतम। शाश्वतमम, प्रकृति-मानव-सङ्गतम।। अर्थात इसका भावार्थ यह है कि प्रकृति और मनुष्य के बीच का संबंध शाश्वत है। रिश्ता शाश्वत है। जल, वायु, आकाश के सभी तत्व, अग्नि और पृथ्वी वास्तव में धारक हैं और जीवों के पालनहार हैं। सच तो यह है कि प्रकृति हमें पत्र, फूल, फल, छाया, जड़, बल्क, लकड़ी और जलाऊ लकड़ी, सुगंध, राख, गुठली और अंकुर प्रदान करके हमारी इच्छाओं को पूरा करते हैं। इसीलिए संस्कृत में कहा गया है कि -'पुत्रपुष्पफलच्छाया मूलवल्कलदारुभिः। गन्धनिर्यासभस्मास्थितौस्मैः कामान वितन्वते।' हाल ही में 3 अक्टूबर को हम सभी ने 'विश्व प्रकृति दिवस' मनाया। प्रकृति का मानव जीवन में बहुत बड़ा महत्व है और प्रकृति के महत्व के बारे में आम लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ही इस दिवस को मनाया जाता है। वास्तव में, प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा सम्बन्ध है। प्रकृति के बिना मनुष्य जीवन की कल्पना नहीं कर सकता है। प्रकृति है तो मनुष्य व जीव जंतुओं का अस्तित्व इस धरती पर है। प्रकृति नहीं है तो कुछ भी नहीं है। जानकारी देना चाहूंगा कि प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बनी है – 'प्र' और 'कृति।' 'प्र' अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ/उत्तम) और 'कृति' का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठ रचना अर्थात सृष्टि। प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। प्रकृति ने मानव के लिए जीवनदायक तत्वों को उत्पन्न किया है।सच तो यह है कि प्रकृति मनुष्य को विरासत में बहुत सी चीजें, संसाधन(रिसोर्स) प्रदान करती है लेकिन हम प्रकृति के संरक्षण की बजाय उसे नुकसान अधिक पहुंचाते हैं , सच तो यह है कि हम प्रकृति के प्रति अपने योगदान, अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझते हैं और प्रकृति का लगातार दोहन करने में लगे रहते हैं। लेकिन हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि हर दिन हमारे हर किसी के छोटे-छोटे योगदान से ही, हम अपने ग्रह, अपनी पृथ्वी को बचा सकते हैं, इसका संरक्षण कर सकते हैं और उस प्रकृति को फिर से प्राप्त कर सकते हैं, जो कि हमें विरासत में मिली है। प्रकृति और मनुष्य वास्तव में दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति में हर किसी का अपना महत्व है। मत्स्यपुराण में एक वृक्ष को सौ पुत्रों के समान बताया गया है। वातवर्षातपहिमान सहन्तरे वारयन्ति नः।।' यानी कि पेड़ इतने महान हैं कि वे केवल दान के लिए जीते हैं। वे तूफान, बारिश और ठंड को अपने आप सहन करते हैं। हमारी भारतीय संस्कृति में तो पेड़-पौधों को पूजने तक की परंपरा रही है, इसीलिए संस्कृत में बड़े ही सुंदर शब्दों में यह भी कहा गया है कि -'दश कूप समा वापी, दशवापी समोह्नद्रः। दशह्नद समः पुत्रों, दशपुत्रो समो द्रमुः।। यानी इसका मतलब यह है कि एक पेड़ दस कुओं के बराबर,एक तालाब दस सीढ़ी के कुएं के बराबर, एक बेटा दस तालाब के बराबर, और एक पेड़ दस बेटों के बराबर होता है। इसलिए प्रकृति की रक्षा करना हम सभी का परम दायित्व है। प्रकृति उदार है लेकिन मनुष्य प्रकृति के प्रति कभी अपनी उदारता नहीं दिखाता। वास्तव में, प्रकृति और मनुष्य का संबंध आश्रय और आश्रित का है। प्रकृति संपूर्ण पृथ्वी ग्रह को अपने भीतर संरक्षण देती है। 'प्रकृति' किसी व्यक्ति, समाज, राज्य, या देश, की निजी संपत्ति नहीं होती। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि समस्त प्राणियों के जीवन की एकमात्र जननी प्रकृति ही है।हमें जीवन देकर इसे सुचारु रूप से चलाने वाली प्रकृति ही हमारी जननी है और इस प्रकृति को जीवन देकर सुचारू रूप से चलाने वाली वह परम शक्ति ही विधाता, ईश्वर, या सर्वोपरि सत्ता है। बहरहाल, प्रकृति की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह अपनी चीजों का उपभोग कभी भी स्वयं नहीं करती। जैसे-नदी अपना जल स्वयं नहीं पीती है, पेड़ अपने फल खुद नहीं खाते हैं, फूल अपनी खुशबू पूरे वातावरण में फैला देते हैं। इसका मतलब यह है कि प्रकृति किसी के साथ भेदभाव या पक्षपात नहीं करती, लेकिन मनुष्य जब प्रकृति से अनावश्यक खिलवाड़ करता है तब उसे गुस्सा आता है, जिसे वह समय-समय पर सूखा, बाढ़, सैलाब, तूफान के रूप में व्यक्त करते हुए मनुष्य को सचेत करती है। ग़लत नहीं है कि वर्तमान समय में व्यक्ति अतृप्त लालसाओं का बढ़ते जाना उसे अपने ही अस्तित्व की समाप्ति की ओर लेकर जा रहा है। यही कारण है जीवन के संतुलन के लिए प्रकृति और मनुष्य के बीच संबंध चरमरा गया है। यह असंतुलन मनुष्य की लालसावादी मनोवृति से उपजा है। अपनी धरती को हरा भरा, सुंदर व स्वच्छ रखना हम सभी का परम और नैतिक दायित्व है। जानकारी देना चाहूंगा कि आज के दिन जलवायु परिवर्तन, उसकी चुनौतियों व प्रकृति के महत्व और संरक्षण के बारे में आम लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाती है। वास्तव में,यह दिवस जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाली चुनौतियों व प्रकृति की स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य दे मनाया जाता है। यह दिवस पहली बार 3 अक्टूबर 2010 को मनाया गया था। यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि विश्व प्रकृति दिवस मनाने की शुरुआत यूएस के विश्व प्रकृति संगठन(वर्ल्ड नेचर आर्गेनाइजेशन) द्वारा की गयी थी। जानकारी देना चाहूंगा कि विश्व प्रकृति संगठन एक अंतर सरकारी संगठन है, यह संगठन पर्यावरण की सुरक्षा के लिए काम करता है। इसका मुख्यालय यूएस में है। वर्तमान समय में अनेक प्रकार की प्रजातियों यथा जीव-जंतुओं के साथ ही वनस्पतियां विलुप्त होती चली जा रही हैं। विलुप्त हो रहे जीव-जंतु व वनस्पतियों की रक्षा का संकल्प लेना ही विश्व प्रकृति दिवस का मूल व अहम उद्देश्य है। आज विश्व की लगातार बढ़ती जनसँख्या, बढ़ता प्रदूषण जिसमें वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, जल प्रदूषण, प्लास्टिक व पालीथीन प्रदूषण शामिल किया जा सकता है, मानवजाति के लिए बहुत ही चिंता का विषय है।

प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। प्रकृति ने मानव के लिए जीवनदायक तत्वों को उत्पन्न किया है।सच तो यह है कि प्रकृति मनुष्य को विरासत में बहुत सी चीजें, संसाधन(रिसोर्स) प्रदान करती है लेकिन हम प्रकृति के संरक्षण की बजाय उसे नुकसान अधिक पहुंचाते हैं , सच तो यह है कि हम प्रकृति के प्रति अपने योगदान, अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझते हैं और प्रकृति का लगातार दोहन करने में लगे रहते हैं। लेकिन हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि हर दिन हमारे हर किसी के छोटे-छोटे योगदान से ही, हम अपने ग्रह, अपनी पृथ्वी को बचा सकते हैं, इसका संरक्षण कर सकते हैं और उस प्रकृति को फिर से प्राप्त कर सकते हैं, जो कि हमें विरासत में मिली है।

देश दुनीया से

अंतरिक्ष तक फैलता प्रदूषण, भावी पीढ़ियों की खातिर जरूरी है 'कचरे' की सफाई

आज के तीव्र प्रौद्योगिकी विकास और अंतरिक्ष अन्वेषण के युग में विश्व ने बाह्य अंतरिक्ष के अन्वेषण में महत्वपूर्ण प्रगति की है। लेकिन, इसके साथ-साथ अंतरिक्ष के प्रदूषण की समस्या भी दबे पांव आ रही है, जिसकी काली छाया पहले से ही प्रदूषण से कलुषित पृथ्वी पर भविष्य में पड़ने वाली है। परिचालन उपग्रहों का रिकॉर्ड रखने वाले यूनियन ऑफ कंसर्न्ड साइंटिस्ट्स (यूपीएस) के अनुसार, एक जनवरी, 2021 तक साढ़े छह हजार उपग्रह पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे थे, जिनमें से करीब साढ़े तीन हजार सक्रिय और इतने ही निष्क्रिय थे। यूएन ऑफिस फॉर आउटर स्पेस अफेअर्स (यूएनओओएसए) के अनुसार, जनवरी, 2022 तक 8,261 उपग्रह पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे थे, जिनमें केवल 4,852 सक्रिय हैं। पृथ्वी की निचली कक्षा में कम से कम 12 करोड़ टुकड़े तैर रहे हैं। लंदन के प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय के अनुसार, उनमें से करीब 34 हजार टुकड़े आकार में 10 सेमी से ज्यादा बड़े हैं। हमने चंद्रमा को भी नहीं छोड़ा है, जहां हमने कई वस्तुओं को स्मृति चिह्न या टाइम कैप्सूल के रूप में रखा है। चंद्रमा पर वर्तमान में 'शिव शक्ति' पॉइंट पर भारत के क्रियाशील गौरव प्रतीक विक्रम लैंडर और प्रज्ञान के अतिरिक्त और भी बहुत कुछ है, जो अब मलबा बन गया है, जैसे अपोलो 15, 16 और 17 की तीन मून बग्गियां, 54 मानव-रहित यान, जो चंद्र सतह पर दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे, चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा छोड़ा गया 19 हजार किग्रा पदार्थ, सोवियत संघ का लूना-2, अमेरिका का रेंजर-4, जापान का हितेन इत्यादि। हालांकि, टकराव अंतरिक्ष मलबे का एकमात्र कारण नहीं है। पृथ्वी की निचली कक्षा में तीव्र पराबैंगनी विकिरण के लंबे समय तक संपर्क में रहने से उपग्रह भी टूट सकते हैं। इससे पृथ्वी की निचली कक्षा में उपग्रहों की संख्या से टकराव की एक अनियंत्रित शृंखला बन सकती है, जो चारों ओर अंतरिक्ष मलबे को इस सीमा तक बिखेर देगी, कि हम नए रॉकेट लॉन्च करने में असमर्थ होंगे। इस आशंका को केसलर सिंड्रोम के रूप में जाना जाता है और कई खगोलविदों को डर है कि यदि हम अंतरिक्ष मलबे को नियंत्रण में नहीं रख सके, तो यह मानवता को बहुग्रहीय प्रजाति बनने से रोक सकता है। पृथ्वी की कुछ सौ किलोमीटर की निचली कक्षाओं में कुछ वस्तुएं शीघ्रता से वापस लौट सकती हैं। कुछ वर्षों के बाद वे वायुमंडल में फिर से प्रवेश करती हैं। लेकिन 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई पर छोड़ा गया उपग्रह और उसका बना मलबा सैकड़ों या हजारों वर्षों तक पृथ्वी की परिक्रमा करते रह सकते हैं। यह दुर्लभ है, लेकिन अमेरिका, चीन और भारत सहित कई देशों ने स्वयं के उपग्रहों को उड़ाने का अभ्यास करने के लिए मिसाइलों का उपयोग किया है, जिससे पैदा होने वाले प्रदूषण की कल्पना ही की जा सकती है। सौभाग्य से अभी तक अंतरिक्ष प्रदूषण ने हमारे अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रमों में कोई बड़ा जोखिम पैदा नहीं किया है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अंतरिक्ष पर्यटन की होड़-सी लग गई है। रॉकेट द्वारा उत्सर्जित कण कालिख के अन्य सभी स्रोतों की तुलना में वातावरण में गर्मी बनाए रखने में लगभग पांच सौ गुना अधिक सक्षम होते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन होना स्वाभाविक है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि सभी कंपनियां अपने मिशन की समाप्ति के बाद 25 वर्षों के भीतर अपने उपग्रहों को कक्षा से हटा लें। इस आदेश को लागू करना कठिन है, क्योंकि उपग्रह विफल हो सकते हैं, और प्रायः होते भी हैं। इस समस्या से निपटने के लिए कंपनियां नए समाधान लेकर आईं हैं। इनमें मृत उपग्रहों को कक्षा से हटाना और उन्हें वापस वायुमंडल में खींचना होता है, जहां जाकर ये जल जाएंगे।

चंद्रमा पर वर्तमान में 'शिव शक्ति' पॉइंट पर भारत के क्रियाशील गौरव प्रतीक विक्रम लैंडर और प्रज्ञान के अतिरिक्त और भी बहुत कुछ है, जो अब मलबा बन गया है, जैसे अपोलो 15, 16 और 17 की तीन मून बग्गियां, 54 मानव-रहित यान, जो चंद्र सतह पर दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे, चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा छोड़ा गया 19 हजार किग्रा पदार्थ, सोवियत संघ का लूना-2, अमेरिका का रेंजर-4, जापान का हितेन इत्यादि। हालांकि, टकराव अंतरिक्ष मलबे का एकमात्र कारण नहीं है। पृथ्वी की निचली कक्षा में तीव्र पराबैंगनी विकिरण के लंबे समय तक संपर्क में रहने से उपग्रह भी टूट सकते हैं। इससे पृथ्वी की निचली कक्षा में उपग्रहों की संख्या से टकराव की एक अनियंत्रित शृंखला बन सकती है, जो चारों ओर अंतरिक्ष मलबे को इस सीमा तक बिखेर देगी, कि हम नए रॉकेट लॉन्च करने में असमर्थ होंगे।

दृष्टिकोण

हर बच्चा एक सा नहीं होता, यह मां-बाप को समझना होगा

राजस्थान के कोटा शहर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगे छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। वहां की कोचिंग संस्थानों में दाखिला कराए अभिभावकों की बेचैनी खत्म करने को स्थानीय प्रशासन ने जो फौरी कदम उठाया है, वह यह है कि अगले दो महीने तक आंतरिक टेस्ट पर रोक लगा दी गई है। परीक्षा में शामिल होने से पहले कोचिंग संस्थान आंतरिक टेस्ट के जरिए आंकलन करते हैं कि छात्र सम्बंधित परीक्षा के लिए कितना तैयार हुआ है? उसके रिजल्ट सार्वजनिक किए जाते हैं। यहीं से छात्रों पर मानसिक दबाव का दौर शुरू होता है। दबाव दो तरह के होते हैं। एक तो समकक्ष छात्रों के बीच आगे-पीछे होने का और दूसरा परिवार की आर्थिक स्थिति का ख्याल आने का। यह पाया गया है कि जो छात्र आत्महत्या कर रहे हैं, उनमें से ज्यादातर मध्य या निम्न मध्य परिवार के ही होते हैं। अपने ख्वाबों को हकीकत में तब्दील करने के लिए उनके माता-पिता अपनी तमाम जरूरतों पर पहरा बिठाते हुए, यहां तक कि कर्ज लेकर अपने बच्चों को यहां की कोचिंग में दाखिल कराते हैं। कहा जा रहा है कि दो महीने आंतरिक टेस्ट पर रोक छात्रों को भी तनाव के दौर से बाहर निकालने में मददगार होगी। लेकिन क्या इसे स्थायी समाधान कहा जा सकता है? इसका जवाब है- कतई नहीं। कोचिंग संस्थानों के लिए एक नियमित अंतराल पर अपने छात्रों को परखना जरूरी होता है। वे अभिभावकों से मोटी रकम वसूलते हैं, इस वजह से उन पर भी रिजल्ट देने का दबाव भी होता है। उनकी सारी दुकानदारी ही, इस आभामंडल पर टिकी हुई है कि 'वे कामयाबी की गारंटी हैं। उनके यहां अपने बच्चे को दाखिल कराने का मतलब बहुत हद तक कामयाबी के लिए सुनिश्चित हो जाना है।' सरकारी तंत्र भी इस पसोपेश में है कि कोचिंग संस्थानों को लेकर ऐसा क्या रास्ता निकाले क्योंकि अभिभावक खुद अपने बच्चों को लेकर उन तक पहुंचते हैं। ऐसा संभव भी नहीं कि सिरे से कोचिंग संस्थानों को बंद करने का आदेश जारी कर दिया जाए। दरअसल इस समस्या का समाधान खुद अभिभावकों के बीच से ही खोजा जा सकता है। हाल के वर्षों में एक नया ट्रेंड देखने को मिला है। एक वक्त हुआ करता था, जब ऊंचे पद साधन सम्पन्न परिवारों के लिए ही आरक्षित मान लिए जाते थे। लेकिन अब बहुत ही साधारण परिवारों के बच्चे बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में कामयाबी हासिल कर रहे हैं। इस वजह से अब साधारण परिवारों में भी अपने बच्चों के बड़े पदों पर पहुंचने के ख्वाब देखे जाने लगे हैं और यहीं से माता-पिता का अपने बच्चों पर दबाव बढ़ने लगा है। छोटी कक्षाओं से ही माता-पिता अपने बच्चों की तुलना करने शुरू कर देते हैं। जिस दिन कॉपियां दिखाने का दिन होता है, ज्यादातर माता-पिता अपने बच्चे की कॉपियां देखने से ज्यादा दूसरे बच्चों का रिजल्ट जानने में दिलचस्पी रखते हैं। जैसे ही उन्हें पता चलता है कि उनका बच्चे ने दूसरे के मुकाबले कम अच्छा प्रदर्शन किया है, उनकी डांट-फटकार का सिलसिला शुरू हो जाता है। घर आए मेहमानों के बीच या दूसरे किसी अवसरों पर माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई की तुलना दूसरे बच्चों से करते हुए दिखते हैं। यहीं से बच्चों में हीन भावना के साथ-साथ तनाव की प्रवृत्ति पैदा होती है। कोटा या किसी दूसरे शहर भेजने से पहले माता-पिता को यह जरूर समझना होगा कि हर बच्चा एक सा नहीं होता। हर बच्चे की क्षमता अलग-अलग होती है। कोटा या कोई दूसरा शहर या कोचिंग संस्थान कोई मशीन नहीं है, जहां भेजने भर से बच्चा वह सब करने में कामयाब हो जाएगा, जो उनका ख्वाब है।

जेलेंस्की पर बरसे रामास्वामी, यूक्रेन में चुनाव कराने के लिए अमेरिका से फंड मांगने पर लगाई लताड़

वॉशिंगटन ।
रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की पर यूक्रेन में आम चुनाव कराने के लिए अमेरिका से ज्यादा फंड मांगने पर निशाना साधा है। विवेक रामास्वामी ने अपने उस बयान का भी बचाव किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर वह अमेरिका के राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो वह यूक्रेन को दी जाने वाली आर्थिक मदद में कटौती कर देंगे।

यूक्रेनी राष्ट्रपति की आलोचना की

भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी ने कहा कि तुष्टीकरण से मुझे दिक्कत है। मैं इस बारे में साफ रहना चाहता हूं कि हमें अमेरिकी लोगों से सच बोलना चाहिए। अगर पुतिन एक दुष्ट तानाशाह है, जो कि वो है, इसका मतलब ये नहीं है कि यूक्रेन अच्छा है। यूक्रेन वो देश है, जहां 11 विपक्षी पार्टियों पर प्रतिबंध लगाया गया। साथ ही सारे मीडिया को एक सरकारी मीडिया के साथ मिला दिया गया। वहां के राष्ट्रपति ने बीते एक हफ्ते पहले ही एक नाजी की तारीफ की और अमेरिका को धमकी दी है कि अगर अमेरिका ने उन्हें और फंड नहीं दिया तो वह यूक्रेन में आम चुनाव नहीं करा सकेंगे।

विवेक रामास्वामी ने अपने चुनाव अभियान में विश्वास जताते हुए कहा कि वह अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में पार्टी की तरफ से उम्मीदवार बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। रामास्वामी ने कहा कि छह महीने पहले देश के अधिकतर लोग मेरे बारे में नहीं जानते थे लेकिन अब मैं कई मामलों में तीसरे-चौथे नंबर पर हूं। मुझे लगता है कि हम अपने अभियान में आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन यह मेरे या ट्रंप के बारे में नहीं है बल्कि यह अमेरिका के बारे में है।

व्हाइट हाउस में सीईओ की हो तैनाती

रामास्वामी ने कहा कि मैं देश के युवा लोगों तक पहुंचना चाहता हूं ताकि हम 16 साल तक के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की नीतियां बना सकें। हमें ऐसी चर्चा करनी पड़ेगी, जिससे हम चीन से आर्थिक आजादी हासिल कर सकें। रामास्वामी ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि जब व्हाइट हाउस में एक सीईओ की तैनाती की जाए। रामास्वामी ने जो बाइडन सरकार की आर्थिक नीतियों की भी आलोचना की।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के मीडिया पर नियंत्रण करना चाहता है चीन, अमेरिकी रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

वॉशिंगटन । अमेरिका की एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा किया गया है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन पाकिस्तान के मीडिया पर नियंत्रण करना चाहता है। इसके लिए चीन अंतरराष्ट्रीय अभियानों का एक जाल तैयार कर रहा है जो पाकिस्तान समेत चीन के अन्य सहयोगी देशों में मीडिया नैरेटिव को अपने पक्ष में करना चाहता है। चीन, रूस के साथ सूचना क्षेत्र में मिलकर काम कर रहा है ताकि अपने पक्ष में दुनिया भर में माहौल बनाया जा सके और आलोचना का मुकाबला किया जा सके। पाकिस्तान में चीन की महत्वकांक्षी परियोजना सीपेक को लेकर भी अंतरराष्ट्रीय मीडिया में काफी आलोचना होती है। अब चीन ने सीपेक मीडिया फोरम के जरिए इन कथित दुष्प्रचारों का मुकाबला करने का फैसला किया है। इसके लिए चीन और पाकिस्तान ने मिलकर सीपेक रैपिड रेस्पॉन्स इंफोर्मेशन नेटवर्क अभियान की शुरुआत की है और इसके तहत जल्द ही चीन-पाकिस्तान मीडिया कॉरिडोर को लॉन्च किया जाएगा। साल 2021 में चीन और पाकिस्तान के बीच इस मुद्दे पर बातचीत भी हुई थी। इसके तहत दोनों देशों ने मिलकर एक नर्व सेंटर बनाने पर चर्चा की थी, जो पाकिस्तानी मीडिया में चल रहीं खबरों को नियंत्रित करेगा। अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दोनों देश संयुक्त रूप से कथित अफवाहों के खंडन और पक्ष की खबरों के प्रचार के लिए एक प्लेटफॉर्म तैयार करने पर भी चर्चा कर रहे हैं। साथ ही अहम खबरों का उर्दू में अनुवाद किया जाएगा ताकि लोगों के विचारों को अपने पक्ष में किया जाए। चीनी दूतावास की खबरों को पाकिस्तान के मीडिया रिलीज सिस्टम में मुहैया कराना और किसी मुद्दे पर लोगों की आलोचना को मॉनिटर करने पर भी बात हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की सरकार अपने पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाने के लिए दुनियाभर में अरबों डॉलर खर्च कर रही है। साथ ही आलोचना करने वाली खबरों जैसे ताइवान, मानवाधिकार, दक्षिण चीन सागर और घरेलू अर्थव्यवस्था संबंधित नकारात्मक खबरों को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

सिर पर फ्रिज लादकर साइकिल चलाता दिखा व्यक्ति, लोगों ने कहा- ये पागलपन है

न्यूयॉर्क । सिर पर मटका ले जाते हुए कई लोगों को देखा होगा, लेकिन क्या किसी को सिर पर फ्रिज ले जाते हुए कभी देखा हैअमेरिका के न्यू यॉर्क सिटी की सड़कों पर ऐसा ही कुछ देखने को मिला, जिसे देखकर सभी हैरान रह गए। दरअसल, एक व्यक्ति साइकिल चलाते हुए अपने सिर पर फ्रिज ले जा रहा था। यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर भी वायरल हुआ है, जिसे लोगों ने काफी ज्यादा पसंद किया। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति साइकिल चलाने के दौरान फ्रिज को अपने सिर पर संतुलित करते हुए देखा गया था। इस वीडियों ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया है। इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को शेयर किया था। उन्होंने कैप्शन में लिखा, न्यू यॉर्क सिटी अलग है। इसके साथ ही उन्होंने आगे लिखा, दुनिया का सबसे मजबूत गर्दन। इस वीडियो को अबतक सात मिलियन लोगों ने देखा है। इस वीडियो पर कई यूजर ने अपनी प्रतिक्रिया भी दी है। एक यूजर ने लिखा, यह वास्तविक नहीं हो सकता है, यह एक पागलपन है। वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, इसने पहले ही बार में फ्रिज को अपने सिर पर कैसे उठा लिया एक अन्य यूजर ने लिखा, सर्कस को इस व्यक्ति को जल्द ही भर्ती करना चाहिए। इस वीडियो के वायरल होने से पहले इसी तरह का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें स्काइडाइवर को हवा में लटकते हुए अनाज बनाते और खाते हुए देखा गया था।

ताइवान पर मंडराया शक्तिशाली तूफान कोइनु का खतरा, उड़ानें रद्द, स्कूल-कॉलेज बंद

ताइपे । पश्चिमी प्रशांत बेसिन में उठा शक्तिशाली तूफान कोइनु के खतरे को देखते हुए ताइवान की सरकार ने उड़ानें रद्द करने के साथ स्कूल-कॉलेज बंद करने का आदेश दिया है। वहीं, तूफान के कारण ताइवान में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। इसका असर ताइवान के अलावा फिलीपींस के उत्तरी हिस्से और दक्षिणपूर्वी चीन में दिख रहा है। द्वीप के केंद्रीय मौसम प्रशासन ने जानकारी दी कि कोइनु जो पिछले साप्ताहांत प्रशांत महासागर के ऊपर बना था, वह पूर्वी ताइवान से केवल 150 किमी की दूरी पर था। वह पश्चिम की तरफ नौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। ताइवान की मौसम एजेंसी के मौसम विज्ञानी वू वान-हुआ के अनुसार गुरुवार और शुक्रवार को भारी बारिश की भी संभावना जताई जा रही है।

पूर्व अमेरिकी स्पीकर को ऑफिस खाली करने का नोटिस, पेलोसी का जवाब- कानूनी काम पर फोकस करें

वॉशिंगटन ।
अमेरिका के शीर्ष पदों में एक संसद की स्पीकर का होता है। अमेरिकी हाउस की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी की जगह अब प्रो-टेम स्पीकर पैट्रिक मैक हेनरी पदभार संभाल रहे हैं। हेनरी ने पदभार संभालने के चंद घंटों के भीतर ही नैंसी को कैपिटोल हिल का दफ्तर खाली करने का निर्देश दे दिया।

पहली बार मतदान, पद से हटाए गए स्पीकर

रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में पहली बार स्पीकर को हटाने के लिए वोटिंग कराई गई। कैलिफोर्निया से निर्वाचित रिपब्लिकन केविन मैक्कार्थी को ऐतिहासिक मतदान के बाद हटाया गया। उनकी जगह मैक हेनरी ने ली। मतदान की प्रक्रिया के बाद पद से हटाए जाने से पहले मैक्कार्थी ने स्पीकर के रूप में 269 दिनों तक काम किया।

किसी भी स्पीकर का दूसरा सबसे छोटा कार्यकाल

उनका कार्यकाल 7 जनवरी, 2023 को शुरू हुआ और अमेरिका के स्थानीय समय के मुताबिक मैक्कार्थी पद पर बने रहे। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के इतिहास में किसी भी स्पीकर का दूसरा सबसे छोटा कार्यकाल मैक्कार्थी के हिस्से में आया है।

रिपब्लिकन को नाराज करने का खामियाजा

फ्लोरिडा से निर्वाचित रिपब्लिकन मैट गेट्ज़ के नेतृत्व में मैक्कार्थी को हटाने की मुहिम शुरू हुई थी। राष्ट्रपति बाइडेन के प्रशासन को अपदस्थ करने के मकसद से एकजुट हुए रिपब्लिकन उस समय निराश हुए जब डेमोक्रेट सांसद मैक्कार्थी के समर्थन में आ गए। शटडाउन टालने में सफल रहे मैक्कार्थी को कुछ दिनों बाद हटाने का फैसला लिया गया। बाइडेन प्रशासन की कथित मदद करने वाले मैक्कार्थी को कट्टरपंथी रिपब्लिकन को नाराज करने का खामियाजा भुगतना पड़ा है।

ऑफिस रेनोवेशन के लिए खाली करनी होगी जगह

अब स्पीकर की पोस्ट से जुड़ी इस खींचतान के बारे में पता लगा है कि मैक हेनरी के कार्यालय से आदेश जारी

किया गया है जिसमें पेलोसी को अपना कैपिटोल ऑफिस छोड़ने के लिए कहा। कारण में लिखा गया कि ऑफिस को स्पीकर कार्यालय के उपयोग के लिए पुनर्निर्मित किया जा रहा है। बता दें कि अमेरिका के शीर्ष सांसदों के लिए कैपिटोल बिल्डिंग के अंदर कुछ छिपे हुए कार्यालय होते हैं।

पेलोसी ने बताया- दफ्तर तत्काल खाली करना संभव नहीं

पेलोसी के पास जो रेगुलर दफ्तर है उसे लॉन्गवर्थ हाउस ऑफिस बिल्डिंग कहा जाता है। अपने नियमित कार्यालय के अलावा पेलोसी के पास हाइडअवे ऑफिस भी है। मैकहेनरी की घोषणा के बाद, पेलोसी ने एक बयान में कहा कि वह अपना सामान तुरंत निकाल सकें, ऐसा संभव नहीं था, क्योंकि वह ऑफिस खाली कर दूसरी जगह दाने के लिए वाशिंगटन, डीसी में नहीं थीं।

ऑफिस नंबर एच-132 खाली करना होगा

मैकहेनरी के कार्यालय से पेलोसी के कार्यालय को एक ईमेल भेजा गया था। अमेरिकी प्रसारक सीएनएन ने उस बयान की पुष्टि भी की। इसमें लिखा था, स्पीकर कार्यालय के उपयोग के लिए एच-132 को फिर से आवंटित करने जा रहा हूं। कृपया इस ऑफिस को खाली कर दें।

अमेरिकी संसद की परंपरा से विचलन

पेलोसी ने हेनरी के प्रस्ताव की निंदा की। उन्होंने कहा, रिपब्लिकन नेतृत्व को कई महत्वपूर्ण फैसले कर अहम मुद्दों का समाधान करना चाहिए। हम सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नए प्रो-टेम स्पीकर की गई पहली कार्रवाइयों में से एक मुझे कैपिटोल में अपना कार्यालय तुरंत खाली करने का आदेश देना है। उन्होंने कहा कि इस तरह का निष्कासन अमेरिकी संसद की परंपरा से तीव्र विचलन है।

ऐसी हरकतों के बदले कानून पर ध्यान देने की नसीहत

उन्होंने आगे कहा, स्पीकर के रूप में, मैंने पूर्व स्पीकर हेस्टर्ट को जब तक वह चाहें तब तक पद पर बने रहने का मौका दिया। पेलोसी ने मैकहेनरी और हाउस में मौजूद रिपब्लिकन से ऐसी हरकतों के बदले कानून से जुड़े काम-काज पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

ऑफिस स्पेस मायने नहीं रखता

रिपोर्ट के अनुसार, पेलोसी ने कहा, ऑफिस स्पेस मेरे लिए मायने नहीं रखता, लेकिन यह उनके लिए महत्वपूर्ण लगता है। अब जब नए रिपब्लिकन नेतृत्व ने इस महत्वपूर्ण मामले को सुलझा लिया है, तो आशा है कि उन्हें उस पर काम करने का मौका मिलेगा जो वास्तव में अमेरिकी लोगों के लिए महत्वपूर्ण और उनके हित में है।

कैलिफोर्निया में हैं पेलोसी, बिना मतदान खाली करनी पड़ेगी जगह

पेलोसी इस सप्ताह के अंत में कैलिफोर्निया के डेमोक्रेट सीनेटर डायने फेनस्टीन के स्मारक का उद्घाटन समारोह से पहले कैलिफोर्निया में हैं। ऐसे में ऑफिस खाली करने की पहल पर उन्हें मतदान का मौका नहीं मिला। अनुभवी सीनेटर डायने फेनस्टीन का 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन के बाद, सीनेटर फेनस्टीन के चीफ ऑफ स्टाफ, जेम्स सॉल्स ने बयान जारी किया।

90 साल की महिला सीनेटर का निधन

सॉल्स ने बताया, वयोवृद्ध महिला सीनेटर फेनस्टीन का 29 सितंबर की रात वाशिंगटन, डी.सी. में अपने घर पर ही निधन हो गया। उनका निधन उन लोगों में से कई लोगों के लिए बड़ा नुकसान है। उन्होंने कैलिफोर्निया के लोगों से प्यार किया और उनकी जरूरतों और मांगों का पूरा ध्यान रखा। उन्होंने जनता की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

एक पुरुष सिर्फ पुरुष है और महिला सिर्फ महिला, लैंगिक समानता पर दिए बयान से घिरे पीएम सुनक

लंदन ।
ब्रिटिश के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक लैंगिक समानता पर दिए गए अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। चार अक्तूबर को कंजर्वेटिव पार्टी कॉन्फ्रेंस में अपने समापन भाषण के दौरान पीएम सुनक ने लैंगिक बहस पर अपना रुख साझा करते हुए कहा था, एक पुरुष सिर्फ पुरुष है और एक महिला सिर्फ महिला।

कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पीएम सुनक ने कहा, हमें इस बात पर विश्वास नहीं करना चाहिए कि लोग अपने हिसाब से किसी भी लिंग के हो सकते हैं। ऐसे नहीं हो सकता है। एक पुरुष हमेशा पुरुष है और एक महिला केवल एक महिला है। यह केवल सामान्य ज्ञान है। उन्होंने आगे कहा, हम इस देश को बदलने जा रहे हैं, इसका मतलब है जीवन का मतलब है जीवन। यह कोई विवादास्पद स्थिति नहीं होनी चाहिए। परिश्रमी लोगों का एक विशाल बहुमत इस बात से सहमत है। यह अभिभावकों के लिए भी विवादास्पद नहीं होना चाहिए कि उनके बच्चे संबंधों को लेकर क्या सीख रहे हैं।

पीएम सुनक के इस बयान पर कई लोगों ने सहमति जताई है, तो वहीं समलैंगिक समुदाय के लिए किए गए उनके बयान को कुछ लोगों ने अनुचित ठहराया है। वहीं कुछ अन्य लोगों का मानना है कि उनकी यह टिप्पणी सामान्य ज्ञान से कोसो दूर है। पीएम सुनक के बयान पर एक यूजर ने लिखा, मैं सुनक द्वारा गणित पर बात करने को लेकर तंग आ चुका हूं, लेकिन उनका जीव विज्ञान बहुत कमजोर है। बायोलॉजिकल सेक्स बहुत जटिल है और काफी मजेदार भी। यह बिलकुल भी सामान्य ज्ञान नहीं है। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, टोरी पार्टी दिन पर दिन अधिक कट्टरपंथी होते जा रही है, जो कि वास्तव में बहुत डरावना है। पीएम सुनक का बयान तीन अक्तूबर को स्वास्थ्य सचिव स्टीव बार्कले के उस बयान के बाद आया, जिसमें बार्कले ने कहा था कि इंग्लैंड के अस्पताल के महिला वॉर्ड में समलैंगिक महिलाओं पर प्रतिबंध लगाने की योजना पर प्रस्ताव रखा जाएगा।

जो बाइडन के कमांडर को व्हाइट हाउस से निकाला गया, कई स्टाफ को काटकर किया घायल

वॉशिंगटन ।
अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के कुत्ते कमांडर को व्हाइट हाउस से निकाल दिया गया है। दरअसल जो बाइडन के पालतू कुत्ते ने व्हाइट हाउस के कई स्टाफ और सीक्रेट सर्विस के जवानों को काट लिया था। ऐसे में बाइडन के दो साल के इस जर्मन शेफर्ड कुत्ते को किसी अज्ञात जगह पर भेज दिया गया है। अमेरिका के मीडिया में भी ये बात चर्चा में आ गई थी कि राष्ट्रपति के पालतू कुत्ते ने कई स्टाफ को निशाना बनाया है, जिसके बाद कमांडर को व्हाइट हाउस से हटाने का फैसला किया गया।

स्टाफ के 11 लोगों को काटा

अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात रहने वाले सीक्रेट सर्विस के 11 जवानों को कमांडर ने काट लिया था। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, असल में कमांडर के स्टाफ को काटने की घटनाओं का आंकड़ा बताए गए आंकड़े से काफी ज्यादा है। अमेरिका की प्रथम महिला और राष्ट्रपति की पत्नी जिल बाइडन की कम्युनिकेशन डायरेक्टर एलिजाबेथ एलेक्जेंडर ने बताया कि राष्ट्रपति और प्रथम महिला स्टाफ की सुरक्षा का काफी ध्यान रखते हैं क्योंकि वह व्हाइट हाउस और उनकी हर दिन सुरक्षा करते हैं। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि कमांडर को हमेशा के लिए व्हाइट हाउस से हटाया गया है या फिर कुछ समय बाद फिर से उसकी वापसी हो सकती है।

बाइडन व्हाइट हाउस के तनावपूर्ण माहौल को लेकर जता चुके हैं चिंता

इससे पहले राष्ट्रपति जो बाइडन ने व्हाइट हाउस के तनावपूर्ण माहौल को उनके पालतु जानवरों के व्यवहार में आक्रामकता आने की वजह बताया था। इससे पहले जो बाइडन के दूसरे पालतू कुत्ते मेजर को भी व्हाइट हाउस से हटाया जा चुका है। वहीं बाइडन के एक पालतू कुत्ते चैंप की साल 2021 में मौत हो गई थी।

वैज्ञानिकों की खोज से नैनोटेक्नोलॉजी में आई क्रांति, क्वांटम डॉट्स ने बदल दी गति

स्टॉकहोम ।
रसायन का नोबेल जीतने वाले तीन अमेरिकी वैज्ञानिकों मौंगी जी बावेंडी, लुई ई ब्रूस व एलेक्सी एकीमोव की खोज इतनी अहम है कि इसने कंप्यूटर, टीवी, चिकित्सा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में विकास की रफ्तार बदल दी। रसायन विज्ञान के लिए नोबेल चयन समिति के अध्यक्ष जोहान एक्विस्ट ने कहा, क्वांटम डॉट्स में कई आकर्षक और असामान्य गुण हैं।

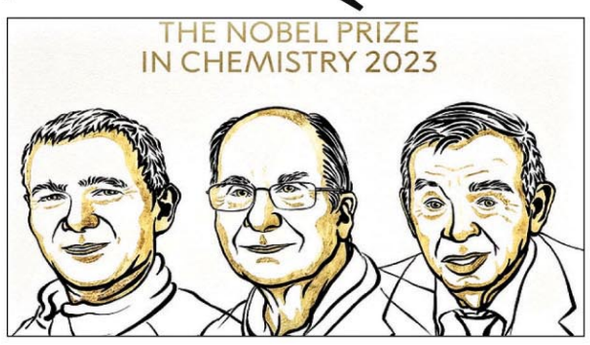

अहम बात यह है कि उनके आकार के आधार पर उनके अलग-अलग रंग होते हैं। रसायन विज्ञान का अध्ययन करने वाला हर व्यक्ति यह सीखता है कि किसी तत्व के गुण इस बात से नियंत्रित होते हैं कि उसमें कितने इलेक्ट्रॉन हैं। हालांकि, जब पदार्थ नैनो-आयामों में सिकुड़ता है, तो क्वांटम घटनाएं होती हैं, जो पदार्थ के आकार से नियंत्रित होती हैं। रसायन विज्ञान में 2023 के नोबेल विजेताओं ने इतने छोटे कण बनाने में सफलता हासिल की है कि उनके गुण क्वांटम घटना से निर्धारित होते हैं। इन कणों को क्वांटम डॉट्स कहा जाता है, जो नैनोटेक्नोलॉजी में बहुत अहम हैं।

नैनोडायमेंशन के इस सिद्धांत को मूर्त रूप देना असंभव लगता था। लेकिन, 1980 के दशक में एलेक्सी एकिमोव ने एक रंगीन कांच में आकार पर निर्भर क्वांटम प्रभाव पैदा किया। इसी दशक में लुई ब्रूस ने तरल पदार्थ में स्वतंत्र रूप से तैरते कणों में क्वांटम प्रभाव साबित किए। दोनों जानकारियों के आधार पर 1993 में मौंगी बावेंडी ने क्वांटम डॉट्स का रासायनिक उत्पादन किया।

क्या काम आती है यह खोज

नैनोटेक्नोलॉजी के ये सबसे छोटे घटक हमारे बीच कंप्यूटर, टेलीविजन की स्क्रीन से लेकर, चिकित्सा, रक्षा और अंतरिक्ष के क्षेत्र में इस्तेमाल हो रहे हैं। एलईडी लैंप के जरिये ये नन्हें कण हमारे घरों को रोशन कर रहे हैं और ट्यूमरों से ऊतकों को हटाने में सर्जनों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। भविष्य में भी यह खोज मानवता के लिए कई बड़े समाधानों का जरिया बनेगी। शोधकर्ताओं का मानना है कि भविष्य में क्वांटम डॉट्स का इस्तेमाल लचीले इलेक्ट्रॉनिक्स, छोटे सेंसर, पतले सौर सेल और एन्क्रिप्टेड क्वांटम संचार में योगदान दे सकते हैं।

कुछ घंटे पहले लीक हुए नाम

नोबेल पुरस्कारों के इतिहास में यह संभवत: पहली बार हुआ जब विजेताओं की औपचारिक घोषणा से पहले उनके नाम सार्वजनिक हो गए। स्वीडन के सार्वजनिक प्रसारक ने बताया कि उन्हें नोबेल समिति की तरफ से तय समय से कुछ घंटे पहले ही विजेताओं के नाम से संबंधित विज्ञप्ति मिल गई। इस संबंध में रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने कोई टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया।

बहुसंख्यक होने के बावजूद हिंदुओं की मानसिकता अल्पसंख्यकों वाली, फ्रांस के पत्रकार का बयान

वॉशिंगटन ।
फ्रेंच पत्रकार फ्रांस्वा गॉटियर ने हिंदू समुदाय को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने हिंदुओं में अभी भी अल्पसंख्यक मानसिकता और भाईचारे में कमी बताया है। गॉटियर इन दिनों अमेरिका में अपने द्वारा भारत के महाराष्ट्र के पुणे शहर में स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज म्यूजियम के लिए धन जुटाने में लगे हुए हैं। उन्होंने अमेरिका में आयोजित आर्ट ऑफ लिविंग के विश्व सांस्कृतिक त्योहार में भी हिस्सा लिया था।

गॉटियर ने कहा, इतिहास से सबक यह है कि हिंदुओं को लड़ना चाहिए। विश्व में आज भी हिंदू धर्म पर हमले हो रहे हैं। चाहे वह पाकिस्तान हो या अफगानिस्तान या फिर ईसाई मिशनरियों द्वारा धर्मान्तरण हो यह अब भारत में एक बहुत बड़ी समस्या है, खासकर दक्षिणी

भारत और पंजाब में। या फिर यह कहा जाए कि यह भारत का पश्चिमीकरण है जो केबल टीवी के माध्यम से हो रहा है।

विश्व स्तर पर हिंदुओं की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, दुनिया में हर जगह सरकारों द्वारा भारत के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए भारतविदों को भेजा जाता है। ये वो लोग हैं जो कहते हैं कि हिंदू कट्टरवाद इस्लामिक कट्टरवाद जितना ही खतरनाक है, जो कि बिलकुल भी सच नहीं है। क्योंकि हिंदू कभी भी भारत से बाहर नहीं गया और न ही अपना अलग धर्म स्थापित किया जैसा कि ईसाई धर्म ने दक्षिण अमेरिका में किया और अन्य सभ्यताओं को मिटा दिया। इस्लाम ने भी मिस्र में जाकर वहां की सभ्यता को मिटा दिया। हिंदुओं ने कभी भी धर्म बदलने या बदलवाने की कोशिश नहीं की।

बहुसंख्यक होने के बावजूद मानसिकता अल्पसंख्यकः गॉटियर

यह देखते हुए कि 1.3 अरब की आबादी वाले भारत में हिंदू बहुसंख्यक हैं और हिंदू धर्म दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा धर्म है, उन्होंने हिंदुओं को शांतिपूर्ण लोग बताया। फ्रेंच पत्रकार ने आगे कहा, लेकिन उनकी मानसिकता अल्पसंख्यक है। यह एक बहुत बड़ी समस्या है। भारत में भले ही वह बहुसंख्यक है, लेकिन मानसिकता से वे अल्पसंख्यक है।

शिवाजी महाराज म्यूजियम पर बात करते हुए गॉटियर ने कहा, मैं उनका सम्मान करता हूं, क्योंकि साहस असाधारण था। उनका साहस बुद्धिमता से भी अधिक था। लेकिन हिंदुओं पर इतना अत्याचार किया गया, उन पर इतनी क्रूरता से हमला किया गया, हत्याएं की गईं और दुष्कर्म किए गए कि आज हिंदुओं में डर की मानसिकता है।

गॉटियर ने हिंदुओं को विश्व का सबसे सहिष्णु लोग बताया है। उन्होंने कहा, पीएम मोदी कहते हैं कि वह मुस्लिमों, ईसाईयों पश्चिमी लोगों से लेकर हर किसी के पास पहुंचते हैं। जो कोई भी यह कहता है कि हिन्दू कट्टरवाद का उदय हो रहा है, यह बिल्कुल गलत है। फ्रेंच पत्रकार ने बताया कि इसी वजह से वह म्यूजियम बना रहे हैं।

चक्रवात की चेतावनी के बावजूद हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन, ताइवान के करीब भेजे सैन्य विमान और तीन शिप

बीजिंग । चीन ने गुरुवार को ताइवान को घेरने के लिए अपने एक सैन्य एयरक्राफ्ट के साथ तीन शिप्स को साथ भेजा। चौंकाने वाली बात यह है कि ड्रैगन ने यह हरकत ऐसे समय में की है, जब ताइवान जलडमरूमध्य में भीषण चक्रवात आने की चेतावनी जारी की गई है। इसके बावजूद चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की वायुसेना और नौसेना ने अपने एयरक्राफ्ट और शिप्स को ताइवान की सीमा के काफी करीब भेज दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, चीन के विमान और जहाजों के मार्ग का खुलासा नहीं हो सका, क्योंकि यह सभी ताइवान और चीन के बीच जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार नहीं कर पाए थे। ऐसे में ताइवान की रक्षा प्रणालियां भी अलर्ट नहीं हुई थीं। मंत्रालय ने कहा कि वह चीन की हरकतों पर नजर रखने के लिए जरूरी उपकरणों को तैयार रख रहा है।

राजौरी में आतंकियों की तलाश में अभियान चौथे दिन भी जारी

राजौरी (हिंस)। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में हथियारों से लैस आतंकी देखे जाने के बाद पिछले तीन दिन से सुरक्षाबल तलाशी अभियान चला रहे हैं, तो चौथे दिन गुरुवार को भी जारी है। कालाकोट के तत्ता पानी के जंगल में छिपे आतंकियों को मार गिराने के लिए कोबरा कमांडो भी उतारे गए हैं। इसी बीच पुंछ जिले के खनेतर टाप के जंगलों में भी सुरक्षाबलों ने संयुक्त रूप से आतंकियों की तलाश में अभियान शुरू किया है। मौसम में बदलाव के चलते पुंछ में सुरक्षाबलों ने गश्त भी बढ़ा दी है। दरअसल, राजौरी के कालाकोट में सोमवार को तलाशी अभियान के दौरान आतंकियों की सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ हुई थी।

मुख्यमंत्री का संवेदनशील निर्णय : राज्य में कार्यरत 10528 संविदा कार्मिक होंगे नियमित

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विभिन्न वर्गों के लिए कई संवेदनशील निर्णय लिए हैं। इसी क्रम में गहलोत ने राज्य में राजस्थान कांट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट्स रूल्स-2022 के अंतर्गत संविदा पर कार्यरत 10 हजार 528 कार्मिकों को नियमित करने के लिए नए पदों के सृजन की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत कार्यरत 9 वर्ष या इससे अधिक का कार्यानुभव रखने वाले संविदा कार्मिकों के लिए संविदा पदों के स्थान पर 4 हजार 966 नए पदों के सृजन की स्वीकृति दी है। यह पद ग्रामीण विकास विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में होंगे। नवसृजित पदों में कनिष्ठ तकनीकी सहायक के 1 हजार 698,

ग्राम रोजगार सहायक के 1 हजार 548, डाटा एंट्री सहायक के 699, लेखा सहायक के 622, एम.आई.एस. मैनेजर के 159, सहायक के 150, समन्वयक (अभिसरण एवं मूल्यांकन) के 48, समन्वयक (आई.ई.सी.,प्रशिक्षण,पर्यवेक्षण) के 40 तथा प्रोग्रामिंग एवं एनालिसिस विशेषज्ञ व प्रोग्रामिंग विशेषज्ञ का 1-1 पद शामिल हैं। इसी प्रकार गहलोत ने राजस्थान मदरसा बोर्ड में भी 9 वर्षों से अधिक का कार्यानुभव रखने वाले कार्मिकों को नियमित करने हेतु संविदा पदों के स्थान पर 5 हजार 562 पदों के सृजन का फैसला किया है। नवसृजित पदों में शिक्षा अनुदेशक के 5 हजार 220, कंप्यूटर अनुदेशक के 215, कंप्यूटर शिक्षा सहयोगी के 88 एवं शिक्षा सहयोगी के 39 पद शामिल हैं।

एडवोकेट गुरमिंदर गैरी बने पंजाब के नए महाधिवक्ता डेढ़ साल की मान सरकार में हुई तीसरी नियुक्ति

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के वरिष्ठ वकील गुरमिंदर सिंह गैरी पंजाब के नए महाधिवक्ता होंगे। राज्य सरकार ने गुरुवार को मंत्रिमंडल की आपात बैठक बुलाकर विनोद घई का इस्तीफा स्वीकार करने के बाद गैरी को नया महाधिवक्ता नियुक्त कर दिया। पंजाब की भगवंत मान सरकार के करीब डेढ़ साल के कार्यकाल में यह तीसरा मौका है, जब इस पद पर नई नियुक्ति की गई है। दरअसल, हाल ही पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार को पंचायतें भंग करने का मामला हाई कोर्ट में पहुंचने के बाद वापस लेना पड़ा था। इसके अलावा भी कई केसों में सरकार एजी विनोद घई से संतुष्ट नहीं थी, इसीलिए पिछले कई दिनों से घई के इस्तीफे की अटकलें चल रही थी। एडवोकेट विनोद घई ने निजी कारणों का हवाला देते हुए सीएम को इस्तीफा सौंप दिया, जिसे गुरुवार को हुई कैबिनेट मीटिंग में मंजूरी दी गई। सीएम भगवंत मान ने सोशल मीडिया पर एडवोकेट गुरमिंदर सिंह को नया एडवोकेट जनरल बनाने के बारे में जानकारी दी। इससे पहले पंजाब सरकार ने 2022 में अनमोल रतन सिद्धू को एडवोकेट जनरल बनाया था। उस समय

घोषणा की गई थी कि वह 1 रुपए महीना लेकर अपनी सेवाएं देंगे, लेकिन विवादों के बाद उन्हें हटा दिया गया था। उसके बाद विनोद घई को पंजाब का एडवोकेट जनरल बनाया गया था।

राजस्थान मतदाता सूची : पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के 80 हजार वोट बढ़े

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में निर्वाचन विभाग की ओर से मतदाता सूचियों के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत राज्य के सभी 200 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन करने के बाद मतदाताओं की तस्वीर साफ हो गई है। इस विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 6 लाख 96 हजार 424 मतदाताओं की बढ़ोतरी हुई है। इसमें पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के 80 हजार वोट बढ़े हैं, जबकि जेंडर रेश्यो 917 से बढ़कर अब 921 हो गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में मतदाता सूचियों के इस विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 6 लाख 96 हजार 424 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। अंतिम प्रकाशन की तिथि तक राज्य में कुल 5 करोड़ 26 लाख 80 हजार 545 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें से 2 करोड़ 73 लाख 58 हजार 627 पुरुष एवं 2 करोड़ 51 लाख 79 हजार 422 महिला मतदाता सम्मिलित हैं। पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान निर्धारित अवधि में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रारूप-6 में कुल 10 लाख 92 हजार 358 आवेदन पत्र एवं प्रारूप-7 में विलोपन के लिए 3 लाख 95 हजार 934 आवेदन पत्र स्वीकार हुए। इस क्रम में राज्य की सभी विधानसभा क्षेत्रों में कुल 6 लाख 96 हजार 424 मतदाताओं की वृद्धि हुई है जो कि 1.27 प्रतिशत है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत अंतिम रूप से प्रकाशित मतदाता सूची में 80 वर्ष से अधिक आयु के कुल 11.78 लाख मतदाता, 100 वर्ष से अधिक आयु के कुल 17241 मतदाता पंजीकृत हैं। इसी प्रकार कुल 5.61 लाख विशेष योग्यजन मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में पंजीकृत इन मतदाताओं को निर्वाचन के समय होम वोटिंग के रूप में पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान की सुविधा का विकल्प प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान महिलाओं, ट्रांसजेंडरों, पीवीटीजी (विषेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों) आदि वर्गों के पंजीकरण को बढ़ाने के लिए विषेष शिविरों का आयोजन कर इन्हें मतदाता सूची में जोड़ा गया। इस क्रम में 20 सितंबर 2023 को विषेष रूप से नवविवाहित महिलाओं के पंजीकरण के लिए सभी जिलों में विशेष शिविर आयोजित किए गए, जिसके अंतर्गत कुल 32 हजार 247 नवविवाहित महिलाओं का पंजीकरण किया गया। अंतिम प्रकाशन की तिथि को राज्य में कुल 606 ट्रांसजेंडर मतदाता एवं 77 हजार 343 पीवीटीजी मतदाता पंजीकृत है। गुप्ता ने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि में 27 अगस्त, 2023 एवं 10 सितम्बर, 2023 को सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के प्रत्येक मतदान केंद्र पर विशेष शिविर आयोजित कर दावे एवं आपत्तियों के आवेदन पत्र प्राप्त किए गए। पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान अधिक ध्यान ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की ओर दिया गया। इसके लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं बूथ लेवल अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया तथा मतदाता साक्षरता क्लबों आदि के माध्यम से आम नागरिकों को जानकारी दी गई। मुख्य निवार्चन अधिकारी ने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूचियों में मृत/स्थानान्तरित मतदाताओं के नाम विलोपित कर मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण किया गया जिससे मतदाता-जनसंख्या अनुपात अंतिम प्रकाशन के दौरान 650 हो गया है, जो कि प्रारूप प्रकाशन की तिथि को 640 था। इसी प्रकार लिंगानुपात अंतिम प्रकाशन के दौरान 920 हो गया है जो प्रारूप प्रकाशन के दौरान 917 था। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्रों के पुनर्गठन एवं सुव्यवस्थिकरण प्रक्रिया में भारत निर्वाचन आयोग से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद राज्य में 601 मतदान केंद्रों का नवसृजन एवं 32 मतदान केंद्रों का समायोजन किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 569 मतदान केंद्रों की शुद्ध वृद्धि हुई है। पुनर्गठन उपरान्त राज्य में मतदान केंद्रों की संख्या 51 हजार 187 से ब ?कर 51 हजार 756 हो गई है। वहीं जीर्ण-शीर्ण होने एवं एएमएफ सुविधाओं के अभाव वाले 427 मतदान केंद्रों का भवन परिवर्तन किया गया। गौरतलब है कि 2018 के आम विधानसभा चुनावों में प्रदेश मे 4 करोड़ 77 लाख 89 हजार मतदाता थे। इनमें 2 करोड़ 49 लाख 61 हजार महिलाएं और 2 करोड़ 28 लाख 27 हजार महिला मतदाता थे।

अलवर में आप पार्टी ने सांसद संजय की गिरफ्तारी के विरोध में राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

अलवर (हिंस)। राज्यसभा सांसद संजय की ईडी गिरफ्तारी के खिलाफ एडीएम को राष्ट्रपति के नाम आम आदमी पार्टी ने ज्ञापन सौंपा। उसके बाद पार्टी कार्यालय पर प्रेस कांफ्रेंस की। मीडिया प्रभारी प्रवक्ता शरद मिश्रा के अनुसार केंद्र मे बैठी भाजपा सरकार जो सिर्फ बिजनेसमैन अडानी जैसे व्यापारियों के लिए सोचती और करती है और जो देशभक्त जनता के प्रतिनिधी इनसे जब सवाल करते है तो उन्हें सरकारी एजेंसियों ईडी और सीबीआई के द्वारा झूठे कैसे मे फंसाकर जेल मे बंद कर देते है और जब अजित पवार जैसे नेता ,भाजपा मे शामिल हो जाते है तो उनके खिलाफ सारे कैस रातों रात हट जाते है। लेकिन जब जनता के लिए काम करने वाले मनीष सिसौदिया, संजय सिंह जैसे जन सेवक इनकी बात मान ने से मना करते है तो उन्हें झूठे कैस मे फंसाकर परेशान किया जाता है। जगन्नाथ गोयल ने कहा आम आदमी पार्टी का हर एक कार्यकर्ता देशभक्त और कट्टर ईमानदार है जिन्हें कोई ईडी तोड़ नहीं सकती। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष अमित गुप्ता, लोकसभा सचिव जगन्नाथ गोयल, जिला अध्यक्ष महेंद्र यादव, उपाध्यक्ष अमित यादव, दिव्यंदु शर्मा, ब्लॉक इंचार्ज मनोज आदि शामिल थे।

राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में शामिल हुए हरियाणा विस अध्यक्ष

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने अफ्रीकी देश घाना के शहर अकरा में आयोजित 66वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में *ई-संसद : पारस्परिक विविधता और न्यायसंगत सार्वजनिक सहभागिता के लिए एक प्रभावी तंत्र* और *शक्तियों के पृथक्करण पर लैटिमर हाउस सिद्धांतों के 20 वर्ष* विषयों पर व्याख्यान दिए। सम्मेलन में सीपीए कार्यकारी समिति सीपीए के नौ क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हैं। इनमें अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटिश द्वीप एवं भूमध्य सागर, कनाडा, कैरेबियन-अमेरिका एवं अटलांटिक, भारत, प्रशांत क्षेत्र और दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र शामिल हैं। यह 6 अक्तूबर तक चलेगा। हरियाणा की ओर से विस उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा और सचिव राजेंद्र कुमार नांदल भी इस सम्मेलन में शामिल हुए। सम्मेलन में भारतीय समयानुसार बुधवार रात विधान पालिका, कार्यपालिका और न्याय पालिका के बीच शक्तियों के बंटवारा निर्धारित करने वाले लैटिमर हाउस सिद्धांतों के क्रियान्यवन पर गहन चर्चा हुई। गुप्ता ने कहा कि शक्तियों के बंटवारे की जो अवधारणा वर्ष 2005 में राष्ट्रमंडल का हिस्सा बनी, भारत में उस पर 1950 से ही कार्य हो रहा है। यह सिद्धांत भारतीय संविधान के मूल में हैं। उन्होंने कहा कि भारत में तीनों अंगों में शक्तियों का बंटवारा इस प्रकार है कि ये एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप किए बिना भी एक दूसरे के लिए पूरक की भूमिका निभाते हैं। भारतीय संविधान में स्वतंत्र न्यायपालिका की गारंटी सुनिश्चित करते हुए विधान पालिका, कार्य पालिका और न्याय पालिका के बीच शक्तियों का बंटवारा किया गया है। इसको स्पष्ट करने के लिए उन्होंने भारतीय संविधान के 8 अनुच्छेदों का भी जिक्र किया।

केंद्र सरकार ऐसे कदम न उठाए, जिसका खामियाजा कल उन्हें भुगतना पड़े : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर (हिंस)। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष और सांसद फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि वह ऐसे कदम न उठाए, जिसका खामियाजा कल उन्हें भुगतना पड़े। उन्होंने राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की गिरफ्तारी पर कहा कि वे सरकार के कई कृत्यों के खिलाफ संसद में बहुत मुखर रहे हैं, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा है। फारूक अब्दुल्ला ने श्रीनगर में संवाददाताओं से कहा कि संजय सिंह सरकार के कई कृत्यों के खिलाफ संसद में बहुत मुखर रहे हैं और जिसका उन्होंने विरोध किया। मेरा मानना है कि एक ऐसे विधायक को गिरफ्तार करना गलत है, जो पूरी तरह से पाक-साफ है। उसे सिर्फ इसलिए सलाखों के पीछे डाल दिया गया, क्योंकि उसने कुछ सवालों के जवाब नहीं दिए। उन्होंने कहा कि आप किसी प्रश्न का उत्तर न देने पर किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं कर सकते हैं। यदि आपके पास उसके खिलाफ कुछ है, तो उसे अदालत में ले जाएं। उन्होंने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और सभी को बोलने का अधिकार हैं। उन्होंने कहा कि भगवान के लिए ऐसे कार्य न करो, जो कल तुम्हें भुगतने पड़ें। आप हर रोज सत्ता में नहीं रहेंगे। एक दिन यह आप पर प्रहार करने वाला है। उस दिन के बारे में सोचो। रविंदर रैना के इस बयान पर कि अगर विपक्ष को संविधान और लोकतांत्रिक संस्थानों की इतनी ही चिंता थी, तो उन्होंने पहले शहरी स्थानीय निकायों का बहिष्कार क्यों किया, एनसी अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा प्रमुख ने बिना समझे बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि जब पंचायत चुनाव हुए थे तो हमने हिस्सा नहीं लिया था। मुझे इसका बहुत दुख है। इसे देखकर उन लोगों ने निर्णय लिया कि ऐसा नहीं करना चाहिए। हमने यह गलत किया, लेकिन हमने डीडीसी चुनावों में हिस्सा लिया। नेशनल कांफ्रेंस ने भले ही हिस्सा नहीं लिया हो, लेकिन उन अन्य पार्टियों का क्या जिन्होंने हिस्सा लिया। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हम अपने संवैधानिक अधिकारों की मांग कर रहे हैं, जो यूटी बनने के बाद से इस राज्य में निलंबित हैं। हम अपने संवैधानिक अधिकार मांग रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में विपक्षी दलों ने लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमले का आरोप लगाते हुए 10 अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। पं.प्रदीप मिश्रा ने कहा कि आज सनातन धर्म को चारों ओर से घेरा जा रहा है। भारत की पवित्र देव भूमि पर देवालय और शिवालय तोड़े जा रहे हैं। यह अधर्म पल में प्रलय कर सकता है। हमारे कर्मों के फल से ही भाग्य प्रबल होगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं कोटा के विधायक संदीप शर्मा ने इस धरती पर श्राद्ध पक्ष में शिव महापुराण कथा का लाभ देकर आम जनता को जो धर्मलाभ पहुंचाया है, उसका पुण्य अवश्य मिलेगा। विधायक संदीप शर्मा को भोलेनाथ ने सनातन धर्म की रक्षा करने का अवसर दिया है, वे आगे भी ऐसा कर्म करते रहें। लोकसभा अध्यक्ष व कोटा-बूंदी के सांसद ओम बिरला ने कहा कि इस विराट शिवमहापुराण कथा ने लाखों भक्तों को जोड़कर कोटा में हमारा विशाल शिव परिवार बना दिया है। कोटा नीलकंठ महादेव और चार चौमा महादेव की धरती है। हमारा संकल्प है कि शिव आराधना के लिए कोटा शहर में अगले वर्ष महादेव की महाप्रतिमा स्थापित की जाएगी। जिसका अभिषेक करने के लिए पं. प्रदीप मिश्रा को फिर से कोटा आने का आमंत्रण दिया। ऐसे वातावरण से शहर के घर-घर में हर-हर महादेव की गूंज सुनाई देने लगी है। यही आस्था, संस्कृति, आध्यात्म की प्रवृत्ति देश में सनातम धर्म को नई उंचाइयों तक ले जाएगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर कथा समाप्ति के बाद दशहरा मैदान में उपस्थित हजारों शिव भक्तों ने शांतिपूर्वक महाप्रसादी ग्रहण की। कथा आयोजक विधायक संदीप शर्मा एवं उनकी पत्नी गीता शर्मा ने लाखों भक्तों के साथ शिव महाआरती कर कथा को सफल बनाने के लिए सभी भक्तों का आभार जताया।

बच्चों व युवाओं को सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ना सिखाएं : दत्तात्रेय

चंडीगढ़(हिंस)। बच्चों और युवाओं को सभी प्रकार की सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन के लिए प्रशिक्षित कर तैयार करें, ताकि वे देश और समाज से कुरीतियों का खात्मा करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकें। यह विचार हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने व्यक्त किए। वे गुरुवार को यहां हरियाणा राजभवन में प्रादेशिक भारत स्काउट्स एवं गाइड्स आउंसिल के तत्वावधान में आयोजित 43वीं वार्षिक बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर बंडारू दत्तात्रेय ने संगठन के राष्ट्र के नव-निर्माण के लिए अनुशासन एवं मानवता से परिपूर्ण किए जा रहे नेक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि गत वर्षों की भांति इन वर्षों में भी इस राज्य स्तरीय संस्था को स्काउट एवं गाइड की श्रेष्ठतम गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सोलह पुरस्कारों से नवाजा गया है। राज्यपाल ने संगठन के पदाधिकारियों, विभिन्न जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला मौलिक अधिकारियों, बेस्ट स्काउट्स एवं गाइड्स, कब्स् एवं बुलबुल,

रोवर-रैंजर्स एवं ट्रेनरों को सम्मानित करने के साथ-साथ स्काउट्स एवं गाइड्स के क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले बच्चों को भी सम्मानित व प्रशंस्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के 170 अवार्ड से लोगों को सम्मानित किया गया। इनमें एसएस कौशल, भूतपूर्व अवैतनिक राज्य सचिव एवं प्रो. डॉ. राकेश कुमार गुप्ता, कोधाध्यक्ष को उनकी विशिष्ठ सेवाओं के लिए लाइफटाइम अचीवमैंट अवार्ड से नवाजा गया। जिला फरीदाबाद, भिवानी, सिरसा, यमुनानगर, पलवल को ओवरआल शील्ड देकर सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने अमनीत पी कुमार, आयुक्त एवं सचिव महिला एवं बाल कल्याण विभाग हरियाणा, राज्यपाल सचिव अतुल द्विवेदी, मनीराम शर्मा, श्रम आयुक्त, हरियाणा तथा मुख्यमंत्री हरियाणा के ओएसडी नरेंद्र पाल मलिक को वारंट आफ अपाइंटमेंट अवार्ड से सम्मानित किया। राज्यपाल हरियाणा ने संस्था की गौरवमय उत्कृष्ट उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्काउट्स और यूनिट लीडरों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली जम्बूरियों, जो अमेरिका और दक्षिण कोरिया में आयोजित हुई, जिसमें बढ़-चढ़कर भाग लेकर हरियाणा राज्य का विदेशों में भी मान बढ़ाया। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की गई 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी, राजस्थान व अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक जम्बूरी, कर्नाटक में हमारे राज्य के प्रतिभागियों ने दूसरे सबसे बड़े दल के रूप मे भाग लेकर बाईस अवार्ड प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। बैठक के अंत में मुख्यमंत्री हरियाणा के ओएसडी नरेंद्र पाल मलिक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भाजपा मुख्यालय पर आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

जयपुर(हिंस)। राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में गुरुवार को आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने राजधानी जयपुर समेत प्रदेश के सभी जिलों में प्रदर्शन किया। जयपुर में आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भाजपा प्रदेश मुख्यालय की ओर बढ़े लेकिन पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हुई। पुलिस कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर विद्याधर नगर थाने ले गई। जहां से थोड़ी देर बाद उनको छोड़ दिया गया। प्रदर्शन के बाद आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एडीएम को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने कहा कि केंद्र सरकार की तानाशाही के खिलाफ बोलने और अडानी को लेकर लगातार पीएम मोदी के खिलाफ आवाज उठाने की वजह से केंद्र सरकार संजय सिंह की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। लेकिन संजय सिंह आम आदमी पार्टी के मजबूत इरादों वाले सिपाही हैं जो केंद्र की मोदी सरकार के सामने न तो झुके हैं और न ही झुकेंगे। उन्होंने कहा कि अजीत पवार, हिमंता बिस्वा सरमा समेत तमाम भ्रष्ट नेताओं को अपने दल में समेटे हुए भाजपा आम आदमी पार्टी के ईमानदार नेताओं पर भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाकर उन्हें परेशान कर रही है। अगर मोदी सच में भ्रष्टाचार के खिलाफ हैं तो फिर बताएं कि अभी तक भाजपा के कितने बड़े नेताओं के घर पर ईडी और सीबीआई की रेड पड़ी है ? कितने भ्रष्ट नेताओं को भाजपा ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया ? केंद्र की मोदी सरकार के पास इन सवालों का जवाब नहीं है क्योंकि भाजपा ने हमेशा भ्रष्टाचारियों को पनाह देने का काम किया है। भाजपा का चाल,चरित्र और चेहरा जनता के सामने आ चुका है इसलिए केंद्र की मोदी सरकार आम आदमी पार्टी से घबराकर उनके नेताओं के खिलाफ लगातार षड्यंत्र रच रही है। केंद्र की मोदी सरकार ये भूल रही है कि उनकी ये तानाशाही अब ज्यादा दिन नहीं चलेगी देश की जनता इतिहास की सबसे भ्रष्टतम मोदी सरकार और भाजपा को इसका जवाब आगामी चुनावों में जरूरी देगी।

वॉकिंग के दौरान भी जूतों से कर सकेंगे अपने मोबाइल को चार्ज

फरीदाबाद (हिंस)। श्रीराम मॉडल स्कूल के बच्चों के द्वारा जूतों से मोबाईल चार्ज करने वाले चार्जर का आविष्कार किया है। इसके लिए पुलिस कमिश्नर राकेश आर्य ने वैष्णवी शर्मा व शगुन पंवार (12वीं साइंस), अदिति घड़िया (11वीं साइंस) कक्षा की छात्राओं की हौसला अफजाई करते हुए की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी है। इस प्रोजेक्ट को स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ. अमृता ज्योति के मार्गदर्शन तथा पीजीटी (फिजिक्स टीचर) नवीन जोशी की देख रेख में तैयार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि श्रीराम मॉडल स्कूल, सेक्टर -21, फरीदाबाद की 11वीं साइंस कक्षा की छात्रा अदिति, 12वीं साइंस कक्षा की छात्रा वैष्णवी शर्मा व शगुन पंवार के द्वारा प्रोजक्ट को 26 सितंबर को तैयार करना शुरु किया गया था जिसको टीचर की मदद से 28 सितंबर को तैयार कर लिया गया है। बच्चो ने पुलिस आयुक्त को बताया कि यह विचार उनको आर्मी में, फिल्ड में नौकरी करने वाले व जिन स्थानों पर बिजली आसानी से उपलब्ध नहीं होती उनकी सुविधा को देखते हुए आया है। कई बार

हम जब बहार जाते है तो हमें कोई इलेक्ट्रिकसिटी का पोर्ट नहीं मिलता, कई बार एसे स्थानों पर जाना पड़ता है यहां लाईट नहीं होती है। इन सब को देखते हुए इस प्रोजक्ट को बनाया गया है। इस प्रोजक्ट को जूतो के साथ कनेक्ट किया गया है। इस प्रोजक्ट को स्मार्ट शूज ममें पिएजो चिप लगी है, जोकि लोगों का चलते समय पड़ने वाले भार मतलब प्रेशर पड़ने पर इलेक्ट्रिक एनर्जी में कन्वर्ट करता है। इसमें वोल्टेज का बूस्ट करने के लिए ब्रिज रेक्टिफायर और वोल्टेज बूस्टर का प्रयोग किया है।

जीवन में दुख आए तो समझ लेना महादेव आपको जिताना चाहते हैं : पं.प्रदीप मिश्रा

कोटा (हिंस)। श्राद्ध पक्ष में आयोजित पंचदिवसीय शिव महापुराण कथा में अलौकिक कथावाचक आचार्य पं. प्रदीप मिश्रा ने भक्ति ज्ञान का अमृत मंथन कर लाखों श्रद्धालुओं को महादेव भोलेबाबा की दिव्य भक्ति और शक्ति से जोड़ दिया। चारों ओर शिवभक्तों से खचाखच भरे दशहरा मैदान में बाबा के जयकारों से आस्था का महासागर हिलौरें ले रहा था। कथावाचक आचार्य पंडित प्रदीप मिश्रा ने गुरुवार को अंतिम सोपान में कहा कि भगवान शंकर देव नहीं महादेव हैं। उन्होंने विषपान करके सबको अमृत दिया है। धतूरे, आंकडे, कनेर के फूल जिसे कोई नहीं छूता है, दुनिया जिसे ठोकर मार देती है, महादेव उसे भी अपना लेते हैं। वो लेने वाला नहीं, देने वाला महादेव है। पं. मिश्रा ने कहा कि कोटा में हजारों बच्चे पढ़ाई के लिए बाहर से आते हैं। किसी टेस्ट, परीक्षा या इंटरव्यू में फेल हो जायें तो रोने लगते हैं, जीवन से हार जाते हैं। लेकिन घोड़े की दौड़ से सीख लेना। घोडे को नहीं

मालूम होता है कि मैं यहां जीत के लिए आया हूं। रेस में जब वह धीरे-धीरे दौड़ता है तो मालिक उसे चाबुक मारकर तेज दौड़ाता है। कष्ट पाकर भी वह दौड़ के अंत में सबसे आगे निकल जाता है। विद्यार्थियों, तुम्हें भी जीवन में कोई दुख आये, असफलता आये तो समझ लेना महादेव तुम्हें जिताना चाहते हैं। यदि राम वन में तपस्या नहीं करते तो राम नहीं बन पाते। कृष्ण पर भी बाधाओं के पहाड़ टूटे हैं। बचपन में मां से बिछोह हुआ, कारागृह में रहे, माखनचोर कहलाये, मामा से भी तकलीफें उठाई लेकिन कृष्ण ने गीता उपदेश देकर भक्तों को अच्छे कर्म करके जीना सिखाया है। एक प्रसंग सुनाते हुए आचार्य पं. मिश्रा ने कहा कि एक बार शिव ने गणेश व कार्तिकेय से कहा, बहुत प्यास लगी है, जल लेकर आओ। गणेश बोले, आपके सिर पर तो गंगा है। फिर भी गणेश चूहे को लेकर आगे बढ़े। जगह-जगह कुआ खोदा लेकिन जल नहीं निकला। उधर, कार्तिकेय एक ही जगह कुए को गहरा करते गए। मोर ने कहा, प्रभू अभी कुछ ओर गहरा करो, जल अवश्य निकलेगा। अंत में कार्तिकेय जल लेकर शिव के पास पहुंच ही गए। भक्तों, जीवन में हम बहुत जल्द हार मान लेते हैं। आपकी निरंतर मेहनत, कर्म और मनोबल के साथ एक लौटा जल आपको अंत में जीत अवश्य दिलायेगा। इसलिये हमें जगह-जगह भटकने से कुड नहीं मिलेगा। *मुझे तेरा ही सहारा है... भोले बाबा* यह भरोसा लेकर रोज शिव की पूजा करोगे तो शिव आपको खाली हाथ नहीं जाने देगा।

जीएसटी परिषद की 52वीं बैठक शनिवार को, क्या शराब उद्योग और मिलेट्स पर बड़ा फैसला होगा

नई दिल्ली ।
जीएसटी परिषद की 52वीं बैठक शनिवार को होगी। ऐसे बात पर चर्चा शुरू हो गई हे कि इस बार की बैठक में जीएसटी परिषद कौन-कौन से बदलाव का फैसला लेगी। सूत्रों के अनुसार इस बार जीएसटी परिषद की बैठक के बाद लिकर कंपनियों को अच्छी खबर मिलेगी।

जानकारी के अनुसार इस बार की बैठक में मोलासेस पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत किया जा सकता है। मोलासेस एक तरह का गुड़ शीरा है यह गन्ने या चुकंदर का रस निकालने के दौरान निकलता है। इसे फर्मेंट करके लिकर या शराब तैयार की जाती है। रम इसी तरीके से बनाया गया लिकर है।

इस बार की जीएसटी परिषद की मीटिंग में ईवी बैटरी, बीमा कंपनियों और मिलेट्स पर लगने वाले दरों पर भी बड़ा फैसला लिया जा सकता है। जीएसटी परिषद की फिटमेंट कमिटी की ओर से मिलेट्स पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत करने की सिफारिश की गई है। मिलेट्स से बने आटे को खुले में बेचने पर कोई जीएसटी चार्ज नहीं करने की बात कही गई है।

फिटमेंट कमिटी ने ऐसा प्रावधान करने की सिफारिश की है कि अगर आप प्री-पैकेज्ड मिलेट्स बेच रहे हैं तो आपको 18 फीसदी जीएसटी देना होगा, वहीं अगर इन अनाजों का आटा भेज रहे हैं तो इसके लिए 12 फीसदी जीएसटी देय होगा।

फिटमेंट कमिटी की ओर से ईवी पर जीएसटी कटौती की मांग नहीं मानी गई है। ईवी उद्योग की ओर से ईवी बैटरी पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने की मांग की गई थी।

इस पर कमिटी ने तर्क दिया कि ईवी बैटरी का इस्तेमाल सिर्फ बस और गाड़ियों में नहीं होता मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक सामनों में भी होता है ऐसे में जीएसटी दर घटाने की सिफारिश मानने योग्य नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

पीएम की अपील के बाद लोगों ने जमकर खरीदे खादी उत्पाद, एक दिन की बिक्री डेढ़ करोड़ रुपये के पार पहुंची

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन में 1.52 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री पर खुशी जताई और कहा कि देश भर में हाथ से बुने कपड़े की खरीद दिखाती है कि यह किस तरह जनभावना का प्रतीक बन गया है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, देश भर में हमारे परिवार के सदस्यों द्वारा खादी की खरीद का नया रिकॉर्ड दिखाता है कि यह किस तरह जनभावना का सशक्त प्रतीक बन गया है। मुझे विश्वास है कि खादी के प्रति यह प्रेम हर दिन नए कीर्तिमान रचता रहेगा, जो आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को नई ताकत देगा। प्रधानमंत्री ने 24 सितंबर को अपने मन की बात कार्यक्रम के दौरान लोगों से गांधी जयंती पर खादी खरीदने का आग्रह किया था। इसी का नतीजा है कि कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन में एक ही दिन में 1.52 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री हुई। वहीं खादी इंडिया ने एक्स पर लिखा, पूज्य बापू की विरासत खादी के संरक्षक और नए भारत के आधुनिक खादी के निर्माता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 सितंबर को मन की बात कार्यक्रम में गांधी जयंती पर लोगों से खादी खरीदने की अपील की थी। नतीजतन, खादी के इतिहास में पहली बार, दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन में एक दिन में 1.52 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री हुई। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दिल्ली के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की खरीद में एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। बयान में कहा गया है, गांधी जयंती के अवसर पर नयी दिल्ली के मध्य में स्थित कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन में अब तक के सर्वाधिक 1,52,45,000 रुपये मूल्य के खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री हुई। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष मनोज कुमार ने गांधी जयंती पर गांधी जी की विरासत खादी की अभूतपूर्व बिक्री का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रांड पावर और जनता के बीच उनकी अभूतपूर्व लोकप्रियता को दिया। बयान में कहा गया है कि बिक्री के ताजा आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में गांधी जयंती के दिन दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन में 1,33,95,000 रुपये की बिक्री हुई थी, इस बार यह 1,52,45,000 रुपये के आंकड़े पर पहुंच गई है। गांधी जयंती के अवसर पर पहले ग्राहक के रूप में केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने दो अक्टूबर की सुबह कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन में खादी के कपड़े खरीदे और यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान किया। केवीआईसी के चेयरमैन के मुताबिक, पीएम मोदी कई मौकों पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खादी के उत्पाद खरीदने की अपील कर चुके हैं।

सोना और चांदी की कीमतों में तेजी, सोने का वायदा भाव 56,800 और चांदी का 67,500 रुपए

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कीमती धातुओं में तेजी होने की वजह से देश के सराफा बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में गुरुवार को सुधार देखने को मिल रहा है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव सुधरकर 67,500 रुपए के करीब और सोने के वायदा भाव 56,800 रुपए के करीब कारोबार कर रहे थे। एमसीएक्स पर सोने का दिसंबर कॉन्टेक्ट 104 रुपए की तेजी के साथ 56,825 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 158 रुपए की तेजी के साथ 56,879 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 56,880 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 56,825 रुपए के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी तेजी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्टेक्ट 565 रुपए की तेजी के साथ 67,450 रुपए पर खुला। फिलहाल यह कॉन्टेक्ट 592 रुपए की तेजी के साथ 67,477 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसने 67,539 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 67,357 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कॉमेक्स पर सोना 1837.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद प्राइस 1834.80 डॉलर था। फिलहाल यह 7.90 डॉलर की तेजी के साथ 1842.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 21.18 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद प्राइस 21.14 डॉलर था। फिलहाल यह 0.22 डॉलर की तेजी के साथ 21.37 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

देश में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर सितंबर में 13 साल के उच्चतम स्तर पर, पीएमआई के आंकड़ों में खुलासा

नई दिल्ली ।
मजबूत मांग के बीच नए कारोबार में तेज वृद्धि से सितंबर में देश में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 13 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अगस्त में 60.1 से बढ़कर सितंबर में 61 हो गया, जो उत्पादन में तेज वृद्धि का संकेत है। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का सूचकांक विस्तार को दर्शाता है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। यह सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों के पैनल को भेजी गई प्रश्नावली के जवाब से तैयार किया गया है। नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय सेवा प्रदाताओं के साथ नए व्यवसाय में काफी वृद्धि हुई है, जो जून 2010 के बाद से दूसरा सबसे तेज था।
पीएमआई के नवीनतम परिणाम सेवा क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक खबर लाया

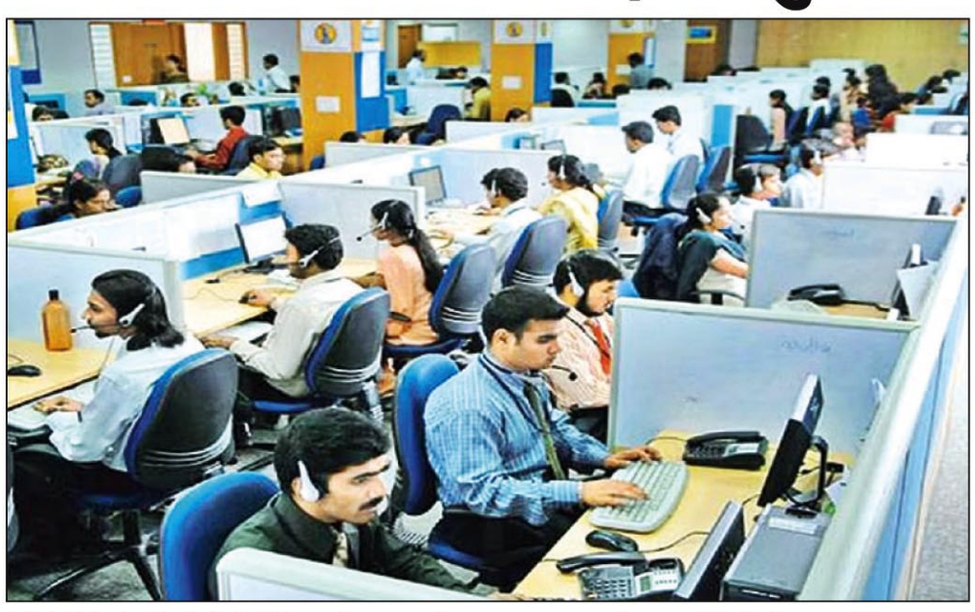

कुल बिक्री में वृद्धि के अलावा, फर्मों ने विदेशों से मांग में वृद्धि देखी, विशेष रूप से एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका में स्थित ग्राहकों से। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की सहायक निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, पीएमआई के नवीनतम परिणाम भारत की सेवा क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के लिए अधिक सकारात्मक खबर लेकर आए हैं, सितंबर में व्यावसायिक गतिविधि और नए काम की संख्या 13 वर्षों में सबसे बड़ी सीमा तक बढ़ी है।

कारोबार के मूड में सुधार के साथ रोजगार सृजन जारी

सर्वेक्षण के अनुसार, आने वाले वर्ष के लिए बाजार की गतिशीलता और उत्साहजनक मांग का अनुमान लगाने के साथ दृष्टिकोण और विश्वास में सुधार हुआ है। सकारात्मक भावना का स्तर नौ वर्षों से अधिक समय के लिए अपने उच्चतम स्तर पर था। मांग में तेजी के कारण आने वाले वर्ष के बारे में कारोबारी आशावाद में तेजी से सेवा क्षेत्र में और वृद्धि का संकेत मिलता है। कारोबार के मूड में सुधार के साथ रोजगार सृजन जारी रहा। उन्होंने कहा, लागत का दबाव कम होकर ढाई साल के निचले स्तर पर आ जाने से सेवा शुल्क में नरमी आई है। लीमा ने कहा, हालांकि बाद में संकेत मिलता है कि निकट भविष्य में उत्पादन मूल्य मुद्रास्फीति में नरमी आ सकती है, लेकिन अल नी ओ के कारण खाद्य कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव को लेकर चिंता ओं का मतलब है कि आरबीआई द्वारा अगले साल की शुरुआत तक दरों में कटौती की संभावना नहीं है।

आरबीआई गवर्नर कल करेंगे एमपीसी के फैसले का एलान

आरबीआई गवर्नर की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने अपनी तीन दिवसीय बैठक शुरू की। गवर्नर शक्तिकांत दास शुक्रवार (6 अक्टूबर) को फैसले की घोषणा करेंगे। इस बीच, एसएंडपी ग्लोबल इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स अगस्त में 60.9 से बढ़कर पिछले महीने 61 हो गया। सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारतीय वस्तुओं और सेवाओं की बढ़ती मांग ने सितंबर में 13 से अधिक वर्षों में कुल नए कारोबार में दूसरी सबसे तेज वृद्धि को रेखांकित किया।

महंगाई बढ़ने के बावजूद जमकर खर्च करेंगे लोग, ऑफलाइन तरीके से खरीदारी पर रहेगा जोर; रिपोर्ट

नई दिल्ली ।
महंगाई बढ़ने के बाद भी इस बार त्योहारी सीजन में जमकर खरीदारी होगी ।लोग पिछले साल के मुकाबले इस वर्ष अधिक खर्च करने के लिएतैयार हैं ।खास बात है कि इस त्योहारी सीजन में ज्यादातर लोगों ने स्थानीय बाजारों और ऑफलाइन तरीके से खरीदारी की योजना बनाईहै।

ब्रोकिंग एवं बैंकिंग कंपनी यूबीएस ने एक सर्वे रिपोर्ट में कहा कि 70 फीसदी भारतीयों ने पिछले साल की तुलना में इस त्योहारी सीजन अधिक खर्च करने की योजना बनाईहै ।वहीं, 18 फीसदी लोगों का कहना है कि वे इस बार भी उतना ही खर्च करेंगे, जितना पिछले साल त्योहारी सीजन में किया था। हालांकि, सर्वे में शामिल सिर्फ 11 फीसदी लोगों ने ही इस बार कम खर्च करने की बात कही है ।उनका कहना है कि महंगाईलगातार बढ़ रही हैं ।जीवनयापन और अन्य की लागत में बढ़ोतरी हुईहै, जबकि इनकी तुलना में आय में कोईइजाफा नहीं हुआहै।

वाहनों-घरेलू सामानों पर होगा खर्च - रिपोर्ट के अनुसार, इस साल त्योहारों में बहुत सारे ग्राहक स्मार्टफोन, दोपहिया वाहन और कारों पर खर्च करना चाहते हैं। इसके साथ ही, एसी, टीवी, रेफ्रिजरेटर और लैपटॉप खरीदना भी कुछ लोगों की मुख्य प्राथमिकता है। त्योहारी सीजन में आमतौर पर इलेक्ट्रॉनिक सामानों की ज्यादा खरीदारी होती है। लेकिन, इस बार लोगों की योजनाओं में बदलाव दिख रहा है और वे खर्च के बजाय सोने व संपत्तियों जैसे साधनों में निवेश करना चाहते हैं।

डिजिटल भुगतान करने के रुझान में पहले से गिरावट - यूबीएस ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि दिलचस्प बात यह है कि पहले की तुलना में डिजिटल भुगतान के प्रति लोगों का झुकाव कम हुआहै और नकदी लेनदेन पर भरोसा बढ़ा है ।रिपोर्ट के मुताबिक, डिजिटल भुगतान के प्रति झुकाव पहले के 71 फीसदी से घटकर 58 फीसदी रह गया है ।नकदी भुगतान करने वालों की संख्या 27 प्रतिशत से बढ़कर 35 फीसदी पहुंच गईहै।

महंगाई से बजट 6 फीसदी बढ़ा : खर्च करने के इच्छुक लोगों के लिए ज्यादा महंगाई बड़ी चिंता रही है। सर्वे के अनुसार, करीब 60 फीसदी लोगों ने कहा कि पिछले एक-दो वर्षों में उन्हें खरीदी पर 6 फीसदी ज्यादा खर्च करना पड़ा है। इस समय महंगाई दर 6.8 फीसदी है।

खाद्य और आपूर्ति मंत्री रथिन घोष के आवास ईडी की छापेमारी, 12 अन्य इलाकों में तलाशी अभियान जारी

कोलकाता ।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के खाद्य और आपूर्ति मंत्री रथिन घोष के आवास समेत कई अन्य इलाकों में छापेमारी की। यह छापेमारी प्रदेश में नगर निकायों द्वारा की गई भर्तियों में अनियमितता की जांच के तहत की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि सुबह के करीब 6: 10 बजे केंद्रीय बलों की एक बड़ी टुकड़ी उत्तरी 24 परगना में रथिन घोष के आवास पर पहुंची।

इस मामले के तहत जांचकर्ता 12 अलग-अलग इलाकों में भी तलाशी के लिए पहुंचे। हालांकि, यह मालूम नहीं चल पाया है कि छापेमारी के दौरान रथिन घोष अपने आवास में मौजूद थे या नहीं। ईडी ने 2014 से लेकर 2018 तक राज्य के विभिन्न नगर निकायों द्वारा लगभग 1500 लोगों को अवैध रूप से भर्ती कराने का आरोप लगाया है।

रथिन घोष के आवास पर ईडी की छापेमारी को लेकर भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा, अदालत के निर्देश पर कुछ अध्यक्ष और बंगाल सरकार में मंत्री रथिन घोष के आवास पर श्वष्ठ की छापेमारी चल रही है। छापेमारी खत्म होने के बाद ही पता चलेगा कि क्या सबूत मिले और क्या रिकवरी हुई।

उत्तर 24 परगना जिले में टीटागढ़ नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष प्रशांत चौधरी के आवास पर भी ईडी की छापेमारी जारी है। यह रेड टीटागढ़ नगर पालिका में भर्ती में कथित भ्रष्टाचार के मामले में की जा रही है।

अनेक बैंकों ने बदली एफडी की ब्याज दरें,अब कितना मिलेगा लाभ

नई दिल्ली ।
देश के कई प्राइवेट बैंकों ने मौद्रिक नीति के फैसले आने से पहले एफडी ब्याज दरों में बदलाव कर दिया है। 6 अक्टूबर 2023 को आरबीआई मौद्रिक नीति समिति समीक्षा बैठक का फैसला सुनाया जाएगा। पिछले तीन बैठकों में रेपो रेट को स्थिर रखने का फैसला लिया गया है।

बैंक ऑफ इंडिया

बैंक ऑफ इंडिया ने 2 करोड़ से कम के एफडी के ब्याज दरों को रिवाइज किया है। अब 7 दिनों से लेकर 10 साल तक के एफडी पर 3 फीसदी से 7.25 फीसदी तक का इंटरेस्ट मिलेगा। वहीं वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह ब्याज दरें 3.5 फीसदी से 7.75 फीसदी है। यह दरें 1 अक्टूबर 2023 से लागू हो गया है।

पंजाब एंड सिंध बैंक

पंजाब एंड सिंध बैंक ने 7 दिन से 10 साल तक के एफडी पर 2.80 फीसदी और 7.40 फीसदी का ब्याज दर मिलता है। यह दरें 1 अक्टूबर 2023 से लागू हो गया है। बैंक ने 2 करोड़ से कम के एफडी के इंटरेस्ट रेट को रिवाइज किया है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने 7 दिन से 10 साल तक एक सावधि जमा ब्याज दर में बदलाव किया है। नई ब्याज दरें 2 करोड़ से कम के एफडी पर लागू हो गया है। यह दरें 1 अक्टूबर 2023 से लागू हो गया है। अब नई ब्याज दरें 3 फीसदी से 7.50 फीसदी है।

इंडसइंड बैंक

इंडसइंड बैंक ने 2 करोड़ के एफडी में 7 दिन से 10 साल के इंटरेस्ट रेट के लिए 3.50 फीसदी से 7.85 फीसदी के बीच मिल रहा है। वहीं सीनियर सिटीजन को 8.25 फीसदी की उच्चतम ब्याज दरें मिल रही है। यह दरें 1 अक्टूबर 2023 से लागू हो गई है।

कर्नाटक बैंक

कर्नाटक बैंक ने 7 दिन से 10 साल की एफडी की ब्याज दरें 3.50 फीसदी से 7.25 फीसदी के मिल रही है। यह दरें 1 अक्टूबर 2023 से लागू हो गया है। बैंक ने 2 करोड़ के एफडी के इंटरेस्ट रेट को रिवाइज किया है।

अब तक सरकार ने 12.21 लाख टन खरीफ धान खरीदा, ई-निलामी के जरिये बेचा गेहूं-चावल

नई दिल्ली।
खाद्य मंत्रालय के अनुसार सरकार ने धान की खरीद शुरू कर दी है। अब तक किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर लगभग 12.21 लाख टन अनाज खरीदा जा चुका है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि तमिलनाडु, पंजाब और हरियाणा में 99,675 किसानों से एमएसपी पर 2,689.77 करोड़ रुपये का धान खरीदा गया है।

इस वर्ष थोड़े अधिक क्षेत्रफल 411.96 लाख हेक्टेयर में बोए गए खरीफ धान की कटाई पिछले सप्ताह शुरू हुई।

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्य एजेंसियों ने बफर स्टॉक बनाने के साथ-साथ किसानों के हितों की रक्षा के लिए एमएसपी पर खरीद शुरू की है। मंत्रालय ने चालू सीजन में 521.27 लाख टन की खरीद का लक्ष्य रखा है, जबकि एक साल पहले के सीजन में वास्तविक खरीद 496 लाख टन थी।

ई-नीलामी में बेचा गेहूं और चावल

राज्य के स्वामित्व वाली भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने आयोजित 15वीं साप्ताहिक ई-नीलामी में आटा मिलों जैसे थोक उपभोक्ताओं को 1.89 लाख टन गेहूं और केवल 5,000 टन चावल बेचा। घरेलू उपलब्धता में सुधार और खुदरा कीमतों को कम करने के लिए थोक उपयोगकर्ताओं को खुले बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत गेहूं और चावल बेचे जा रहे हैं।

खाद्य मंत्रालय के अनुसार 4 अक्टूबर को आयोजित साप्ताहिक ई-नीलामी में 2.01 लाख टन की पेशकश के मुकाबले लगभग 1.89 लाख टन गेहूं बेचा गया। हालाँकि, एफसीआई को ओएमएसएस के तहत चावल की साप्ताहिक ई-नीलामी के लिए फीकी प्रतिक्रिया मिलती रही और व्यापारियों ने 4.87 लाख टन की पेशकश के मुकाबले केवल 5,000 टन अनाज खरीदा।

ई-नीलामी के दौरान 2,255 बोलीदाताओं को गेहूं और चावल बेचे गए। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, गेहूं और चावल दोनों के लिए लगभग 2,447 सूचीबद्ध खरीदारों ने भाग लिया।

पूरे भारत में चावल के लिए भारित औसत बिक्री मूल्य 2,932.91 रुपये प्रति क्विंटल था, जबकि आरक्षित मूल्य 2,932.83 रुपये प्रति क्विंटल था। मंत्रालय ने कहा कि छोटे व्यापारियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए ई-नीलामी में छोटी मात्रा की पेशकश की जा रही है।

पुराने रिलेशनशिप को लेकर रवीना ने बच्चों से कुछ नही छुपाया

-एक्ट्रेस बोली-आज नहीं तो कल उन्हें पता चलना ही था

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में बालीवु एक्ट्रेस रवीना टंडन ने बताया कि अपने पुराने रिलेशनशिप को लेकर उन्होंने बच्चों से कुछ भी नहीं छुपाया है। हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान रवीना टंडन ने कहा कि मेरे बच्चों को मेरे पास्ट रिलेशनशिप के बारे में सब पता है। मैंने उनसे कुछ भी नहीं छुपाया है। आज नहीं तो कल उन्हें ये पता चलना ही था। उस जमाने में जिस तरह की हमारी मीडिया हुआ करती थी, हो सकता था कि वह इससे भी बदतर कुछ पढ़ते। एक्ट्रेस ने आगे कहा, पहले और अब की मीडिया में बहुत अंतर आ चुका है। पहले येलो जर्नलिज्म बहुत हुआ करता था। उस जमाने में बिना किसी सबूत के मीडिया कुछ भी लिख देती थी। जो सेलेब्स एडिटर्स की चापलूसी करते थे, मीडिया उनके बारे में अच्छा लिखा करती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब सोशल मीडिया की वजह से सारी सच्चाई दुनिया के सामने हैं। 90 दशक की मैगजीन्स में मेरे बारे में काफी कुछ गलत लिखा जा चुका है। मैंने कई बार इसपर सवाल भी उठाया है। वहीं रवीना टंडन की लव लाइफ की बात करें तो एक्ट्रेस काफी लंबे समय तक एक्टर अक्षय कुमार को डेट कर चुकी हैं। दोनों की सगाई भी हो चुकी थी, लेकिन बाद में दोनों अलग हो गए थे। लाइफ में शिल्पा शेट्टी की एंट्री के बाद अक्षय ने रवीना से रिश्ता खत्म कर लिया था। एक्टर से मिले धोखे के बाद रवीना बुरी तरह से टूट गई थीं। एक्ट्रेस रवीना टंडन गुजरे जमाने की एक मशहूर एक्ट्रेस हैं। एक जमाना था जब बी-टाउन की गलियारों में अक्षय कुमार और रवीना के अफेयर के खूब चर्चे थे।

सलमान खान ने हिंदी सिनेमा में किए 35 साल पूरे, एक्शन बनी पहली पसंद

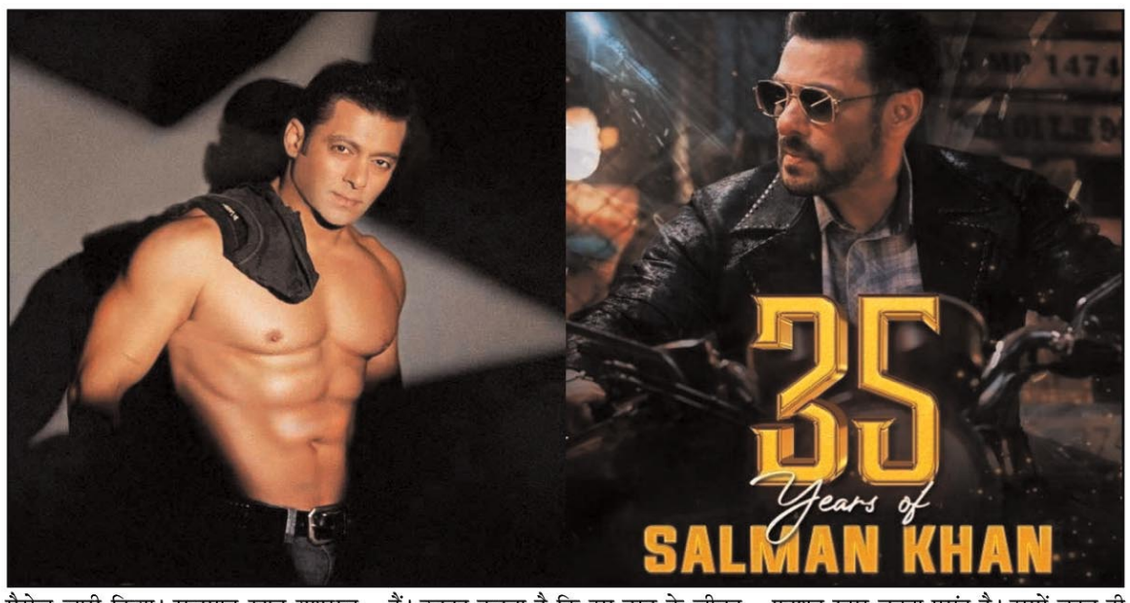

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने हिंदी सिनेमा में 35 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने अदाकारी के हर मिनिट को अपने लिए खास बताते हुए एक्शन को पहली पसंद चुना है। सलमान खान का कहना है कि उन्हें लार्जर दैन लाइफ एक्शन स्टार बनना पसंद है। सलमान ने कहा कि जिन लोगों ने मुझे मेरे डेब्यू के बाद से प्यार किया है, उन्होंने सोशल मीडिया पर मुझे एहसास कराया कि मैंने सिनेमा में 35 साल पूरे कर लिए हैं! यह मेरे लिए एक बहुत ही खास पल है, पुरानी यादें, प्यार, खुशी और उस दर्द से भरा हुआ जब चीजें प्लान के अनुसार नहीं हुईं। लेकिन मुझे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी यात्रा का हर मिनट पसंद आया। उन्होंने आगे कहा कि टाइगर 3 की रिलीज के साथ इसका जश्न मनाते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है! मुझे पता है कि मेरे प्रशंसक मुझे एक्शन करते हुए देखना पसंद करते हैं और मुझे उम्मीद है कि टाइगर 3 एक परफेक्ट गिफ्ट है जिसका वे इंतजार कर रहे है! सलमान टाइगर 3 के पहले वीडियो एसेट टाइगर का मैसेज को मिली प्रतिक्रिया से बेहद खुश हैं। गौरतलब है कि यशराज फिल्म्स ने पिछले हफ्ते टाइगर का मैसेज जारी किया। सलमान खान यशराज फिल्म्स की टाइगर 3 में सुपर एजेंट टाइगर उर्फ अविनाश सिंह राठौड़ के रूप में अपनी भूमिका को दोहराने के लिए वापस आ गए हैं। उनका कहना है कि इस तरह के जीवन से भी बड़े किरदार निभाना बेहद ही मजेदार है। सलमान ने कहा कि मुझे एक्शन शैली बहुत अधिक पसंद है, मुझे लार्जर दैन लाइफ एक्शन स्टार बनना पसंद है। इसमें बहुत ही अधिक मजा आता है! मुझे बड़े एक्शन शो करना पसंद है और टाइगर 3 जितना बड़ा हो सकता है उतना बड़ा है।

स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई तो प्रियंका ने ठुकराई फिल्म जी ले जरा

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा को साल 2021 में अनाउंस हुई मोस्ट अवेडेट फिल्म जी ले जरा की स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई तो उन्होंने इस फिल्म को ठुकरा दिया था। हालांकि इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था, लेकिन फिर 2023 में एक खबर आई, जिसने फैंस को निराश कर दिया। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म को डेट इश्यू की वजह से टाल दिया गया है। फरहान अख्तर ने भी इस खबर की पुष्टि कर दी थी। मगर अब वजह कुछ और ही सामने आ रही है। अब कहा जा रहा है कि प्रियंका को फिल्म की स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई थी, इसलिए मूवी टाली गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म टलने की वजह प्रियंका चोपड़ा हैं। उन्हें जी ले जरा की स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई, जिसकी वजह से एक्ट्रेस ने फिल्म में काम करने से मना कर दिया। प्रियंका अपनी बहन परिणीति चोपड़ा की शादी के लिए भारत आने वाली थी और लगे हाथ फिल्म भी साइन करने वाली थी, लेकिन क्रिएटिव डिफ्रेंसेस की वजह से बात नहीं बनी। बताया जा रहा है कि प्रियंका चोपड़ा के इनकार करने के बाद अब फरहान अख्तर को अपनी फिल्म को बनाने में और समय लगने वाला है। अब वह कहानी को नए ढंग से पेश करेंगे, क्योंकि कहानी थोड़ी पुरानी हो गई है। फिल्म को लेकर पहले ही काफी देरी हो चुकी है। इसलिए मेकर्स फिल्म की कहानी इंट्रेस्टिंग बनाने पर काम कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार फिल्म को फ्लोर पर आने में दो साल का और वक्त लग सकता है। एक्टर-डायरेक्टर फरहान अख्तर ने कहा था कि हॉलीवुड में अभिनेताओं की हड़ताल की वजह प्रियंका चोपड़ा डेट को लेकर थोड़ा उलझन में हैं।

सोनम ने ग्लोबल इवेंट में बिखेरा जलवा

ग्लोबल फैशन आइकन और बॉलीवुड स्टार सोनम कपूर ने फैरेल विलियम्स, कोलंबियाई गायन सनसनी करोल जी, मॉडल और उद्यमी एमिली रतजकोव्स्की, यंग सिंगिंग सेंसेशन ट्रॉय सिवन, ब्रिटिश अभिनेत्री फ्लोरेंस पुघ, अशर,नाओमी कैंपबेल, जेरेड लेटो आदि जैसे दुनिया में फैशन के सर्वश्रेष्ठ नामों के साथ एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति दी। सोनम ने रिजॉर्ट 2024 कलेक्शन से नेकलाइन पर मूंगा अलंकरण के साथ एक शानदार सफेद वैलेंटिनो गाउन में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उनकी उपस्थिति भारत से एक बेजोड़ और सर्वसम्मति से मान्यता प्राप्त ग्लोबल फैशन आइकन के रूप में उनकी स्थिति का प्रमाण है।बता दें कि, सोनम अगले साले से शुरू होने वाले दो प्रोजेक्ट्स में दिखाई देंगी, जिनमें से एक बैटल फॉर बिटोरा है और दूसरे को अभी तक गुप्त रखा गया है।

विषपान प्रेरक कोल्डड्रिंक के लिए संग्राम सिंह ने छोड़ा करोड़ों का एड

मुंबई (ईएमएस)। बिग बॉस के बाद संग्राम सिंह ने ज्यादा कुछ ग्लैमर प्रोजेक्ट नहीं किया है। संग्राम ने इंडस्ट्री में आने से पहले ही डूज और डोंट तय कर लिया है। हालांकि इसका खामियाजा उन्हें कई बड़े प्रोजेक्ट्स से हाथ गंवाकर भुगतना पड़ता है। संग्राम कहते हैं, मेरी प्राथमिकताएं तय है। मैंने कसम खाई है कि मैं कोई निगेटिव रोल नहीं करुंगा। मैं एक रेसलर हूं, जिससे रोजी-रोटी चलती है। मैं यूथ को इससे ही मोटिवेट करता हूं। सरकारी स्कूल पढ़कर आज मार्केटिंग कॉलेज से लेकर हावर्ड जाकर युवाओं को मोटीवेट के लिए सलाह देता हूं कि अवसर मिलने पर एक्सप्लोर जरूर करें, लेकिन डिग्नीटी से हटकर नहीं। संग्राम आगे कहते हैं, मेरी कभी भी कथनी और करनी में अंतर नहीं रहा है। मुझे याद है जब मेरे अकाउंट में केवल 60 रुपये थे, उसी दौरान एक कोल्डड्रिंक कंपनी ने ढाई करोड़ का ऑफर देते हुए अपने ब्रांड को प्रमोट करने का प्रस्ताव दिया। लेकिन मैंने वो ऑफर इसलिए ठुकरा दिया कि किसी नन्हें बच्चों को विषपान के लिए प्रेरित करने के लिए मेरा जमीर अनुमति नहीं देता। उन्होंने कहा मान लो दो बच्चे मुझे फॉलो कर कोल्डड्रिंक पी भी लेते हैं, तो बेचैन हो जाऊंगा, लगेगा मैंने उन्हें जहर पीने के लिए कहा है। मैंने ब्रांच मैनेजर के प्रपोजल पर असहमति व्यक्त करते हुए कहा कि रात को अगर सुकून से सोना हो, तो दिनभर ईमानदार रहना पड़ता है। इस तथ्य पर कंपनी ने बड़े नामों का उदाहरण देते हुए कहा कि तुम आखिर होते कौन हो, ये बड़े नाम कर रहे हैं। मैंने हंसते हुए जवाब दिया था, अरे सही है। घर का पैसा घर में ही रह जाएगा। हालांकि मैंने चुटकी लेते हुए उनसे ये भी कहा कि मैं ये फ्री में करने को तैयार हूं, बस शर्त यही है कि आप इसे टॉयलेट क्लीनर के रूप में प्रस्तुत करने को कहें। सच कहूं, तो मेरे घर में जब भी कोल्डड्रिंक आती है, तो उससे टॉयलेट साफ ही होता है। मैं न ही चाय कॉफी पीता हूं, लोग अगर ऑफर करते हैं, तो मैं यही कहता हूं कि मैं बीमार नहीं, मुझे इसके बजाए पानी दे दोगे, तो मुझे अधिक प्रसन्नता होगी। इतना ही नहीं कई बड़ी फिल्मों को भी संग्राम रिजेक्ट कर चुके हैं। संग्राम कहते हैं, मुझे तो फिल्मों के निगेटिव किरदारों से भी परहेज है। मैंने कई सुपरस्टारर फिल्मों को अस्वीकार किया है। मेरी कोशिश रही है कि मैं सोशल मेसेज देकर लोगों के बीच उदाहरण बनूं। मुझे फिल्म दंगल के एक सीन में कुश्ती हारना था। इस पर इसलिए असहमत हुआ कि इससे मेरे चाहने वालों में गलत संदेश जाएगा। एक और बड़े सुपरस्टार की फिल्म में टेररिस्ट बनने को कहा गया था, जिसे भी अस्वीकार कर दिया था।

इंटरनेट पर छाईं बेला हदीद की दिलकश तस्वीरें

बीते शुक्रवार हॉलीवुड एक्ट्रेस बेला हदीद ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ थ्रोबैक तस्वीरें शेयर की, जो इंटरनेट पर आते ही आग की तरह फैल गईं। फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। अपलोड की गई ट्रॉपिकल थ्रोबैक तस्वीरों में बेला हदीद फिगर-हगिंग मिनीड्रेस में अपनी बोल्डनेस फ्लॉन्ट कर रही हैं। ऑफ शोल्डर बेली कट ड्रेस में एक्ट्रेस का किलर फिगर देखने को मिल रहा है। न्यूड मेकअप और खुले बालों से उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है। बैक नॉटिड ड्रेस में दिलकश पोज देते हुए वह अपना बैक फ्लॉन्ट कर रही हैं। काम की बात करें तो बेला हदीद को आखिरी बार टीवी सीरीज

रामी में देखा गया था। बता दें कि बेला हदीद सोशल मीडिया पर खासी एक्टिव रहती हैं और अपनी बोल्ड तस्वीरें अक्सर फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं।

बॉक्स ऑफिस पर कंगना की फिल्म चंद्रमुखी 2 की आय ढलान पर

मुंबई (ईएमएस)। बॉक्स ऑफिस पर आगे बढ़ने की पूरी कोशिश कर रही कंगना रनोट की फिल्म चंद्रमुखी 2 को रिलीज हुए एक हफ्ते होने को हैं। हालांकि, बिजनेस के मामले में चंद्रमुखी 2 पीछे चल रही है। चंद्रमुखी 2 में कंगना रनोट के साथ लीड रोल में राघव लॉरेंस हैं। फिल्म का हिंदी से ज्यादा साउथ में दबदबा है, क्योंकि ओरिजिनल फिल्म में साउथ स्टार्स ने लीड रोल प्ले किया था। चंद्रमुखी 2 ने रिलीज के दिन ठीक-ठाक शुरूआती की। वहीं, अब आगे बढ़ने के लिए फिल्म को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। यहां तक कि चंद्रमुखी 2 अब तक 50 करोड़ का करीब भी नहीं पहुंच पाई, जबकि इसके साथ रिलीज हुई फुकरे3 5 दिनों में अपेक्षित व्यवसाय कर 50 करोड़ की आय अर्जित कर ली। 28 सितंबर को रिलीज हुई चंद्रमुखी 2 ने ओपनिंग डे पर सवा आठ करोड़ का बिजनेस किया था। इसके बाद तो वीकेंड होने के बावजूद फिल्म का कलेक्शन लुढ़कता चला गया। सोमवार तक चंद्रमुखी 2 ने 4 से 6 करोड़ के बीच बिजनेस किया। वहीं, मंगलवार को बिजनेस में और गिरावट आई। चंद्रमुखी 2 के बीते दिन के कलेक्शन की ओर नजर डाले तो शुरूआती आकड़ों के अनुसार, फिल्म ने ज्यादा अच्छा बिजनेस नहीं किया।

सूत्रों के मुताबिक, चंद्रमुखी 2 ने 3 अक्टूबर को महज 2 करोड़ रुपये कमाए। इसके साथ ही रिलीज के 6 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का लाइफटाइम नेट कलेक्शन 31 करोड़ पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि चंद्रमुखी 2 तमिल की ब्लॉकबस्टर हॉरर कॉमेडी फिल्म चंद्रमुखी का सीक्वल है। ओरिजिनल फिल्म में रजनीकांत और ज्योतिका ने मुख्य भूमिका निभाई थी। चंद्रमुखी 2 पहले 15 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन तकनीकी दिक्कतों के कारण रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया। बीच में ये भी खबर आई कि शायद चंद्रमुखी 2 हिंदी में रिलीज न हो, लेकिन अंत में मेकर्स ने सारी अफवाहों को दूर करते हुए फिल्म की रिलीज का एलान कर दिया। चंद्रमुखी 2 का म्यूजिक ऑस्कर विनर एम एम कीरावानी ने तैयार किया है।

परिवार संग क्वालिटी टाइम बिता रही प्रियंका चोपडा

आजकल अंतर्राष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अमेरिका में अपने परिवार संग क्वालिटी टाइम बिता रही हैं। बीती रात पीसी को पति निक जोनस के साथ डेट नाइट पर स्पॉट किया गया, जहां से उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि प्रियंका और निक की जोड़ी एक साथ बेहद खूबसूरत लग रही है। इस दौरान प्रियंका का ऑल ब्लैक लुक देखने को मिल रहा है। ब्लैक कलर के वनपीस के साथ उन्होंने मैचिंग कलर के बूट्स पहने हैं। इसके साथ ही ब्लैक कोट भी कैरी किया है। वहीं, निक जोनस का भी इस दौरान बेहद कूल लुक देखने को मिल रहा है। फोटोज में निक ब्राउन कलर की शर्ट के साथ ग्रे जींस पहने परफेक्ट दिख रहे हैं। एक दूजे के हाथों में हाथ थामे निकयांका की केमिस्ट्री देखते ही बन रही है।

'कॉफी विद करण' का आठवां सीजन 26 अक्टूबर से शुरू होगा, नया टीजर जारी

करण जौहर बॉलीवुड के लोकप्रिय निर्देशक और निमार्ता के रूप में जाने जाते हैं। वह कई सालों से कॉफी विद करण शो को होस्ट कर रहे हैं। उनके शो में कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज आते हैं और करण के कई सवालों के जवाब देते हैं। करण के इस पॉपुलर शो का आठवां सीजन 26 अक्टूबर से शुरू होगा। करण ने हाल ही में कॉफी विद करण सीजन-8 का नया टीजर जारी किया है।

करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर टीजर शेयर कर कॉफी विद करण सीजन-8 की घोषणा की। यह सेलिब्रिटी टॉक शो 26 अक्टूबर से ओटीटी प्लेटफॉर्म हॉटस्टार पर प्रसारित किया जाएगा। यह शो 26 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसके हर हफ्ते अलग-अलग एपिसोड प्रसारित होंगे। हर कोई इस बात को लेकर उत्सुक है कि करण के नए सीजन की पहली जोड़ी कौन होगी। पिछली बार सातवें सीजन को आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की जोड़ी के साथ लॉन्च किया गया था। टीजर देखने के बाद फैंस कॉफी विद करण सीजन-8 को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस साल कॉफी विद करण में सिद्धार्थ-कियारा, तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा, आदित्य-अनन्या के शामिल होने की संभावना है।

सूडोकु नवताल- 6574

कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6573 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्दजाल - 7321

म	क	मु	ग	ल	दो	चो	र	म	ल	ध
ल	वि	ल	नी	ला	आ	का	श	ह	श	ड़
ल	अ	ल	म	दी	छ	स	आ	दे	ख	क
का	स	न	न	दि	वा	स	रा	ल	श	क
र	आ	दो	प	ल	ज	मे	तू	ग	झ	न
या	क	द	र	ढ़	व	उ	शी	ण	ल्ता	क
ती	या	ल	मी	गां	प	मो	व	सु	जू	बै
क	म	ऊ	रा	द	खा	क	या	ए	श	क
क	त	मे	प	र्द	गी	जि	री	औ	प	य
क	गॉ	ल	प	लि	र	त	ऐ	ओ	प	की
क	ड	रा	जा	जा	नी	स	व्य	ब	प	न

शब्द जाल में धर्मेंद्र की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीच एवं तिरछे भी हैं.

अनपढ़, नीला आकाश, मेरा गांव मेरा देश, खामोशी, यकीन, दो चोर, ललकार, राजा जानी, रजिया सुल्तान, कयामत.

शब्दजाल - 7320 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6274

2	1			6	5	4
	22	7	38		41	
3		1	2		6	
	32		30	3	35	2
6		2	5			7
4	32	5	30	2	24	
	3					6

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6273 का हल

2	1	3	6	4	7	5
1	26	7	41	6	38	6
7	1	4	6	5	2	3
4	34	5	33	1	25	2
6	5	2	3	7	4	1
5	32	6	29	3	34	4
3	4	1	5	2	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूकासल यूनाइटेड ने एम्बाप्पे की पीएसजी को 4-1 से हराया, डैन और सीन ने दागे गोल

न्यूकैसल । चैंपियंस लीग में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। न्यूकासल यूनाइटेड ने स्टार खिलाड़ियों से भरी पीएसजी की टीम को 4-1 से हरा दिया। न्यूकासल यूनाइटेड के लिए एम. अलमिरोन, डी. जलाना, एस लॉन्गस्टाफ, एफ शार ने गोल दागे। वहीं, पीएसजी के लिए एकमात्र गोल एल हर्नांडेज ने किया। न्यूकासल यूनाइटेड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 20 वर्षों में अपने पहले चैंपियंस लीग घरेलू मैच में फ्रांस की चैंपियन टीम पेरिस सेंट जर्मेन पर 4-1 से शानदार जीत हासिल की। न्यूकासल ने मिगुएल अल्मिरोन के गोल से 17 वें मिनट में बढ़त हासिल की, इसके बाद डैन बर्न ने ब्रेक से छह मिनट पहले हेडर के जरिए न्यूकासल की बढ़त को दोगुना कर दिया। सीन लॉन्गस्टाफ ने दूसरे हाफ में गोल कर अपनी टीम की जीत लगभग तय कर दी। लुकास हर्नांडेज ने 56वें मिनट में गोल कर मैच में अपनी टीम की वापसी कराने की कोशिश की, लेकिन उनके अलावा पीएसजी का कोई भी खिलाड़ी गोल नहीं कर पाया। फैबियन शार ने अतिरिक्त समय में गोल कर स्कोर 4-1 कर दिया, जो कि निर्णायक साबित हुआ। इस जीत ने न्यूकासल को चार अंकों के साथ ग्रुप एफ में शीर्ष पर पहुंचा दिया। सितंबर 2004 में चेल्सी के खिलाफ 3-0 से हारने के बाद पीएसजी को चैंपियंस लीग में ग्रुप स्टेज में अपनी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा और मार्च 2001 में डेपोर्टिवो ला कोरुना से 3-4 की हार के बाद पहली बार प्रतियोगिता में एकल ग्रुप गेम में चार हार का सामना करना पड़ा। एसजी ने इस सत्र में लीग 1 में घरेलू स्तर पर आगे बढ़ने के लिए संघर्ष करते हुए न्यूकैसल की यात्रा की, जबकि चैंपियंस लीग में इंग्लिश टीमों के साथ अपने पिछले सात मुकाबलों में पांच हार का निराशाजनक रिकॉर्ड भी कायम किया। इस मैच में पीएसजी की टीम शुरुआत से ही लय में नहीं दिख रही थी। पीएसजी के खिलाड़ियों के शॉट गोल पोस्ट में नहीं जा रहे थे। वहीं, न्यूकासल धीरे-धीरे खेल में आगे बढ़ता गया। अल्मिरोन ने 17वें मिनट में पहला गोल किया और 39वें मिनट में बर्न ने दूसरा गोल किया। हालांकि, लंबी वीएआर समीक्षा के बाद उन्हें यह गोल मिला। पहले हाफ में 2-0 की बढ़त लेने के बाद भी न्यूकासल की टीम रुकी नहीं। लॉन्गस्टाफ ने 50वें मिनट में गोल कर टीम की बढ़त 3-0 कर दी। हर्नान्डेज के गोल ने भरोसा दिलाया कि पीएसजी की टीम वापसी कर सकती है, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। अंत में शार ने अतिरिक्त समय में गोल किया और अपनी टीम की यादगार जीत में योगदान दिया।

न्यूज ब्रीफ

स्टार फुटबॉल खिलाड़ी की पत्नी ने कथित अफेयर पर खुलकर की बात, उसे सबसे मुश्किल समय बताया

नई दिल्ली । इंग्लैंड मशहूर फुटबॉलर डेविड बेकहम पर बनी डॉक्यूमेंट्री रिलीज के लिए तैयार है। इस डॉक्यूमेंट्री में बेकहम के पेशेवर मोर्चे, निजी जीवन और विक्टोरिया बैकहम के साथ उनके संबंधों में उतार-चढ़ाव के बारे में भी दिखाया गया है। डॉक्यूमेंट्री में विक्टोरिया और डेविड ने बेकहम की पूर्व निजी सहायक रेबेका लूस के साथ अफेयर की अफवाहों पर भी बात की है। डेविड बेकहम की निजी सहायिका के पद से हटाए जाने के बाद लूस ने दावा किया था कि उनका और डेविड का चार महीने तक अफेयर था, जबकि विक्टोरिया उनकी पत्नी थीं और उन्होंने तलाक नहीं लिया था। डॉक्यू-सीरीज में, डेविड बेकहम और पत्नी विक्टोरिया ने फुटबॉलर के रेबेका लूज के साथ कथित संबंध के बारे में खुलकर बात की। विक्टोरिया ने दावा किया कि उन्हें लगता है कि न सिर्फ दुनिया उनके खिलाफ है बल्कि वे एक-दूसरे के खिलाफ हैं। उन्होंने इसे एक बुरा सपना बताते हुए कहा, यह हमारे लिए सबसे कठिन दौर था क्योंकि ऐसा लग रहा था कि दुनिया हमारे खिलाफ है। और बात यह है कि अगर मैं पूरी तरह से ईमानदार रहूं तो हम एक-दूसरे के खिलाफ थे। मैड्रिड तक, कभी-कभी ऐसा लगता था कि हम हर किसी के खिलाफ हैं, लेकिन हम साथ थे, हम जुड़े हुए थे, हम एक-दूसरे के साथ थे। लेकिन जब हम स्पेन में थे, तो वास्तव में ऐसा महसूस नहीं हुआ कि हम एक-दूसरे के साथ हैं। और यह दुखद है। मैं आपको यह बता नहीं सकती कि यह कितना कठिन था। और इसका मुझ पर क्या प्रभाव पड़ा। उस दौर के बारे में बात करते हुए डेविड बेकहम ने कहा, विक्टोरिया मेरे लिए सब कुछ है। उनको दुखी होते देखना अविश्वसनीय रूप से कठिन था। लेकिन हम जुझारू हैं। और उस समय हमें एक-दूसरे के लिए लड़ने की जरूरत थी, हमें अपने परिवार के लिए लड़ने की जरूरत थी। और जो हमारे पास था वह लड़ने लायक था। उन्होंने कहा कि जब लूज के साथ उनके संबंधों को लेकर अफवाहें चरम पर थीं, तब वे न केवल एक-दूसरे को खो रहे थे बल्कि डूब रहे थे। टेलर स्विफ्ट के ट्रैविस केल्स को डेट करने की खबरों पर बेकहम ने कहा टेलर एक अद्भुत प्रतिभा है और वह एक अद्भुत इंसान है, और वह खुश रहने की हकदार हैं। वह जो भी करती है और जिसके साथ भी रहती है, जब तक वह खुश है, यह सबसे महत्वपूर्ण बात है। उन्होंने यह भी साझा किया कि लंबे समय तक चलने वाले रिश्तों में कुछ खास बात होती है। उन्होंने कहा, मेरे और विक्टोरिया के साथ भी ऐसा ही है। हम 26 साल, लगभग तीन दशकों से साथ हैं। हमारे पास बच्चे हैं, हमने व्यवसाय बनाया है, लेकिन हम एक-दूसरे के लिए समय निकालते हैं।

भड़कीले अंदाज में नजर आयी पूर्व टेनिस स्टार एशले

लंदन । पूर्व टेनिस स्टार एशले हर्कलेरोड भड़कीले अंदाज में नजर आयी हैं। 38 वर्षीय एशले सोशल मीडिया पर भड़कीले अंदाज में नजर आयी हैं। टेनिस खिलाड़ी से मॉडल बनी एशले ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर भेजी है। इसमें वह एक ऐसी टीशर्ट में नजर आ रही है जिसेस उनके एब्स भी दिखाई दे रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक छोटे हरे रंग का क्रॉप टॉप पहना था। फैंस ने उनकी तस्वीर देखकर तुरंत टिप्पणियां कीं। एक ने लिखा आप सबसे सुंदर हो तो दूसरे ने लिखा- सुपर वुमन। गौरतब है कि साल 2004 में भी एशले ने प्लेबॉय मैग्जीन के कवर पर जगह बनाई थी। वह सक्रिय खिलाड़ी होते हुए प्लेबॉय मैग्जीन के कवर पर जगह बनाने वाली पहली खिलाड़ी थी। उन्होंने कहा कि मैंने इसके बारे में काफी सोचा, मैं यह करना चाहती थी। मुझे अपने शरीर पर गर्व है और मैं एक एथलीट के शरीर को दिखा रही हूं यह काफी अहम है। मैं पहले भी यह कर चुकी हूं। एशले ने साल 2004 में टेनिस प्लेयर एलेक्स बोगोमोलोव जूनियर से शादी की थी जो 2 साल चली। फिर वह चक एडम्स को डेट करने लगी। 2009 में उन्होंने बेटे चार्ली को जन्म दिया जबकि 2011 में बेटी लॉरेट को। एशले ने साल 2003 में विश्व रैंकिंग में 39वां स्थान हासिल किया था जोकि उनकी सर्वोच्च रैंकिंग थी। फिलहाल वह सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। इंस्टाग्राम पर एशले के एक लाख से भी ज्यादा फॉलोअर हैं। वहीं फैन एप भी उनके फॉलोअर्स की संख्या काफी ज्यादा हैं।

भारतीय एथलीट्स के साथ बेईमानी पर उतरा चीन

पहले ज्योति और अब नीरज-जेना के साथ धोखेबाजी की कोशिश

हांगझोऊ । जिस तकनीक पर चीन को गुरूर था, हांगझोऊ एशियाई खेलों में उसी का मजाक उड़ रहा है। अब तक भारतीय एथलीट्स के साथ इन खेलों में तीन बार ऐसा हुआ है, जब तकनीकी खराबी या वहां मौजूद अधिकारियों की गड़बड़ी की वजह से फजीहत झेलनी पड़ी है। धाविका ज्योति याराजी से लेकर भाला फेंक के स्टार नीरज चोपड़ा और किशोर जेना तक के साथ चीनी अधिकारियों ने बेईमानी की कोशिश की, लेकिन भारतीय एथलीट्स के जुनून के आगे उनकी एक न चली। तीनों ने पदक जीते और चीनी अधिकारी और तकनीक को मुंहतोड़ जवाब दिया। याराजी के साथ तो चीन ने चालबाजी की कोशिश की थी। चीनी एथलीट की गलती पर याराजी को परेशान किया गया था, लेकिन याराजी के विरोध के बाद चीनी अधिकारियों ने जांच की तो पता चला कि याराजी सही थीं। उनका कांस्य बदलकर रजत किया गया। वहीं, नीरज को छह प्रयास की जगह सात बार थ्रो करवाया गया, क्योंकि चीनी अधिकारियों के मुताबिक कोई तकनीकी समस्या आ गई थी। इस पर भारतीय एथलीट्स ने नाराजगी जाहिर की है। खुद नीरज स्वर्ण जीतने के बाद नाराज दिखे और उन्होंने इस पर खुलकर बातचीत की। वहीं, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जॉर्ज, जो नीरज के मैच के दौरान मैदान में ही मौजूद थीं, नाराज दिखीं और उन्होंने इस मुद्दे को उठाया है।

उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया।

नीरज ने नाराजगी जताई

नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण जीतने के बाद कहा- मुझे नहीं पता कि उन्होंने मेरी पहली थ्रो की दूरी क्यों नहीं नापी। मेरे बाद हुई थ्रो की दूरी आई, लेकिन मेरी नहीं। मेरे साथ ऐसा किसी कंपटीशन में कभी नहीं हुआ। मुझे बताया गया कि यह अच्छी थ्रो थी, शायद 87-88 मीटर पर गई थी। अगर पहली थ्रो अच्छी लगती है तो एथलीट से दबाव हट जाता है। ज्योति के साथ भी गड़बड़ हुआ, जेना की दूसरी थ्रो फाउल दी गई। बाद में फैसला बदला गया। हालांकि मैं किशोर जेना के लिए बेहद खुश हैं।

अंजू बॉबी ने चीनी अधिकारियों पर निशाना साधा

वहीं, अंजू बॉबी ने कहा- चीनी ऑफिशियल्स जानबूझकर भारतीय एथलीटों को निशाना बना रहे हैं। वे धोखेबाजी कर हमारे एथलीटों को परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं। हमने नीरज से पहली थ्रो नहीं नापे जाने का विरोध करने को कहा। चीन में जीतना काफी कठिन है, लेकिन हमारे एथलीट, थ्रोअर, जंपर श्रेष्ठ हैं, इस लिए उन्हें परेशान किया जा रहा है।

भारतीय एथलीटों को परेशान करने के मामले

ज्योति याराजी - 100 मीटर बाधा दौड़ में ज्योति याराजी को फॉल्स स्टार्ट के लिए बाहर किया गया। उनके और एएफआई के विराध के बाद न सिर्फ वह खेलीं बल्कि उनका पदक कांस्य से रजत में बदला। बाद में चीन एथलेटिक्स संघ ने इसके लिए माफी मांगी। उस चीनी खिलाड़ी ने भी याराजी से माफी मांगी।

किशोर जेना - किशोर जेना की दूसरी थ्रो फाउल दी गई, जबकि ऐसा नहीं था। जेना के विरोध पर थोड़ी देर में यह फैसला बदल दिया गया। खुद नीरज जेना के समर्थन में और चीनी अधिकारियों के विरोध करने आगे आए। किशोर ने वहां मौजूद बाकी अधिकारियों से बात की। रिप्ले दिखा तो किशोर का थ्रो फाउल नहीं था। चीनी अधिकारी ने उसे सही प्रयास करार दिया।

नीरज चोपड़ा - नीरज चोपड़ा की पहली थ्रो बेहद शानदार रही, लेकिन इसकी दूरी नहीं नापी गई। बाद में उन्हें फिर से थ्रो लगाने को कहा गया, जबकि नीरज के बाद दूसरे थ्रोअरों की दूरी नापी गई। नीरज के पहले थ्रो को देखकर लग रहा था कि वह थ्रो तकरीबन 87+ मीटर की थी। हालांकि, दूरी नहीं नापी जा सकी। नीरज इसको लेकर वहां मौजूद अधिकारियों से मिले और बात भी की। उनसे बहस भी हुई, लेकिन अधिकारियों ने तकनीकी समस्या बताकर नीरज को फिर से थ्रो करने कहा। इसकी वजह से करीब 15 मिनट तक खेल रुका रहा। नीरज ने फिर थ्रो किया और चीनी अधिकारियों को मुंहतोड़ जवाब देते हुए स्वर्ण अपने नाम किया।

10 देशों के झंडे से सजेगा धर्मशाला स्टेडियम

वनडे वर्ल्ड कप के 5 मैचों की मेजबानी के लिए तैयार मैदान, पहला मुकाबला 7 अक्टूबर को

धर्मशाला । इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में क्रिकेट के महाकुंभ यानी आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप के मैचों से पहले दस देशों के झंडे बड़े पर्दों पर स्टेडियम में लगाए जा रहे हैं। स्टेडियम में मेजबान टीम भारत, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और नीदरलैंड्स को मिलाकर कुल 10 टीमों के देशों के झंडे लगाए जा रहे हैं। धर्मशाला स्टेडियम वनडे वर्ल्ड कप के 5 मैचों की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। पहला मैच 7 अक्टूबर को होगा। सचिव अवनीश परमार ने कहा कि सभी तैयारियां तय कार्यक्रम के अनुसार चल रही हैं। स्टेडियम में सुविधाएं बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। एचपीसीए ने राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को धर्मशाला में होने वाले मैच देखने के लिए निमंत्रण दिया है। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल की ओर से एचपीसीए के पदाधिकारी सुरेंद्र ठाकुर व अमिताभ शर्मा ने यह न्योता राज्यपाल को दिया। राज्यपाल 22 अक्टूबर को भारत व न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला देखने के लिए धर्मशाला जा सकते हैं। बांगलादेश व अफगानिस्तान के बीच मुकाबला 7 अक्टूबर को होना है, जबकि इंग्लैंड व बांगलादेश के बीच मुकाबला 10 अक्टूबर, दक्षिण अफ्रीका व नीदरलैंड्स के बीच मैच 17 अक्टूबर, भारत व न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला 22 अक्टूबर को और ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड के बीच मैच 28 अक्टूबर को होना है। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में पहाड़ों के बीच बना यह स्टेडियम दुनिया के सबसे सुंदर क्रिकेट मैदानों में से एक है। यह स्टेडियम पहाड़ियों पर भारत में सबसे ऊंची जगह में स्थित है। समुद्र तल से इसकी ऊंचाई 1457 मीटर है। यहां से क्रिकेट के साथ प्राकृतिक दृश्य भी बहुत मनमोहक होता है। 2003 में यह स्टेडियम बनकर तैयार हुआ था।

एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में चीन से हारी भारतीय महिला हॉकी टीम, अब कांस्य पदक के लिए खेलेगी

हांगझोऊ । एशियाई खेलों में भारतीय महिला हॉकी टीम सेमीफाइनल में मेजबान चीन के खिलाफ हार गई। चीन ने मैच को 4-0 के अंतर से अपने नाम किया। इस हार के साथ ही टीम इंडिया का लगातार दूसरी बार एशियाड के फाइनल में पहुंचने का सपना भी टूट गया। पिछली बार 2018 में जकार्ता एशियाई खेलों के दौरान खिताबी मुकाबले में जापान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय महिला टीम 1982 के बाद से स्वर्ण पदक नहीं जीत पाई है। अब उसका इंतजार और बढ़ गया है। 1998 में टीम इंडिया को दक्षिण कोरिया के खिलाफ फाइनल में हार मिली थी।

चीन के लिए पहला गोल जियाकी झोंग जियाकी और दूसरा गोल झोऊ मेइरोंग ने किया। तीसरा गोल उसके लिए लियांग मेइयू और चौथा गोल गू बिंगफेंग ने दागा। अब भारतीय टीम कांस्य पदक के लिए खेलेगी। सात अक्तूबर को उसका मुकाबला जापान या दक्षिण कोरिया से होगा।

चीन के खिलाफ भारत की 10वीं हार

चीन के खिलाफ महिला हॉकी में भारत की यह 10वीं हार है। दोनों के बीच यह 23वां मुकाबला था। टीम इंडिया ने 11 मैच जीते हैं, लेकिन आज वह सफलता हासिल नहीं कर सकी। दोनों टीमों के बीच अब तक दो मैच ड्रॉ हुए हैं।

ग्रुप दौर में एक भी मैच नहीं हारी थी टीम

ग्रुप दौर में भारतीय महिला टीम ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया था। उसने पहले मैच में सिंगापुर को 13-0 से हराया था। उसके बाद मलयेशिया के खिलाफ 6-0 से जीत हासिल की थी। दक्षिण कोरिया के खिलाफ तीसरा मैच 1-1 से ड्रॉ रहा था। इसके बाद हॉन्ग कॉन्ग पर 13-0 की बड़ी जीत हासिल की थी। भारतीय महिला टीम ने ग्रुप दौर में 33 गोल किए थे।

तारा शाहदेव धर्मांतरण मामले में सीबीआई विशेष अदालत ने तीन को दोषी ठहराया; पति को उम्रकैद

नई दिल्ली । तारा शाहदेव धर्मांतरण मामले में सीबीआई कोर्ट में गुरुवार को फैसला सुनाया। सीबीआई की विशेष अदालत ने तारा शाहदेव के पूर्व पति और सास समेत सभी तीन मुख्य आरोपियों को दोषी ठहराया। इसके साथ ही सजा की घोषणा की। सीबीआई कोर्ट ने दोषी रकीबुल उर्फ रंजीत कोहली को उम्रकैद की सजा सुनाई। उनकी मां कौसर रानी को दस साल की सजा सुनाई गई है। साजिश रचने के आरोपी हाईकोर्ट के तत्कालीन रजिस्ट्रार मुस्ताक अहमद को 15 साल कैद की सजा सुनाई गई है। 2017 में, सीबीआई ने राष्ट्रीय शूटर तारा शाहदेव मामले में आरोप पत्र दायर किया, जिस पर कथित तौर पर उसके पति द्वारा धर्म परिवर्तन करने का दबाव डाला गया था। तीनों दोषी (शाहदेव के पति रंजीत कोहली उर्फ रकीबुल हसन, उसकी मां कौशर रानी और मुस्ताक अहमद) न्यायिक हिरासत में हैं।

कोर्ट के फैसले के बाद तारा ने कहा मैं अदालत और सीबीआई को धन्यवाद देना चाहती हूं, जिन्होंने मुझे न्याय दिया। यह न्याय सिर्फ मेरे लिए नहीं है, देश की हर बेटी को यह विश्वास मिलेगा कि जो भी उनके साथ ऐसा करेगा उसे सजा मिलेगी। लोग किसी के साथ ऐसा व्यवहार करने से डरेंगे... जब मेरी लड़ाई शुरू हुई तो इसे घरेलू हिंसा का नाम दिया गया। लेकिन मेरी कोशिश थी कि किसी भी लड़की के साथ ऐसा न हो। लोग उस शब्द को बोलने से झिझकते थे। इस फैसले के बाद वे इसके खिलाफ खुलेआम सामने आएंगे। दोषी रसकिबुल हसन के वकील मुख्तार अहमद ने कहा इस मामले में तीन आरोपी हैं। रणजीत सिंह कोहली, मुश्ताक अहमद और कौशर रानी। कौशर रानी को धारा 376 के साथ 120 बी के तहत 10 साल की सजा हुई है। मुश्ताक अहमद को धारा 376 के तहत 15 साल की सजा हुई है। रणजीत सिंह कोहली को हिरासत मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा है। हम उस आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करेंगे और निश्चित रूप से, हमें वहां से राहत मिलेगी... यह पारिवारिक विवाद का मामला है, यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है... वे समाज में एक सम्मानित व्यक्ति हैं। हमें नहीं लगता कि यह इन लोगों के खिलाफ कुछ भी गंभीर है... हम उच्च न्यायालय जाएंगे। शाहदेव ने अपनी शिकायत में कहा था कि उसने सात जुलाई 2014 को हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार रंजीत कोहली उर्फ रकीबुल हसन से शादी की थी। लेकिन शादी के दूसरे दिन ही उसके पति और अहमद, जो उस समय रजिस्ट्रार के रूप में कार्यरत थे, के बीच अनबन शुरू हो गई थी। उसे अपना धर्म बदलने और निकाह करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। सीबीआई ने 2015 में जांच अपने हाथ में ली थी और दिल्ली में मामला दर्ज किया था। शाहदेव को क्रूरता के आधार पर जून 2018 में रांची की एक पारिवारिक अदालत ने तलाक दे दिया था। उसने अदालत में याचिका दायर की थी कि हसन ने उसके धर्म के बारे में गलत जानकारी दी थी और उसे शादी के लिए धोखा दिया था।

शिखर धवन का आयशा मुखर्जी से तलाक

कोर्ट ने माना- पत्नी ने मानसिक क्रूरता की; बेटे की कस्टडी पर अभी फैसला नहीं

नई दिल्ली । दिल्ली के एक फैमिली कोर्ट ने क्रिकेटर शिखर धवन को आयशा मुखर्जी से तलाक की मंजूरी दे दी। कोर्ट ने माना कि आयशा ने शिखर के साथ मानसिक क्रूरता की। कोर्ट ने तलाक याचिका में धवन के आरोपों को इस आधार पर मंजूरी दी कि आयशा ने या तो इनका विरोध नहीं किया या फिर वे खुद का बचाव करने में विफल रहीं। धवन उम्र में आयशा से दस साल छोटे हैं। जज हरीश कुमार ने माना कि आयशा ने धवन को बेटे से एक साल तक दूर रखकर उन्हें मानसिक यातना झेलने को मजबूर किया। हालांकि, कोर्ट ने बेटे की स्थायी कस्टडी पर फैसला नहीं दिया। धवन, भारत और ऑस्ट्रेलिया में बेटे के साथ जरूरी वक्त बिता सकते हैं। उससे वीडियो कॉल पर बात कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा, याचिकाकर्ता फेमस इंटरनेशनल खिलाड़ी और देश के लिए गौरव हैं। अगर वो भारत सरकार से मदद मांगें तो ऑस्ट्रेलिया सरकार से बेटे की कस्टडी या मुलाकात के अधिकार पर मदद की कोशिश की जानी चाहिए। धवन की याचिका के मुताबिक, आयशा ने पहले उनके साथ भारत आकर रहने की बात कही थी। हालांकि, बाद में वो अपने पूर्व पति से कमिटमेंट के चलते अपनी बात से पीछे हट गईं। पहली शादी से आयशा की दो बेटियां हैं। उन्होंने पूर्व पति से वादा किया था कि वे बेटियों को लेकर ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगी। कोर्ट ने इसे भी धवन का मानसिक उत्पीड़न माना। आयशा पर धवन के खिलाफ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सदस्यों और साथी खिलाड़ियों को अपमानजनक मैसेज भेजने का आरोप भी सही पाया। हालांकि, आयशा ने दावा किया था कि उन्होंने महज तीन लोगों को ऐसे मैसेज भेजे थे, लेकिन कोर्ट ने इसे मानने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने शिखर धवन के इस आरोप को भी सच पाया कि कोविड के दौरान जब वो पिता के साथ रहना चाहते थे तो आयशा ने काफी झगड़ा किया था। आयशा के खिलाफ यह भी आरोप सच पाया गया कि वो जब बेटे को लेकर भारत रहने आईं तो धवन को मजबूर किया कि उनकी दो बेटियों को महीने का खर्च भेजें। यहां तक कि उनके स्कूल की फीस भी धवन को ही चुकानी पड़ी। ऐसे में काफी समय तक धवन ने करीब 10 लाख रुपए हर महीने उन्हें भेजे। कोर्ट ने यह भी पाया कि आयशा ने जबरन दबाव बनाकर ऑस्ट्रेलिया में धवन की तीन संपत्तियों में 99 प्रतिशत मालिकाना हक हासिल कर लिया। साथ ही दो अन्य संपत्तियों में भी जॉइंट ओनर बन गईं। फेसबुक पर परवान चढ़ा था आयशा और धवन का प्यार ऑस्ट्रेलियन नागरिक आयशा का जन्म हिंदुस्तान में हुआ है। उनके पिता भारतीय हैं और उनकी मां ब्रिटिश मूल की हैं। शिखर से 10 साल बड़ी आयशा किक बॉक्सर हैं और नेशनल व इंटरनेशनल इवेंट में हिस्सा ले चुकी हैं। आयशा की पहली शादी एक ऑस्ट्रेलियाई बिजनेसमैन से हुई थी। इस शादी के बाद आयशा की दो बेटियां आलिया और रिया हुईं। 2012 में आयशा ने शिखर से शादी की। शिखर ने आयशा की बेटियों को अपना लिया। आयशा और शिखर के बेटे का नाम जोरावर है। शिखर ने आयशा को पहली बार फेसबुक पर देखा था और यहीं से प्यार की शुरुआत हुई थी। इस लव स्टोरी में हरभजन सिंह मीडिएटर थे। शिखर धवन के घर वाले आयशा से शादी के खिलाफ थे। वे नहीं चाहते थे कि तलाकशुदा और 10 साल बड़ी औरत जिसकी दो बेटियां हों, उससे वह शादी करें। हालांकि बाद में परिवार ने इस रिश्ते को मंजूरी दे दी। 2012 में सिख परंपरा से शादी हुई। शिखर की बारात में विराट कोहली समेत कई क्रिकेटर्स शामिल हुए थे। दो साल पहले आयशा ने सोशल मीडिया पोस्ट कर शिखर से अलग होने की बात कही थी दो साल पहले 2021 में टीम इंडिया के ओपनर शिखर धवन और उनकी पत्नी आयशा मुखर्जी शादी के 9 साल बाद अलग हो गए थे। आयशा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में शिखर से अपने तलाक की बात लिखी थी। आयशा ने कहा है कि मैं तलाक को तब तक गंदा शब्द समझती थी, जब तक मैं दूसरी बार तलाकशुदा नहीं हो गई। आयशा ने लिखा था, ये कितनी मजाकिया बात लगती है कि शब्दों के इतने गहरे अर्थ हो सकते हैं। मैंने तलाकशुदा होने पर पहली बार इस बात को महसूस किया। जब पहली बार मेरा तलाक हुआ तो मैं बहुत डरी हुई थी। मुझे लगता था जैसे मैं फेल हो गई थी और जिंदगी में कुछ बहुत गलत कर रही थी। मुझे लगा था कि मैंने सबका भरोसा तोड़ा है और स्वार्थी हो गई हूं। मुझे लगा था कि मैंने अपने पेरेंट्स, अपने बच्चों और शायद भगवान को भी निराश किया है। तलाक तब मेरे लिए एक गंदा शब्द था।

ब्लड डोनेट करने के बाद भी आप रहेंगे हेल्दी

ब्लड डोनेट करना आज कई कारणों से जरूरी होता जा रहा है. इससे न केवल आप दूसरों को नया जीवन दे सकते हैं बल्कि समय आने पर अपने लिए ब्लड की जरूरत को भी पूरा करते हैं. कई लोगों को रक्तदान के बाद चक्कर आना या उल्टी आने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है. जिस कारण कुछ लोग ये मानते हैं कि इसके बाद शरीर में काफी कमजोरी आ जाती है. पर ब्लड डोनेट करने के बाद यह 21 दिन में दोबारा बन जाता है. रक्तदान करने को लेकर अगर आप अपनी कुछ गलतफहमियों को दूर करना चाहते हैं तो ये टिप्स जरूर पढ़ें...

■ रक्तदान के बाद हर 3 घंटे के अंतराल पर हैवी डाइट लेते रहें. पौष्टिक आहार लें और अधिक से अधिक फल खाएं.

■ अकसर रक्तदान के बाद रक्तदाता को कुछ स्नैक्स दिए जाते हैं, जैसे जूस, चिप्स आदि, इन्हें लेने और खाने से परहेज न करें.

■ अगर आप रक्तदान करने की सोच रहे हैं तो इससे एक दिन पहले धूम्रपान करना बंद कर दें. रक्तदान के 3 घंटे बाद ही धूम्रपान करें. रक्तदान के 48 घंटे पहले अगर आपने शराब का सेवन किया है तो आप रक्तदान नहीं कर सकते.

■ रक्तदान के बाद अगर आप तरल पदार्थ लेते रहें और हेल्दी डाइट लें तो आपको कमजोरी महसूस नहीं होगी.

■ रक्तदान के बाद आप अपनी सामान्य दिनचर्या को दोबारा पा सकते हैं बशर्ते आप इसके 12 घंटे बाद तक हैवी एक्सरसाइज न करें. खून देने के तुरंत बाद ही चहलकदमी न करें, शरीर में खून के संचार को सामान्य होने दें.

■ रक्तदान का मतलब ये नहीं है कि आपके शरीर में खून की कमी हो जाएगी, बल्कि आप कुछ ही दिनों में दान दिए रक्त को दोबारा पा सकते हैं. रक्तदान के दौरान आपको किसी भी प्रकार का दर्द नहीं होगा .

■ रक्तदान के बाद न ही आपको चक?कर आएगा और न ही आप बेहोश होंगे. ये एक आम गलतफहमी है जो अकसर लोगों को होती है. साथ ही इसके बाद आपको एड्स होने की भी कोई संभावना नहीं है.

■ किसी भी व्यक्ति के शरीर से एक बार में 471एमल से ज्यादा रक्त नहीं लिया जा सकता. रक्तदान करने से आपके हीमोग्लोबिन में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं आती.

■ कोई भी हेल्दी व्यक्ति रक्तदान कर सकता है. एक पुरुष 3 माह में एक बार वहीं एक महिला हर 4 माह में एक बार ब्लड डोनेट कर सकता है.

इन टिप्स से आप ला सकते हैं अपनी

पर्सनालिटी में निखार...

कहते हैं फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन। ऐसे में कई बार हम कुछ ऐसी हरकतें कर जाते हैं जो सामने वाले पर हमारा खराब इम्प्रेशन डालती हैं। हमारे व्यक्तित्व में कई ऐसी चीजें होती हैं जो इसे बनाती और बिगाड़ती हैं। दूसरों का मजाक बनाना, हर बात पर अपनी शेखी मारना, जोर-जोर से बात करना कुछ ऐसी ही आदतें हैं। पर अगर आप चाहते हैं कि लोग आपकी तारीफ करें और आपका व्यक्तित्व ऐसा हो जो फौरान दूसरों पर आपका प्रभाव छोड़ें तो इन बातों का ध्यान जरूर रखें-

■खुद को साफ-सुथरा रखें, ताकि पसीने की बदबू से आपको और आपसे मिलने वालों को परेशानी न हो। पसीने की गंध से बचने के लिए डियोडरेंट का इस्तेमाल जरूर करें, ताकि आपके पास आने पर लोगों को अच्छा एहसास हो।

■जब कोई आपसे बात कर रहा हो तो विचलित होने या इधर-उधर देखने की बजाय सामने वाले की आंखों में आंखें मिलाकर बात करें।

■कुछ भी पहनते समय अपनी सुविधा का ध्यान रखें। जो भी आप पहनें, वह न तो बेहद टाइट हो और न ही बेहद ढीला होना चाहिए.

■अपनी वार्डरोब में 2 बेल्टों को जगह दें। एक पैंट के लिए और दूसरी जीन्स के लिए। कभी भी पैंट की बेल्ट को जीन्स के साथ न पहनें।

■ खुद को ढीला छोड़कर खड़े न हों, कंधों को हमेशा सीधा रखें। कमर पर हाथ रखकर खड़े होने की आदत छोड़ें दे।

■ मन की उत्सुकता या बेचैनी को चुतराई से छिपाना सीखें। बेचैनी में बार-बार घड़ी देखना या नाखून चबाना गलत आदत है।

■ अपने गुस्से को नियंत्रण में रखें, क्योंकि गुस्सा आपके गुणों को छिपाता है और आपकी छवि पर नकारात्मक प्रभाव ड़ालता है।

■ प्रत्येक व्यक्ति के साथ ईमानदारी और शिष्टता से पेश आएं। अगर आप किसी को सम्मान देंगें, तो वह भी आपको सम्मान देगा।

■ अच्छा श्रोता बनें। प्रत्येक व्यक्ति की बात को ध्यान से सुनें, जब दूसरा व्यक्ति अपनी बात पूरी कर चुका हो, तभी बोलें।

■ कपड़े खरीदते समय ऐसे रंगों का चुनाव करें, जो हर अवसर पर फबें। काला और नीला रंग, दफ्तर और पार्टी दोनों के लिए बेहतर है।

■ अगर आप किसी के घर मेहमान हैं, तो समय के पाबंद बनें और अंत में मेजबान को शुक्रिया कहना न भूलें। भोजन के दौरान हो रही बातचीत में किसी को संबोधित करने के लिए चाकू या कांटे से उसकी ओर इशारा न करें।

■ किसी भी कॉनफ्रेंस कॉल या बैठक के दौरान अपने मोबाइल फोन को बंद कर दें या उसे साइलेंट मोड पर लगा दें। अगर आप किसी व्यक्ति का नाम भूल गए हैं, तो विनम्रता और क्षमायाचना के साथ उनसे उनका नाम दोबारा पूछें।

बच्चों के लिए बिना सोचे समझें न करें टॉय सिलेक्शन

बच्चों को खिलौने बेहद पसंद होते हैं, उन्हें देखते ही उनके चेहरे के भाव उनकी खूशी को साफ तौर पर दर्शाने लग जाते हैं। इन खिलौनों से ही बच्चे काफी कुछ सिखते हैं मसलन कलर्स की पहचान, काऊंटिंग, टेबल और भी जाने क्या-क्या। लेकिन अकसर माता-पिता बिना सोचे समझे बच्चों के लिए खिलौने खरीदने लगते हैं, जिनका असर उनके मानसिक विकास पर पड़ता है। अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा एक्टिव हो और उसमें सीखने की क्षमता का निरंतर विकास हो, तो बच्चों के लिए खिलौनों का सिलेक्शन सोच-समझ कर करें।

अधिकतर एजुकेशनल टॉय ऐसे होते हैं जो बच्चों को एक एडल्ट के साथ बिना किसी सपोर्ट और कंडिशन के घुलना-मिलना सिखाते हैं। माता-पिता का अटेंशन पाने के लिए खिलौने ऑप्शन नहीं होने चाहिए।

बच्चों को ऐसे सुरक्षित, सस्ते खिलौने उपल्बध कराएं, जिनका विकासात्मक उपयोग हो। बच्चों के खिलौने ऐसे होने चाहिएं, जो उन्हें विकास और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने वाले क्षेत्रों में सीखने और विकास को बढ़ावा देने वाले हों।

उन खिलौनों से बचना चाहिए, जो कल्पनाशक्ति का उपयोग करने से बच्चों को हतोत्साहित करते हैं। बच्चों को ऐसे खिलौने दें, जो जीवन की समस्याओं से उबारने में उनके सामाजिक, भावनात्मक और संज्ञानात्मक कौशल को विकसित करें।

यह जरूरी है कि आप ऐसे खिलौनों का सिलेक्शन करें, जो बच्चों को सोचने और समझने की ओर प्रेरित करें। ध्यान रहे इस तरह के खिलौने बहुत अधिक महंगे या ट्रेंडी नहीं होते।

अपने बच्चों के साथ ऐसी किताबें और मैगजीन शेयर करें, जिन्हें आप भी उनके साथ पढ़ सकें।

कुछ खिलौने हिंसा या जातीय या लिंग भेद को बढ़ावा देने वाले होते हैं। ऐसे खिलौनों से अपने बच्चों को दूर रखें।

वीडियो और कंप्यूटर गेम का इस्तेमाल सीमित होना चाहिए। प्रतिदिन बच्चों का कुल स्क्रीन टाइम, जिसमें टीवी और कम्प्यूटर देखना भी शामिल है प्रतिदिन 1 से 2 घंटे से ज्यादा नहीं होना चाहिए। 5 साल से छोटे बच्चों को टीवी और वीडियो गेम्स का इस्तेमाल तभी करने दें जब वह उनके लिए विकासात्मक रूप से उपयुक्त हों।

बच्चों को दिए गए खिलौने ऐसे होने चाहिए जो नुकीले न हो और बच्चों को नुकसान न पहुंचा सकें।

अगर आपका बच्चा छोटा है तो उन्हें ऐसे खिलौने न दें जिनके छोटे-छोटे पार्ट्स हों। आपका बच्चा इन खिलौनों को मुंह में ले सकता है, जिससे उसकी जान को खतरा हो सकता है।

ये हैं ऑफिस में शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखने के नुस्खे

एक सुस्त जीवनशैली आपकी फिटनेस को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए, सभी रुके हुए कामों तथा समय पर दिए जाने वाले कामों के बीच इस बात का ध्यान जरूर रखें कि आपको अपने कार्यस्थल पर व्यायाम करने का मौका मिल सके। फिटनेस के विशेषज्ञ और एलेब थग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव डावर ने ये सुझाव देते हुए कार्यस्थल पर किए जाने वाले कुछ हल्के-फुल्के तौर के व्यायाम भी बताए हैं।

दफ्तर में खड़े रहने के दौरान किए जाने वाले व्यायाम

1.चलते-फिरने रहने या सीढ़ियों पर उतरने-चढ़ते रहने की कोशिश करें। इससे आपके पैरों की नसें काम करती रहेंगी।

2. अपनी एड़ियों को उठाकर फिर इन्हें धीरे-धीरे जमीन पर वापस रखें। इससे आपके शरीर का निचला हिस्सा सामान्य रूप से करेंगा।

3. अपनी कुर्सी में उठते-बैठते रहने का व्यायाम करीब एक समय पर 10 बार करें। आप इसे दिन में तीन बार कर सकते हैं।

4. काम के बीच-बीच में कार्यस्थल पर जम्पिंग जैक व्यायाम करने की कोशिश करें, ताकि आपका शरीर आरामदेह स्थिति में आ सके।

बैठे रहने के दौरान किया जाने वाला व्यायाम

1. बैठे रहने के दौरान अपने पैरों के पंजों को हिलाने की कोशिश करें। हालांकि, इस दौरान आपकी एड़ी जमीन पर ही टिकी रहे।

2. कुर्सी पर बैठे रहने के दौरान आप अपने पैरों को थोड़ी-थोड़ी देर पर जमीन से उठाते रहें। कई फुटबॉल खिलाड़ी ऐसा करते हैं। आप इस व्यायाम को 30 सेकेंड तक कर सकते हैं।

3. कुर्सी पर ही बैठे रहने के दौरान अपने बाएं पैर को थोड़ा ऊपर उठाएं और इसे 90 डिग्री के कोण की तरह कुछ समय तक हवा में ही रखें, जब तक आप इसमें सहज हो सकें।

4. अपने एक पैर को कुर्सी पर बैठे रहने के दौरान उठाएं और फिर ऐसा ही दूसरे पैर के साथ करें।

5. अपने कंधों को जितना हो सके, उतना ऊंचा उठाएं और इसके बाद इन्हें आगे-पीछे कर हिलाने की कोशिश करें। इस व्यायाम को दिन में लगभग 10 बार करें।

6. टाइपिंग करने के दौरान आपको जब भी अपनी उंगलियों में एक समय पर दर्द महसूस हो, उस दौरान अपने पंजों को खोलें और बंद करें। यह उंगलियों के लिए काफी अच्छा व्यायाम है।

7. काम करते रहने के दौरान आपकी गर्दन को भी व्यायाम की जरूरत होती है। इसलिए आप अपनी गर्दन को 360 डिग्री के कोण पर घुमाएं और साथ ही नीचे-ऊपर भी करें।

बीमारी की लंबी छुट्टी के बाद आना हो ऑफिस

इन दिनों वायरल बुखार से सब परेशान हैं। वैसे भी कामकाजी इंसान के जीवन में बीमारी-अजारी तो लगी ही रहती है। दिक्कत तब हो जाती है जब बीमारी या एक्सिडेंट की वजह से छुट्टी लंबी खिंच जाती है और आप रिकवरी के दौरान या बाद अपने काम पर लौटते हैं। लंबे समय के अंतराल के बाद फिर से काम के माहौल में ढलना आसान नहीं होता। यहां हाजिर हैं कुछ बातें, जो आपको इस मामले में मददगार साबित होंगी....

जब आप बीमार हुए तब आप किसी काम को शुरू कर चुके थे या किसी प्रोजेक्ट को लेने ही वाले थे। अब वक्त है इस काम को फिर से शुरू करने का जबकि आप जानते ही नहीं कि कमा कितना आगे बढ़ चुका है, उसका मौजूदा हाल क्या है। इस बीच यह भी मन में चलता रहता है कि आप इस जिम्मेदारी को पूरा करने में सक्षम होंगे या नहीं ! इन सब स्थितियों से आप पॉजीटिव एटिट्यूड के साथ जूझ सकते हैं। पूरे कॉन्फिडेंस के साथ आप इस स्थिति को एक बेहतरीन मौके के रूप में बदल सकते हैं और नई शुरूआत कर सकते हैं। यह मत भूलिये कि इससे पहले भी आप ऐसी स्थितियों में बढ़िया करके निकले हैं। बीमारी या तकलीफ के दौर में आपके ऑफिस के साथियों ने भी जरूर आपसे आपकी समस्या को लेकर बात की होगी लेकिन काम की बातें नहीं हो पाई होंगी। काम पर जाने से पहले साथियों से काम की बात भी कर लें और अपडेट हो जाएं।

किसी हिचकिचाहट में अभी भी हैं तो सीधे अपने बॉस के कैबिन का रुख कीजिए। भले ही वो नया बॉस हो या पुराना... उसके साथ बैठकर दो बात करने से आपका ही भला होने वाला है।

बॉस के साथ इनफॉर्मल बात से शुरूआत तो कर ही सकते हैं अपने टाइमिंग और उनकी अपेक्षाओं को भी समझ सकते हैं। अगर आप पूरी तरह ठीक नहीं हुए हैं तो भी परेशान होने की जरूरत नहीं है। बॉस को यह बात बताने में हिचकिचाइए मत।

अपने कॉन्ट्रेक्ट में बदलाव के बारे में भी बात कर सकते हैं, अगर वे काम के घंटों में रियायत देने को तैयार हैं। बॉस जितना बेहतर तरीके से आपकी तकलीफ को जानेगा, उतनी ही ज्यादा मदद वो कर पाएगा। खासतौर पर तब जब आने वाले वक्त में आपको वक्त की मोहलत की जरूरत होगी।

आजकल शहरों में ऑफिस अक्सर दूर होते हैं और काफी वक्त तो दफ्तर पहुंचने में ही खर्च हो जाता है। काम पर लौटने के बाद अपने बॉस से तो बात कीजिए ही, एचआर डिपार्टमेंट में भी सहूलियत को लेकर चर्चा करें। हो सकता है कि आप पीक ऑफिस आवर्स में सफर कर पाने में असमर्थ हों। यह भी संभव है कि घर से पास वाली ऑफिस की ब्रांच पर वे आपको हाजिरी दर्ज करवाने की छूट दे दें। यह भी संभव है कि कुछ दिन तक घर से काम करने की छूट आपको मिल जाए। अगर आप किसी ऐसी जगह काम करते हैं जहां शारीरिक मेहनत होती है तो बीमारी के बाद लौटने पर किसी नए डिपार्टमेंट में काम करने की बात भी कर सकते हैं। इसमें परेशान होने की जरूरत इसलिए नहीं है क्योंकि यह तो मौका है नई चीजों को जानने का। हो सकता है आप वहां बेहतर कर पाएं। हो सकता है वो जगह मौजूदा जिम्मेदारी से बढ़ी और बढ़िया हो।

कॉफी पीने के हैं ढेर सारे फायदे

बहुत से लोगों के दिन की शुरुआत एक ब्लैक कॉफी के मग के साथ ही होती है। लेकिन इसके बावजूद कॉफी पीने के नुकसान लोग ज्यादा गिनाते हैं। सच तो ये है कि कॉफी नुकसान तब करती है जब एक दिन में पांच कप या इससे ज्यादा पी जाए। एक या दो कॉफी के कप तो सेहत के लिए अच्छे माने गए हैं। जानिए कैसे -

कॉफी की क्वालिटी बहुत मायने रखती है। जर्मनी के एक शोध में पाया गया की डार्क रोस्ट कॉफी पीने से डीएनए इम्प्रूव होता है। आम तौर पर कॉफी बीन्स में पेस्टिसाइड्स का छि?काव किया जाता है। इसलिए ऑर्गेनिक कॉफी का चुनाव करें।

■ कॉफी ठंडी पीने से हेल्थ-बेनिफिट्स ज्यादा मिलते हैं। गर्म कॉफी ज्यादातर फायदे खत्म कर देती है।

■ कॉफी सही अनुपात में पी जाए तो वैस्क्युलर हेल्थ सुधारती है और शरीर को पोषण भी देती है।

■ मसल-रीजेनेरेशन और सेल्युलर रीसाइक्लिंग के लिए भी फायदेमंद है कॉफी।

■ कॉफी लीवर पर फैट नहीं जमा होने देती है और कोलैजेन कंट्रोल रखती है। लेकिन तब जब इसे मॉडरेशन में पीया जाए।

■ एल्जाइमर और डिप्रेशन से बचाव भी करती है कॉफी। इसके लिए ये जरूरी है की कॉफी को रेग्युलर और मॉडरेशन में पीया जाए। ऐसा इसलिए सम्भव है क्योंकि कॉफी में ऐन्टीऑक्सीडेंट्स बहुत ज्यादा होते हैं।

अनार के छिलके भी हैं बड़े काम के, जानिए इसके फायदों के बारे में !

बहुत से ऐसे फल हैं जिनका सेवन आपको सेहतमंद रखता हैं लेकिन कई ऐसे फल भी है जिनके छिल्के भी फायदेमंद होते हैं. अनार ऐसा ही फल है. जानिए, अनार के छिलके किस तरह से आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं.

■ विटामिन और एंटीऑक्सीलडेंट्स से भरपूर अनार और उसके छिलकों से ना सिर्फ त्वचा को स्वस्थ रखा जा सकता है बल्कि इससे कई बीमारियां भी दूर हो सकती हैं.

■ पीरियड्स के दिनों में अधिक दर्द हो तो अनार के छिलकों को सुखाकर पाउडर बनाए और पानी के साथ इसका सेवन करें तो दर्द से निजात मिलेगी.

■ अनार के छिलकों के पाउडर का सेवन करने से कोलेस्ट्रोल लेवल भी कम किया जा सकता है.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**